Page 11

खेल

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

मूल्य ₹ 2.00

आईपीएल 2026 के बीच अफगानिस्तान को बड़ा झटका, दिग्गज स्पिनर भारत टेस्ट से हो...

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामला, जमानत के बाद हुई सौम्या चौरसिया और केके श्रीवास्तव..

कृष्ण पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • शुक्रवार • 10 अप्रैल 2026 • वर्ष 28 • अंक 128 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,38,850	₹ 2,55,000

आज का इतिहास

1802 : भारत का महान त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण, मद्रास के पास एक बेसलाइन के माप के साथ शुरू हुआ।

1999 : भारत और पाकिस्तान के दो शीर्ष औद्योगिक संघों ने भारत-पाकिस्तान चैम्बर्स आफ़ कामर्स का विधिवत गठन किया।

न्यूज बाइट्स

दस्तावेज नहीं रहने पर भी औपबंधिक होगा दाखिला

पटना (नि.सं.)। पहली कक्षा में नामांकन के लिए आधार कार्ड या अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। अस्थायी दाखिला होगा, और दस्तावेज जमा करने पर स्थायी किया जाएगा। 6 वर्ष पूरे कर चुके बच्चों का नामांकन अनिवार्य है। प्राचार्य सभी अभिभावकों को सहयोग करेंगे ताकि कोई बच्चा नामांकन से छूट न जाए। पहली कक्षा में नामांकन लेने वाले बच्चों के पास अगर आधार कार्ड या अन्य दस्तावेज नहीं हैं तो भी बच्चे का दाखिला विद्यालय में होगा। दाखिला औपबंधिक (अस्थायी) होगा और दस्तावेज जमा करने के बाद इसे स्थायी कर दिया जाएगा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की होगी नियमित समीक्षाः मंगल पांडेय

पटना (नि.सं.)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने गुरुवार को कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों के बेहतर संचालन और निगरानी के लिए नई कार्ययोजना तैयार की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रखंड स्तर पर हर महीने समन्वयात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित हो सके। इन बैठकों के माध्यम से जमीनी स्तर पर मौजूद समस्याओं की पहचान कर उनका समय पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाना, सेवा की गुणवत्ता बढ़ाना तथा आम लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा उपलब्ध कराना है।

30 मार्च से लागू इस फैसले का उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और तंबाकू के सेवन पर रोक लगाना

बिहार में गुटखा और पान मसाला पर एक साल के लिए लगा प्रतिबंध

• जिलों में जांच और छापेमारी अभियान चलाए जाएंगे।

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा एवं पान मसाला के खिलाफ एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए राज्यभर में इन उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया है। यह प्रतिबंध 30 मार्च 2026 से प्रभावी हो चुका है और आगामी एक वर्ष तक लागू रहेगा। सरकार के इस फैसले को जनस्वास्थ्य के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव सह खाद्य संरक्षा आयुक्त लोकेश कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय आम लोगों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि गुटखा और पान मसाला जैसे तंबाकू युक्त उत्पाद न केवल लत लगाने वाले होते हैं, बल्कि कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण भी बनते हैं। विशेष रूप से युवाओं में इनके बढ़ते सेवन को देखते हुए इस पर नियंत्रण आवश्यक समझा गया है। यह प्रतिबंध फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 के प्रावधानों के तहत लागू किया गया है। उल्लेखनीय है कि बिहार में इससे पहले भी गुटखा और पान मसाला पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, जिसे अब आगे बढ़ाया गया है। सरकार का उद्देश्य केवल प्रतिबंध लगाना ही नहीं, बल्कि लोगों को इन हानिकारक उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि तंबाकू युक्त उत्पादों के लगातार सेवन से मुंह का कैंसर, गले का कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय संबंधी समस्याएं और अन्य जानलेवा रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि राज्य सरकार इस पर सख्ती बरत रही है, ताकि लोगों को इन खतरों से बचाया जा सके।

सरकार को उम्मीद है कि इस निर्णय से राज्य में स्वास्थ्य स्तर में सुधार आएगा और विशेषकर युवाओं में तंबाकू सेवन की आदत में कमी आएगी। इसके साथ ही, अवैध कारोबार पर भी अंकुश लगाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इस प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन को लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई करनी होगी। राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि प्रतिबंध के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच और छापेमारी अभियान चलाए जाएं। यदि कोई व्यक्ति या संस्था इस आदेश का उल्लंघन करते हुए पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कुल मिलाकर, बिहार सरकार का यह निर्णय जनस्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है, जो आने वाले समय में सकारात्मक परिणाम दे सकता है, बशर्ते इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

अवैध कारोबार पर भी कसेगा शिकंजा

सरकार को उम्मीद है कि इस निर्णय से न केवल आमजन के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, बल्कि गुटखा और पान मसाला के अवैध कारोबार पर भी प्रभावी रोक लगेगी। पूर्व में इन उत्पादों के अवैध निर्माण, भंडारण और बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ी थी। इसी को ध्यान में रखते हुए अब संबंधित विभागों को सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। विभिन्न जिलों में नियमित जांच, छापेमारी और निगरानी अभियान चलाए जाएंगे, ताकि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि किसी भी स्तर पर अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई तय

सरकार ने स्पष्ट किया है कि गुटखा और पान मसाला पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। प्रशासन द्वारा नियमित जांच और छापेमारी अभियान चलाने की तैयारी की गई है, ताकि अवैध निर्माण, भंडारण या बिक्री करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे इस प्रतिबंध का पालन करें और तंबाकू उत्पादों से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य की रक्षा करें।

पीएम अपने विचारों को एक लेख और सोशल मीडिया मंच के माध्यम से किया साझा

महिला आरक्षण नारी शक्ति की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब : प्रधानमंत्री

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण को देश की नारी शक्ति की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताते हुए कहा कि यह केवल एक कानून बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि महिलाओं के सपनों और अपेक्षाओं को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अपने विचारों को एक लेख और सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से साझा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की प्रगति के बिना संभव नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाना राष्ट्र के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है। उनके अनुसार, महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि वे हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएं शासन और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी करती हैं, तो उनके अनुभव और दृष्टिकोण से नीतियां अधिक प्रभावी बनती हैं और शासन की गुणवत्ता में सुधार होता है। इस संदर्भ में उन्होंने महिलाओं के बढ़ते प्रतिनिधित्व को लोकतंत्र को और अधिक समावेशी बनाने वाला बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया कि वर्ष 2029 के लोकसभा और विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाने चाहिए, ताकि महिलाओं की भागीदारी को व्यापक स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सितंबर 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने में होने वाली हर देरी लोकतंत्र की गुणवत्ता और समावेशिता को प्रभावित करती है। प्रधानमंत्री ने इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सहमति बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि महिला आरक्षण को राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए मिलकर प्रयास करें।

बस किराया बढ़ाने की तैयारी, परिवहन विभाग ने जारी किया नया प्रस्ताव

पटना(नि.सं.)। बिहार में बस से सफर करने वाले यात्रियों को जल्द ही अधिक किराया चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकार के परिवहन विभाग ने विभिन्न श्रेणियों की बसों के यात्री किराए में वृद्धि के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। यह प्रस्ताव मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 67(1) के तहत राज्यपाल की अनुमति से तैयार किया गया है। विभाग ने इस पर आम जनता से एक माह के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। प्रस्तावित नई दरों के अनुसार, साधारण बसों के लिए 50 किलोमीटर तक की दूरी पर किराया 1.50 रुपये से बढ़ाकर 1.71 रुपये प्रति किलोमीटर किया गया है। वहीं डीलक्स बसों के लिए यह दर 1.96 रुपये प्रति किलोमीटर तय की गई है। दूरी बढ़ने के साथ किराया दर में मामूली कमी का प्रावधान रखा गया है। उदाहरण के तौर पर, 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर साधारण बस का किराया 1.65 रुपये और डीलक्स बस का 1.87 रुपये प्रति किलोमीटर होगा। आरामदायक यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एसी और प्रीमियम श्रेणी की बसों के किराए में भी बढ़ोतरी प्रस्तावित है। डीलक्स वातानुकूलित बसों के लिए 50 किलोमीटर तक का किराया 2.30 रुपये प्रति किलोमीटर निर्धारित किया गया है, जबकि वॉल्वो

बिहार में डेटा आधारित खेती की दिशा में बड़ा कदम

कृषि मंत्री ने किया डिजिटल कृषि निदेशालय का उद्घाटन

निज संवाददाता | पटना

बिहार के कृषि क्षेत्र में तकनीकी बदलाव और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने गुरुवार को कृषि भवन, मीठापुर में डिजिटल कृषि निदेशालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के 12 राजकीय बीज गुणन प्रक्षेत्रों में मॉडल कस्टम हायरिंग सेंटर तथा 25 जिलों के 32 अनुमंडलों में अनुमंडल स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का कृषि विभाग किसानों के हित में लगातार नवाचार कर रहा है।

उन्होंने बताया कि डिजिटल कृषि निदेशालय की स्थापना का उद्देश्य किसानों को रियल टाइम में योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना, डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से फसल आच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता का सटीक आकलन करना तथा कृषि क्षेत्र के लिए एकीकृत डाटाबेस प्रणाली विकसित करना है। उन्होंने कहा कि यह निदेशालय कृषि क्षेत्र में तकनीकी समावेश का नया अध्याय है, जिसके माध्यम से डिजिटल सॉइल हेल्थ कार्ड, ड्रोन तकनीक द्वारा पौधा संरक्षण, और डिजिटल जनरल क्रॉप एस्टीमेशन सर्वे जैसे कार्यों को गति मिलेगी। इससे न केवल फसल उत्पादन का वैज्ञानिक आकलन संभव होगा, बल्कि किसानों को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं भी मिल सकेंगी। साथ ही, डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी यह निदेशालय अहम भूमिका निभाएगा। कृषि मंत्री ने बताया कि कृषि विभाग के विभिन्न निदेशालयों, निगमों और क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा संचालित योजनाओं में डिजिटल आधारभूत संरचना, मोबाइल एप्लिकेशन और ई-गवर्नेंस टूल्स के विकास और क्रियान्वयन को भी इस पहल से मजबूती मिलेगी। इससे योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी और किसानों तक सेवाओं की पहुंच अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्र प्रायोजित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मेकेनाइजेशन योजना के तहत राज्य के 12 जिलों के बीज गुणन प्रक्षेत्रों में मॉडल कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां लगभग 25 प्रकार के आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें प्रशिक्षण देना है।

बिहार विधान परिषद उपचुनाव की तारीख घोषित 12 मई को मतदान

पटना(नि.सं.)। बिहार में विधान परिषद की एक सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने गुरुवार को कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र की इस सीट पर 12 मई 2026 को मतदान कराया जाएगा, जबकि 14 मई को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। यह सीट जदयू के विधान पार्षद राधा चरण शाह के विधायक बनने के बाद इस्तीफा देने से खाली हुई थी। उन्होंने 16 नवंबर 2025 को अपना पद छोड़ा था, जिसके बाद से यह सीट रिक्त पड़ी है। इस सीट का कार्यकाल 7 अप्रैल 2028 तक निर्धारित है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उपचुनाव की प्रक्रिया 16 अप्रैल से शुरू होगी, जब आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल निर्धारित की गई है, जबकि 24 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 27 अप्रैल तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 12 मई को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। इसके बाद 14 मई को मतगणना की जाएगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल के विधानसभा चुनाव में सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय और भगवान सिंह कुशवाहा के विधायक बनने के कारण उनकी विधान परिषद सीटें भी खाली हुई हैं, जिन पर आगे उपचुनाव होने की संभावना है।

बिहार में प्री-मानसून का सबसे प्रभावशाली और खतरनाक मौसम तंत्र 'काल वैशाखी' हो गया सक्रिय

19 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, वज्रपात का खतरा

निज संवाददाता | पटना

बिहार में प्री-मानसून का सबसे प्रभावशाली और खतरनाक मौसम तंत्र 'काल वैशाखी' सक्रिय हो गया है, जिससे राज्य के मौसम में अचानक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के अधिकांश हिस्सों, खासकर उत्तर और पूर्वी बिहार के 19 जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। बुधवार रात से गुरुवार तक 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, आंधी-बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवाएं और उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय चक्रवातीय परिसंचरण के मिलन से वातावरण में अस्थिरता बढ़ गई है। यही कारण है कि अचानक तेज आंधी, गरज के साथ बारिश और वज्रपात जैसी स्थितियां बन रही हैं। इस सिस्टम के प्रभाव से तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है और पारा करीब 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ सकता है।

राज्य में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिले। एक ओर कैमूर (भभुआ) में अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पटना में दोपहर बाद हुई हल्की बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान गिरकर 29 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, औरंगाबाद के कुटुंबा में सबसे अधिक 2.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में पटना, बांका, गोपालगंज, बेगूसराय सहित 11 जिलों में बारिश हुई। छपरा में अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री दर्ज किया गया, लेकिन आंधी और बारिश के कारण गर्मी में थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, यह स्थिति अगले एक-दो दिनों तक बनी रह सकती है। इस दौरान कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश और वज्रपात की घटनाएं हो सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की संभावना है। पटना में फिलहाल आंशिक बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। हालांकि भारी बारिश की संभावना कम है, लेकिन उमस बनी रह सकती है और तापमान सामान्य से थोड़ा कम रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि 2 से 3 दिनों के बाद मौसम साफ होने लगेगा। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अप्रैल के मध्य तक गर्मी एक बार फिर अपने तीखे तेवर दिखाने लगेगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

वैवाहिक कार्यक्रमों में घरेलू एलपीजी के उपयोग पर रोक, वाणिज्यिक गैस उपयोग अनिवार्य

नवादा। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार सरकार के आदेश के आलोक में अवगत कराया जाता है कि प्रायः यह देखा जाता है कि वैवाहिक कार्यक्रमों में व्यक्ति विशेष द्वारा घरेलू एलपीजी गैस का उपयोग किया जाता है, जो नियमसंगत नहीं है। इससे राज्य में एलपीजी आपूर्ति पर अनावश्यक दबाव पड़ता है तथा बैकलॉग बढ़ने की संभावना रहती है। पश्चिम एशिया में तेल एवं प्राकृतिक गैस से संबंधित उत्पन्न समस्याओं के मद्देनजर आगामी वैवाहिक सीजन में वाणिज्यिक गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए निम्नलिखित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है— वैवाहिक कार्यक्रमों में भोजन तैयार करने वाले रसोईया/कैटरर्स को अपने वाणिज्यिक गैस हेतु अनिवार्य रूप से निबंधन कराना होगा। संबंधित तेल कंपनियाँ अगले 5-7 दिनों के भीतर उनका निबंधन सुनिश्चित करेंगी।

जिस व्यक्ति के घर में वैवाहिक कार्यक्रम निर्धारित है, वह अपने शादी के कार्ड के साथ संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन समर्पित करेंगे। आवेदन में आवश्यक वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की संख्या एवं संभावित अतिथियों की संख्या का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी आवेदन के आधार पर कार्यक्रम में संभावित उपस्थिति का आकलन करते हुए, संबंधित तेल कंपनी से समन्वय स्थापित कर वैवाहिक कार्यक्रम की तिथि पर उपलब्धता के अनुरूप रसोईया/कैटरर्स को आनुपातिक रूप से वाणिज्यिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। वैवाहिक कार्यक्रम हेतु उपलब्ध कराई गई वाणिज्यिक गैस का उपयोग केवल उसी कार्यक्रम के लिए किया जाएगा।

दिल्ली से चोरी कर भाग रहा पश्चिम बंगाल का नौकर गिरफ्तार

अररिया। दिल्ली के अमर कॉलोनी में मालिक का करोड़ों रूपये के समान की चोरी कर भाग रहा नौकर अररिया में गुरुवार को गिरफ्तार हुआ।गिरफ्तार नौकर पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर के चोपरा थाना क्षेत्र के माधोबिट्टा बुटीझड़ी का रहने वाला अख्तर अली पिता जमीरउद्दीन है।अररिया पुलिस ने गुप्त सूचना पर बस स्टैंड के पास से इसकी गिरफ्तारी की। जिसके पास से साढ़े तीन करोड़ रूपये से अधिक मूल्य के तीन ट्राली बैग,689 ग्राम के सोने के एक बिस्किट,570 ग्राम स्वर्णा भूषण,670 ग्राम चांदी के आभूषण,एक रोलेक्स घड़ी,29 लाख 76 हजार 540 रुपैया नगद,विदेशी मुद्रा के रूप में डॉलर,पाउंड,यूरो,दिनार और अन्य देशों की विदेशी करेंसी के साथ चोरी के अन्य समानों को बरामद किया।जानकारी गुरुवार शाम को एसपी जितेन्द्र कुमार ने दी। एसपी ने बताया कि दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत अरूण ठकराल के घर में अख्तर अली नौकर के रूप में रहता था।अरूण ठकराल के घर में मकान मालिक एवं उनके परिवार के अन्य सदस्यों की अनुपस्थिति में घर में रखे सोने,चांदी के जेवरात एवं नकद रुपैया एवं अन्य सामानों की चोरी कर दिल्ली से फरार हो गया था।एसपी ने बताया कि एक गुप्त सूचना मिली कि अररिया बस स्टैंड के पास एक युवक को तीन ट्राली बैग एवं कंधे पर बैग रखे हुए था, को संदिग्ध अवस्था में है।सूचना के बाद सदर एसडीपीओ सुशील कुमार के नेतृत्व में नगर थाना पुलिस और डीआईयू के साथ एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया।टीम के द्वारा युवक को हिरासत में लिया गया। कड़ाई से पुछने पर युवक द्वारा बताया कि दिल्ली में मकान मालिक अरूण ठकराल के घर में नौकरी करता था और उनके घर से उनके गैर मौजूदगी में सोने,चांदी के जेवरात, रुपैया,मोबाईल तथा अन्य सामानों का चोरी करने की बात को स्वीकार किया।पुलिसिया पूछताछ में उन्होंने बताया कि चोरी के सामानों के साथ अपने घर उत्तर दिनाजपुर के चोपरा के माधोबिट्टा बुटीझड़ी जाने के क्रम में चोरी के सामानों के साथ अररिया उतरा था।उक्त संबंध में अररिया थाना में कांड संख्या-192/2026 दिनांक 09.04.2026 धारा-317 (2) बीएनएस अंकित किया गया है। छापेमारी दल में सदर एसडीपीओ सुशील कुमार,नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक,एसआई जितेन्द्र प्रसाद,संजीव कुमार,मुकेश कुमार,राजन कुमार,डीआईयू के साथ अन्य टीम साथ थे।

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के तीन नामजद आरोपित गिरफ्तार

अररिया। सिकटी के पलासमनी में नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में एसपी के द्वारा गठित एसआईटी ने तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया। गुरुवार शाम एसपी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि पलासमनी भीड़भिडी वार्ड संख्या तीन के रहने वाले नामजद आरोपित 25 वर्षीय दीपक कुमार पासवान ,30 वर्षीय रामविलास पासवान और 28 वर्षीय तिलानंद पासवान को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एसपी ने बताया कि 3 अप्रैल को पीड़िता की मां ने सिकटी थाना में आवेदन दिया था,जिसमें पीड़िता की मां द्वारा बताया गया कि 25 मार्च के शाम को पीड़िता के शौच करने के क्रम में चार युवकों के द्वारा मुंह में कपड़ा बांध कर जबरन मकई के खेत में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था।तिलानंद पासवान द्वारा मोबाइल में घटना का वीडियो भी बनाया गया था और मामले की जानकारी देने पर उसे वायरल कर देने की धमकी दी थी। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया था।मामले को लेकर सिकटी थाना में कांड संख्या 03/25 दिनांक 03.04.26. भारा-70/85/3(5) बीएनएस 2023.4/6/13 पॉक्सो एक्ट 2012 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।गठित एसआईटी पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद चार आरोपितों में से तीन को गिरफ्तार किया,जबकि मामले में एक अन्य आरोपी लालमोहन पासवान फरार है,जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने की बात एसपी ने कही।इन आरोपितों की गिरफ्तारी नेपाल भारत सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया है। छापामारी दल में सिकटी थानाध्यक्ष रौशन कुमार, अपर थानाध्यक्ष कंचन कुमार,एसआई पिंकी कुमारी,सौरभ कुमार,शंकर कुमार एवं डीआईयू की टीम शामिल थी।

आरेलाल पासवान हत्या के मामले में मुख्य आरोपित रंजीत पासवान सुपौल से गिरफ्तार

अररिया। जिले के बौसी थाना क्षेत्र के भवानीपुर अररिया टोला वार्ड संख्या पांच में दो दिन पहले 32 वर्षीय आरेलाल पासवान को गोली मार दी गई थी।घायल अवस्था में पूर्णिया ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गई थी।मामले में एसपी जितेन्द्र कुमार द्वारा गठित विशेष छापेमारी टीम ने मुख्य आरोपी रंजीत पासवान उर्फ बबलू पिता शुक्कल पासवान को सुपौल से गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी गुरुवार शाम एसपी जितेन्द्र कुमार ने दी। एसपी ने बताया कि रंजीत कसवां उर्फ बबलू एक अपराधिक चरित्र का है और पूर्व में भी चार अन्य संगीन मामलों में आरोपी रहा है।घटना के बाद से ही वह फरार था और उसकी छापेमारी के लिए सदर एसडीपीओ सुशील कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम लगातार छापेमारी कर रही थी,जिसे सुपौल से गिरफ्तार किया गया। रंजीत पासवान की गिरफ्तारी बौसी थाना में दर्ज बीएनएस और 27 आर्म्स एक्ट में की गई है।उन्होंने पुलिसिया पूछताछ में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है और कई अन्य साथियों का नाम बताया है,जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस के द्वारा छापेमारी की जा रही है।छापेमारी दल में बौसी थानाध्यक्ष कुंदन कुमार,एएसआई नैयाज अहमद और डीआईयू की टीम शामिल थी।

रजौली में ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण कार्य फिर से शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- **जनप्रतिनिधियों के शिकायत पर परियोजना निदेशक ने किया निरीक्षण,रोष हुआ दूर**
- **रजौली नगर पंचायत में बन रहा 11 करोड़ रुपए की लागत से 3.8 किमी का स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज**

रजौली। रजौली नगर पंचायत में निर्माणाधीन 3.8 किमी लंबे स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम को लेकर नगरवासियों में रोष व्याप्त था। इसी को लेकर नगरवासियों ने रजौली विधायक विमल राजवंशी एवं नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह समेत वार्ड पार्षद मुकेश यादव के पास शिकायत की थी। शिकायत पर जनप्रतिनिधियों ने आम लोगों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य को बंद करवा दिया था एवं संवेदक को इंजीनियर के साथ स्थल पर आकर कार्य का भौतिक सत्यापन करने को निर्देशित किया गया था। इसी आलोक में गुरुवार को परियोजना निदेशक अभिषेक कुमार,उप परियोजना निदेशक कुंदन त्रिपाठी,संवेदक सह प्रोजेक्ट मैनेजर आशुतोष कुमार,साइट इंजीनियर आशुतोष कुमार एवं जेई प्रवीण कुमार रजौली पहुंचे और लेवलिंग का जायजा लिया। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों समेत नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी आतिश कुमार के साथ दर्जनों नगरवासी मौजूद रहे।

संवेदक सह प्रोजेक्ट मैनेजर ने दी सफाई :- स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज के प्रोजेक्ट मैनेजर सह संवेदक आशुतोष कुमार ने कहा कि नगर पंचायत के पांच मुख्य क्षेत्रों में 3.8 किमी लंबा नाला का निर्माण कार्य किया जा रहा है,जिसके लिए लगभग 11 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। निर्माण कार्य के दौरान कुछ नगरवासियों को संदेह था कि भविष्य में निर्मित होने वाले नालियों का पानी ड्रेनेज के माध्यम से नहीं जा पाएगा। इसको लेकर आमलोगों द्वारा जनप्रतिनिधियों के पास इसकी शिकायत की गई थी। शिकायत के आलोक में पूरी टीम के साथ कार्य का जायजा लिया गया,जो सही पाया गया। उन्होंने बताया कि पूरे ड्रेनेज सिस्टम में दो तरह के सेक्शन है,जो 900 मिमी और 1200 मिमी का है एवं अलग-अलग स्थानों पर गहराई में भिन्नता रहेगी,तब ही पानी का बहाव दो आउटपुट के माध्यम से नदी में गिरेगा। उन्होंने कहा कि नाला पर 50 टन का लोड सह सकता है। इस दौरान दुबारा लेवलिंग की जांच की गई। प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण एक साल के अंदर किया जाना है,किंतु हमलोगों द्वारा इसे 6 माह में समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही बताया कि स्थानीय विधायक के द्वारा कहा गया कि रजौली में बहुत सारी नालियों का निर्माण प्रस्तावित है,उसका भी ख्याल रखा जाए,ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

नालियों की जांच करते विधायक,संवेदक,मुख्य पार्षद प्रतिनिधि व अन्य

टीम के आगमन के बाद विधायक और नगरवासी संतुष्ट :- विधायक विमल राजवंशी ने कहा कि आम लोगों की शिकायत पर निर्माण कार्य को जांच के बाद करने की बात कही गई थी। इस समस्या का निराकरण संवेदक और समस्त पदाधिकारियों द्वारा आम लोगों के समक्ष किया गया है। साथ ही बताया कि भविष्य में निर्मित होने वाले नालियों के बारे में भी जानकारी साझा की गई है।

रजौली के लिए ड्रेनेज सिस्टम एक महत्वकांक्षी योजना :- इस संबंध में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी आतिश कुमार ने बताया कि स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज रजौली की एक महत्वकांक्षी योजना है,जिसे गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समय सीमा में समाप्त कर लिया जाएगा। नगरवासियों और जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का निवारण भी टीम द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत प्रशासन की सफाई एजेंसी समेत नगर पंचायत की टीम एवं सक्शन मशीन भविष्य में जल जलजमाव के संकट से निबटने के लिए तैयार है।

करमा कला विद्यालय में बेटा एवं बेटी की विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमा कला में वर्ग 8 के सभी छात्र-छात्राओं का भव्य स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार निराला के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार अंग वस्त्र देकर एवं राष्ट्रीय गान के साथ प्रारंभ किया गया। मंच का संचालन विद्यालय के वरीय शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोपालपुर प्रधानाध्यापक दयानन्द सिन्हा ने की। वहीं मौके पर फूलों की माला पहनकर पत्रकार एवं वरीय शिक्षक को सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पुष्कर कुमार, सोमनाथ राजीव कुमार, सुरेश कुमार, सचिन कुमार, सुबोध कुमार, उपेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार पांडे, महेंद्र प्रसाद और उषा सिंहा, दीप्ति सिन्हा, अर्चना भारती, माला कुमारी, सचिन कुमार सभी शिक्षक रसोईया बिंदिया देवी, खेमनी देवी, गंगा देवी छात्र-छात्राएं रोशनी कुमारी, सिमरन कुमारी, निशा कुमारी, प्रियंका कुमारी, कहकशा परवीन, संजना कुमारी, अमरजीत कुमार, शोभा कुमारी, कृष्ण कुमार एवं मनीष कुमार ने सम्मान सह विदाई कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ग 8 से नौवीं कक्षा में जाने वाले सभी छात्र-छात्राओं के भविष्य की शुभकामनाएं एवं अवसर की उपलब्धताओं एवं भविष्य की सवरने की सारी प्रक्रियाओं को सुक्ष्म तरीके से सभी छात्राओं के बीच में साझा किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने मंच से वादा किया कि वर्ग 8 से ऊपर जाने वाले सभी छात्र जिन्हें अध्ययन के क्रम में आर्थिक सामाजिक या शैक्षणिक स्तर से किसी तरह की भी असुविधा यदि होती है तो निसंकोच विद्यालय प्रधानाध्यापक से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि वे हर संभव मदद करने के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए और भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

विदाई समारोह में प्रभारी बीईओ व शिक्षकगण के साथ छात्र-छात्राएं

रजौली अस्पताल में आयोजित शिविर में पहुंची 178 गर्भवती महिलाएं, जांच के बाद दी गई जरूरी दवाइयां

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में गुरुवार को आयोजित प्रधानमंत्री मातृत्व शिविर में कुल 178 गर्भवती महिलाओं की जांच कर आवश्यक दवाइयां दी गई। इस दौरान अस्पताल के प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार के साथ डॉ. बरकत अली, डॉ. सारिका स्वराज एवं डॉ. प्रियंका शर्मा मौजूद रहे। प्रभारी डीएस ने बताया कि प्रत्येक माह के 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर में रजौली एवं आसपास के क्षेत्र से आई गर्भवती महिलाओं की बीपी, शुगर, सीबीसी आदि ब्लड सैंपलों की जांच की सलाह दी गई। जांचोपरांत चिकित्सकीय सलाह पर आयरन एवं कैल्शियम के साथ अन्य जरूरी दवाइयां दिया गया। प्रभारी डीएस ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच और उचित पोषण की आवश्यकता होती है, ताकि वे स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें।शिविर में उपस्थित गर्भवती महिलाओं ने बताया कि उन्हें यहां पर बहुत अच्छी सुविधाएं मिली हैं। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों और नर्सों ने उनकी जांच बहुत अच्छे से की और उन्हें जरूरी दवाइयां दी गई हैं। इस शिविर के आयोजन से रजौली और आसपास के क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को बहुत फायदा हुआ है। उन्हें अपने घर के पास ही अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिल गई हैं। इस मौके पर जीएनएम श्रुति कुमारी, मुन्नी कुमारी, अर्चना कुमारी, प्रेमा कुमारी, प्रमिला बिहान, नेहा कुमारी, अनिल कुमार, आशा खेस, ज्योति कुमारी एवं पुनीता कुमारी के अलावे लैब टेक्नीशिनी राकेश परिवार कल्याण परामर्श राकेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी

रजौली में इंडेन गैस की आपूर्ति ठप, घंटों के इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौट रहे उपभोक्ता, बदहाल व्यवस्था से चूल्हे हुए ठंडे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्र में इंडेन गैस की होम डिलीवरी सेवा पूरी तरह ध्वस्त होने से आम जनजीवन बेपटरी हो गया है और उपभोक्ताओं को भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है। रजौली नगर पंचायत और प्रखंड क्षेत्र के हजारों लाभार्थियों को पूर्व में गोविंदपुर, वारसलीगंज, गया, रसलपुरा और नेमदारगंज जैसी दूरदराज की एजेंसियों से गैस कनेक्शन आवंटित तो कर दिए गए, लेकिन वर्तमान में आपूर्ति व्यवस्था चरमराने से लोगों के सामने रसोई संचालन का संकट खड़ा हो गया है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब मेसकौर प्रखंड के रसलपुरा इंडेन गैस की वितरण गाड़ी रजौली बाईपास पर पहुंचती है, तो कुंडला मोहल्ला , बलिया, मंझला, दुलरपुरा और महसई जैसे कई गांवों के ग्रामीण तपती धूप में घंटों अपनी बारी का इंतजार करते नजर आते हैं। आपूर्ति और मांग के बीच गहराते अंतर के कारण वहां अक्सर मारामारी जैसे हालात बन जाते हैं और गैस सिलेंडरों की सीमित संख्या के चलते अधिकांश लोगों को मायूस होकर बैरंग वापस लौटना पड़ता है। उपभोक्ता सुमन खत्री, निकहत प्रवीण और शहजादा खातून समेत दर्जनों उपभोक्ताओं ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि महीनों से उन्हें गैस नहीं मिल पाई है,जब बमुश्किल सौ सिलेंडरों वाली एक छोटी गाड़ी आती है,तो वहां पांच सौ से अधिक की भीड़ जमा हो जाती है, जिससे अव्यवस्था और बढ़ जाती है। इस पूरे मामले पर गैस वितरण करने वाले प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने केवल इतना कहा कि होम डिलीवरी जल्द ही शुरू की जाएगी, हालांकि वे व्यवस्था की खामियों पर अधिक बोलने से बचते रहे। एक तरफ जहां रजौली में एचपी गैस एजेंसी की स्थानीय उपलब्धता के कारण उसके उपभोक्ताओं को कुछ राहत है। वहीं शहरी क्षेत्र होने के बावजूद वहां भी पैंतालिस दिनों के अंतराल पर गैस वितरण किया जा रहा है, जिससे नगर पंचायत के निवासी खुद को ग्रामीण परिवेश जैसी असुविधाओं में फंसा महसूस कर रहे हैं। आपूर्ति की इस अनियंत्रित स्थिति ने उपभोक्ताओं को गैस संचालकों के कारिंदों के पीछे भटकने पर मजबूर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप कई घरों के चूल्हे ठंडे पड़ गए हैं और विवश होकर लोग अब कोयला व लकड़ी जैसे पारंपरिक संसाधनों की ओर लौट रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग की इस उदासीनता ने रजौली के उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश भर दिया है, जो अपनी बुनियादी जरूरत के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं।

रजौली बाईपास में सिलेंडर के कतार में खड़े उपभोक्ता

कोयले लदे पांच ट्रकों को किया गया जब्त,60 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

जांच चौकी पर जब्त कोयला लदा ट्रक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र स्थित बिहार-झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र समेकित जांच चौकी पर पुलिस-प्रशासन द्वारा ओभरलोड वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। डोभी बोर्डर पर नकेल कसे जाने के बाद कोयला लदा वाहन रजौली बोर्डर से होकर जाना शुरू कर दिया है। किंतु पुलिस और प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए कोयला लदे 5 ओभरलोड ट्रकों को जब्त कर जांच चौकी पर लगाया गया है। यह कार्रवाई माइनिंग इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा एवं रजौली थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर ओभरलोड कोयला लदे 5 ट्रकों को जब्त किया। जांच के दौरान पाया गया कि सभी ट्रक निर्धारित क्षमता से अधिक कोयला लेकर परिवहन कर रहे थे, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस संबंध में जिला खनन पदाधिकारी अमन प्रत्यय ने बताया कि अवैध खनन को लेकर विभाग सख्त है और जांच चौकी पर लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस के सहयोग से पांच कोयला लदे ट्रक को जब्त किया गया,जो ओभरलोड था। उन्होंने कहा कि खनन और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लगभग 60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना दिए जमा किए जाने तक ट्रकों को जांच चौकी पर लगाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ओवरलोडिंग के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि सड़क सुरक्षा और सरकारी राजस्व की हानि को रोका जा सके।

पीएचसी कौआकोल में 110 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कौआकोल में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9वीं तारीख को आयोजित होने वाले विशेष मातृत्व जांच शिविर में गुरुवार को 110 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं का वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन जांच, शुगर जांच सहित आवश्यक प्रसव पूर्व जांच की गई। साथ ही चिकित्सकों द्वारा महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार,नियमित जांच तथा संस्थागत प्रसव के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि गर्भवती महिलाओं एवं गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह की 9वीं तारीख को यह विशेष जांच शिविर आयोजित किया जाता है,ताकि समय रहते संभावित जोखिम की पहचान कर उचित इलाज किया जा सके। शिविर में चिकित्सक, एएनएम एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

प्राइवेट स्कूल की मनमानी के खिलाफ दूसरे दिन भी जारी रहा आमरण अनशन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। प्राइवेट स्कूल की मनमानी और आर्थिक बोझ की समस्या के समाधान को लेकर विद्यार्थी परिषद के प्रांतीय सदस्य सह फारबिसगंज कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष सूरज चौधरी का आमरण अनशन गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन के चौबीस घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं किए जाने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों में आक्रोश पनपने लगा है।

गुरुवार को श्री राम सेना के प्रदेश अध्यक्ष डिंपल चौधरी भी अपने समर्थकों के साथ अनशन स्थल पर पहुंचे। छात्र हितों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए डिंपल चौधरी ने भी सूरज के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

डिंपल चौधरी ने कहा कि जब तक छात्र नेता सूरज चौधरी की जायज मांगें पूरी नहीं होतीं और प्रशासन नींद से नहीं जागता, तब तक यह भूख हड़ताल जारी रहेगी। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सूरज चौधरी की इस मुहिम को जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा।

आमरण स्थल पर पहुंचने वालों ने कहा कि एक छात्र का इतने घंटों से भूखा बैठना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है।अनशन के दूसरे दिन सूरज चौधरी के स्वास्थ्य में गिरावट दर्ज की गई है। चौबीस घंटे से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक विश्वविद्यालय या जिला प्रशासन का कोई आधिकारिक प्रतिनिधि वार्ता के लिए नहीं पहुंचा है।

अभाविप कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो चक्का जाम और उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। आंदोलन स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बड़ी संख्या में छात्र शक्ति अपनी मांगों को लेकर डटी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर-सह-बक्सर विधान परिषद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर 12 मई को होगी वोटिंग

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद् की एक सीट पर उपचुनाव का शिड्यूल जारी कर दिया गया है। भोजपुर-सह-बक्सर विधान परिषद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र की सीट 16 नवंबर 2025 को खाली हुई थी। इस सीट से विधान परिषद् सदस्य रहे जनता दल यूनाईटेड के नेता राधाचरण सेठ ने इस्तीफा दिया था। तब से यह सीट खाली थी। अब भारत निर्वाचन आयोग की ओर से इस सीट के लिए उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी गई है। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी शिड्यूल के अनुसार, 16 अप्रैल को यानी खरमास बाद इस सीट पर उपचुनाव की अधिसूचना जारी होगी। 23 अप्रैल को नामांकन की अंतिम तिथि जारी है। 24 अप्रैल तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। 27 अप्रैल तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते हैं। 12 मई को वोटिंग होगी। वहीं 14 मई को काउंटिंग होगा। हालांकि आज से यानी नौ अप्रैल से ही भोजपुर-सह-बक्सर विधान परिषद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। राधाचरण सेठ के विधायक बनने से खाली हुई भोजपुर-सह-बक्सर विधान परिषद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र की सीट का कार्यकाल 7 अप्रैल 2028 तक है। मतलब, जो भी चुने जाएंगे- करीब 26 महीने के लिए होंगे। राधाचरण सेठ के इस्तीफा से खाली हुई विधान परिषद् की सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर दी गई है। यह सीट जदयू के कोटे में है। इसलिए जदयू इस पर अपना उम्मीदवार उतारेगी।

बिना जांच फंड मांगने पर बिहार भवन निर्माण विभाग सख्त, इंजीनियरों को दी कड़ी चेतावनी

पटना, एजेंसी। भवन निर्माण विभाग ने योजनाओं के लिए राशि आवंटन में बरती जा रही लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए इंजीनियरों को सख्त चेतावनी दी है। विभाग ने दो टूक कहा है कि बिना ठोस जांच और स्पष्ट अनुशंसा के फंड की मांग अब किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।हाल ही में विभागीय समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आए कि कई प्रमंडलों से निर्माण योजनाओं के लिए अतिरिक्त राशि की मांग बड़े पैमाने पर भेजी जा रही है। चिंताजनक बात यह रही कि इन प्रस्तावों को अभियंता बिना समुचित जांच-पड़ताल के ही आगे बढ़ा दिया जाता है। कई मामलों में यह तक स्पष्ट नहीं होता कि संबंधित योजना के लिए वास्तविक रूप से कितनी राशि की आवश्यकता है। इस तरह की लापरवाही से वित्तीय अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विभाग ने पीआईएमएस (प्रोजेक्ट इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल पर दर्ज सूचनाओं की स्थिति पर भी नाराजगी जताई है। जांच में पाया गया कि कई प्रस्तावों के साथ आवश्यक दस्तावेज, जैसे अद्यतन फोटोग्राफ, गुणवत्ता जांच रिपोर्ट और कार्य संतुष्टि प्रमाण पत्र तक अपलोड नहीं किए गए, इसके बावजूद फाइलों को आगे बढ़ा दिया गया। विभाग ने इसे गंभीर त्रुटि मानते हुए जिम्मेदारी तय करने की बात कही है। अब नई व्यवस्था के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया है कि फंड की हर मांग के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न किए जाएं।

निलंबित दरोगा गिरफ्तारी के डर से हुआ अंडरग्राउंड, रिश्वत लेते कैमरे में हुआ था कैद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के पियर थाना के अपर थानेदार अभिनंदन कुमार घूस मामले में निलंबित किए जा चुके हैं। उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान सब इंस्पेक्टर अभिनंदन कुमार फरार हो गए हैं। बताया जा रहा है कि वह गिरफ्तारी के डर से अंडरग्राउंड हो गए हैं। रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद न केवल उन्हें निलंबित किया गया, बल्कि तिरहुत रेंज के डीआईजी चंदन कुशवाहा के आदेश पर उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। दरअसल, पियर थाना क्षेत्र के पीड़ित शत्रुघ्न के भाई सीताराम कुमार को हाल ही में शराब पीने के एक मामले में पकड़ा गया था। इसी दौरान शत्रुघ्न को लगा कि उसके भाई को पियर थाना की पुलिस ने उठाया है। अपने भाई को छुड़ाने की गुहार लेकर शत्रुघ्न एक बिचौलिए राम कुमार के माध्यम से अपर थानेदार अभिनंदन कुमार के पास पहुंचा, जहां कानून को ताक पर रखते हुए दरोगा अभिनंदन ने मामले को रफा-दफा करने के नाम पर 5,000 रुपये की घूस मांगी। हैरानी की बात यह रही कि जिस आरोपी को पियर पुलिस ने पकड़ा ही नहीं था, उसे छोड़ने के नाम पर सब इंस्पेक्टर ने पैसे ऐंठ लिए। रिश्वत के लेन-देन का पूरा घटनाक्रम मोबाइल के कैमरे में कैद हो गया और वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद वरीय अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तिरहुत रेंज के डीआईजी चंदन कुमार कुशवाहा ने आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का सख्त आदेश दिया। उनके निर्देश के बाद आरोपी दारोगा अभिनंदन कुमार और बिचौलिए राम कुमार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह केस पीड़ित के भाई के बयान पर दर्ज हुआ है।गिरफ्तारी की तलवार लटकते ही आरोपी सब इंस्पेक्टर अभिनंदन कुमार विभागीय प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए अवकाश पर चले गए। वहीं, सूत्रों के अनुसार वह गिरफ्तारी के डर से अंडरग्राउंड हो गए हैं।

प्रदेश में सीएम के बाद अब स्पीकर पर नजर

एनडीए में नए फॉर्मूले की तलाश, 5 दिनों में सामने आएगी तस्वीर

पटना, एजेंसी। नई सरकार के गठन के फार्मूले के बाद सबसे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अगला विधानसभा अध्यक्ष कौन होगा वर्तमान में भाजपा कोटे से डॉ. प्रेम कुमार विधानसभा अध्यक्ष हैं। राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा है कि भाजपा कोटे से मुख्यमंत्री होने के बाद जदयू द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के पद पर दावेदारी की जा सकती है। हाल के दिनों में एनडीए में यह परंपरा रही है कि जदयू से मुख्यमंत्री रहे हैं तो विधानसभा अध्यक्ष भाजपा का रहा है।

मुख्यमंत्री का नाम 14 अप्रैल तक तय होने के बाद साथ ही साथ नए विधानसभा अध्यक्ष का नाम तय हो जाएगा। हाल के दिनों में एनडीए सरकार में यह परंपरा रही है कि एनडीए में विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा को मिलता रहा है। यह स्थिति तब थी जब मुख्यमंत्री जदयू से थे। इसी फॉर्मूले के तहत नंदकिशोर यादव, विजय कुमार सिन्हा और डॉ. प्रेम कुमार विधानसभा अध्यक्ष बने। नीतीश कुमार ने जब महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार बनाई तो राजद के अवध बिहारी चौधरी

को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया।

वैसे आरंभिक दिनों में बिहार में जब एनडीए की सरकार बनी तो सीएम और विधानसभा अध्यक्ष दोनों जदयू से थे। इस क्रम में जदयू कोटे से उदय नारायण चौधरी दो बार विस अध्यक्ष रहे। विजय चौधरी भी एक टर्म विधानसभा अध्यक्ष रहे।

विधानसभा अध्यक्ष पद को ले एनडीए में जदयू ने अपनी चाहत को स्पष्ट कर दिया है। इसके अलावा जदयू की इच्छा यह है कि गृह विभाग का जिम्मा भी उसके पास रहे।

पूर्व में मुख्यमंत्री रहते हुए लंबी अवधि तक गृह विभाग का जिम्मा नीतीश कुमार के पास था। बाद में नई सरकार के गठन के बाद यह विभाग उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास चला गया।

इस संदर्भ को केंद्र में रख जदयू यह चाहता है कि गृह विभाग जदयू कोटे से जो दो उप मुख्यमंत्री होंगे उन्हें दिया जाए। दो उप मुख्यमंत्री के रूप में विजय चौधरी व निशांत का नाम चर्चा में है।

विजय चौधरी के उप मुख्यमंत्री बनने की स्थिति में विधानसभा अध्यक्ष का पद जदयू के किसी अतिपिछड़ा वर्ग के नेता को जा सकता है।

नितिन नवीन बोले- सीएम चयन पर एनडीए में कोई मतभेद नहीं

पटना, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार में अगले मुख्यमंत्री को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। पूरी प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कहीं भी कोई मतभेद नहीं है। सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा गठबंधन धर्म का पालन करती आई है और इसी कारण सहयोगी दल उस पर भरोसा करते हैं। सभी फैसले नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लिए जा रहे हैं।

बंगाल, असम समेत अन्य राज्यों में चुनाव में प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी राज्यों में होने वाले चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। तीन-भाषा फॉर्मूला पर उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य को आशंकित होने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप हम राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन क्षेत्रीय पहचान का भी सम्मान करते हैं। हमारी प्राथमिकता सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना है। विपक्ष को लेकर नितिन नवीन ने कहा कि जमीन पर एनडीए के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका प्रभाव कमजोर पड़ चुका है।

बिहार का स्वास्थ्य विभाग अमंगल दोष से ग्रसित

पटना, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य विभाग की पोल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने खोली. सोशल मीडिया अकाउंट एक्स के जरिए उन्होंने पोस्ट शेयर कर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर तंज भी कसा. तेजस्वी यादव ने लिखा, 'अमंगल दोष से ग्रसित बिहार का स्वास्थ्य विभाग'. आगे यह भी लिखा, 'बिहार के अस्पतालों में कहीं डॉक्टर नहीं, कहीं रूई नहीं-रूई है तो सुई नहीं, कहीं दवा नहीं, कहीं बेड नहीं... और अब हालत यह है कि अस्पताल में मरीज के लिए व्हील चेयर तक उपलब्ध नहीं है. मजबूरी में मरीज को कभी साईकिल, कभी चारपाई, तो स्कूटर पर बैठाकर ले जाना पड़ रहा है.' यह भी लिखा, 'अमंगल सरकार में समूचे बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो चुकी है. भाजपा-जदयू की सरकार बताए, जब अस्पताल में डॉक्टर नहीं, व्हील चेयर नहीं, दवा नहीं, इलाज की व्यवस्था नहीं, स्वास्थ्य कर्मी नहीं तो इसे अस्पताल कहा ही क्यों जाए?' एक्स पोस्ट में तेजस्वी यादव ने यह भी जिक्र किया कि 'ईंट-गारे का ढांचा खड़ा कर करने से और उसे मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल कहने से स्वास्थ्य सेवा, सुविधा और व्यवस्था सुदृढ़ नहीं होती है?

रिटायर्ड हवलदार कन्हैया यादव हत्याकांड में फरार आरोपी गिरफ्तार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा में रिटायर्ड हवलदार हत्याकांड में पुलिस को एक और अहम सफलता मिली है। गजराजगंज ओपी पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पदमिनिया गांव निवासी श्रीराम यादव के रूप में हुई है। इस गिरफ्तारी के साथ ही हत्याकांड में अब तक कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि श्रीराम यादव इस मामले में नामजद आरोपी था। घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था।गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। आखिरकार गुप्त सूचना के आधार पर उसे उसके गांव से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तर प्रदेश से 2 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी

4 अक्टूबर 2025 की रात कारीसाथ गांव वार्ड संख्या 14 निवासी रिटायर्ड हवलदार कन्हैया यादव(85) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के पुत्र सह सीआरपीएफ जवान राज कुमार यादव ने श्रीराम यादव सहित सात नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

प्राथमिकी में प्रेम-प्रसंग को लेकर विवाद में हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया था। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले दो नामजद आरोपी प्रभात कुमार और विकास कुमार को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया था। इसके बाद तकनीकी जांच के आधार पर केवटिया गांव निवासी सोनू कुमार को भी पकड़ा गया।

17 अक्टूबर 2025 को कृष्णागढ़ थाना पुलिस ने जीवा राय टोला निवासी नामजद आरोपी रितेश यादव उर्फ लल्लू यादव को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की भी तलाश जारी है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हत्या के बाद सिर काटकर सड़क के बीच में रखा

अररिया, एजेंसी। अररिया में गुरुवार को एक शख्स ने दूसरे शख्स का गला काटकर उसका सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। जिसने वारदात को अंजाम दिया उसका नाम राहुल चौहान बताया जा रहा है। नवी ड्राइवर था और राहुल सत्तू की दुकान चलाता था। वारदात के बाद राहुल 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। उसे अस्पताल लाया गया है। भीड़ ने सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की है। इलाके के सभी दुकानों को बंद कर दिया गया है। घटना फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मार्केटिंग यार्ड गेट नंबर 2 के पास हुई।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, आज सुबह पिकअप ड्राइवर मो. नवी हुसैन राहुल कुमार के पास पहुंचा। राहुल सत्तू बेचता है। नवी ने राहुल से कहा कि, सत्तू वाली कैसी है। इतने पर राहुल भड़क गया। पहले दोनों में बहस हुई। इसी बीच राहुल ने चाकू निकाल कर नवी के पेट में मार दिया। लोगों का कहना है कि फिर राहुल नवी की छाती पर बैठा और उसका गला रेत डाला।

पिकअप ड्राइवर की हत्या के बाद मौके पर मौजूद लोग आक्रोशित हो गए। भीड़ ने राहुल को पकड़ लिया और उसे बेरहमी से पीटा। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आसपास के लोगों ने बताया गुरुवार की सुबह सत्तू बेचने की जगह पर पिकअप लगाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी विवाद में राहुल ने नवी की पहले चाकू गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद सिर को धड़ से अलग कर सड़क पर रख दिया। दोनों के बीच पार्किंग को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। नवी वहां अपनी गाड़ी खड़ी करता था तो राहुल भड़क जाता था। आज नवी ने राहुल की पत्नी पर कमेंट किया जिसके बाद विवाद बढ़ गया।

मो. नवी हुसैन की हत्या के बाद राहुल हाथ में चाकू लेकर करीब 5 मिनट तक वहीं खड़ा रहा। डर के मारे कोई उसके पास नहीं गया। राहुल लाल रंग की टीशर्ट में हाथ में बड़ा चाकू लिए था। उससे 5 फीट दूर नवी हुसैन का धड़ पड़ा था। नवी हुसैन के परिवार को जैसे ही हत्या की जानकारी लगी। भीड़ ने आरोपी को घेर लिया। राहुल के साथ मारपीट की गई। पीट-पीटकर अधमरा कर दिया गया। किसी तरह मौके पर मौजूद लोग राहुल को ऑटो से अस्पताल लेकर आए

राहुल ने नवी हुसैन की हत्या के बाद उसके सिर को काटकर धड़ बीच सड़क पर रख दिया। सिर और धड़ के बीच करीब 10 फीट की दूरी थी। सिर सड़क के बीच में था और धड़ सड़क के किनारे। जिस जगह धड़ पड़ा था वहां पानी था। नवी हुसैन के खून से पानी लाल हो गया था। लोगों की माने तो राहुल मर्डर के बाद पागल जैसी हरकतें करने लगा। सिर काटकर सड़क के बीच में रखना ये कोई साधारण इंसान नहीं कर पाएगा। उसे कोई पछतावा भी नहीं हो रहा था

मृतक के भाई मोहम्मद अली हुसैन ने बताया, नवी पिकअप चलाकर अपने 3 बच्चों और परिवार का पालन पोषण करता था। उसका पहले से कोई विवाद नहीं था। मुझे भाई के बदले भाई चाहिए, नहीं तो सब्जी मंडी में आग लगा देंगे।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। आक्रोशित भीड़ ने सुभाष चौक के पास सड़क जाम कर आगजनी भी की, जिससे यातायात बाधित हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि, एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, जबकि दूसरे युवक की तलाश जारी है।

बिहार में सरकारी स्कूल की शिक्षिका का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

रोहतास , एजेंसी। बिहार के रोहतास में एक शिक्षिका का ट्रेन से कटकर मौत हो गई. मृतका की शिनाख्त सरस्वती देवी के रूप में हुई है. मृतका कैमूर जिला के रामपुर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा में पदस्थापित थी. घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है.

शिक्षिका का रेलवे ट्रैक पर मिला शव : शिक्षिका सरस्वती देवी का शव डीडीयू मुगलसराय-सासाराम रेलखंड के कुम्हऊं स्टेशन के पास बरामद हुआ है. उनकी उम्र लगभग 52 साल थी तथा 2007 से प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा में पदस्थापित थीं. पुलिस के मुताबिक वह कैमूर जिला के बेलाव थाना के बहेरा गांव के रहने वाली थी. उनका मायका रोहतास जिले के शिवसागर थाना के किरहिंडी है.

क्या बोले पति? : मृत शिक्षिका सरस्वती देवी के पति सुनील पासवान ने बताया कि वह अपनी पत्नी को आम दिनों की तरह ही बाइक से स्कूल पर सुबह-सुबह पहुंचाकर चले आए थे. बाद में वह स्कूल से अचानक गायब हो गईं. विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने यह जानकारी दी कि सरस्वती देवी का बैग स्कूल में रखा हुआ है तथा वह खुद विद्यालय से कहीं चली गई हैं. छानबीन करने पर पता चला कि उनका शव मायके के पास स्थित किरहिंडी गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर है.

जांच में जुटी पुलिस : जानकारी मिलने के बाद शिवसागर थाना की पुलिस ने शिक्षिका सरस्वती देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल लाई. शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है. यह मामला आत्महत्या का है या फिर हादसे का, इस बिंदु पर जांच की जा रही है.

घटना के बाद से परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है. लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि यह हादसा है या फिर आत्महत्या. अगर हादसा हुआ तो कैसे, और अगर आत्महत्या की तो क्यों?

प्रमंडलीय आयुक्त ने दिए कई निर्देश: बर्ड हिट से बचेंगे विमान...यारपुर शिफ्ट होगा गर्दनीबाग का कचरा

पटना, एजेंसी। पटना एयरपोर्ट पर विमानों के सुरक्षित परिचालन और बर्ड हिट (पक्षियों से टकराने) की घटनाओं को शून्य करने के लिए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके तहत गर्दनीबाग स्थित कचरा डंपिंग स्टेशन को इसी महीने यारपुर में नवनिर्मित स्टेशन पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। पटना नगर निगम द्वारा यारपुर में 3200 वर्गमीटर क्षेत्र में 11 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन तैयार किया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य गर्दनीबाग इलाके को पूरी तरह कचरा मुक्त करना है, क्योंकि इसकी एयरपोर्ट से नजदीकी विमानों के लिए खतरा बनी हुई थी। बुधवार को एयरपोर्ट पर आयोजित पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि गंदगी के कारण ही पक्षी जमा होते हैं, जिससे विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने की

आशंका बनी रहती है।

आवारा कुत्ते हटेंगे : आयुक्त ने निर्देश दिया कि एयरपोर्ट के 15 किमी के दायरे में पर्यावरण को हर हाल में स्वच्छ रखा जाए। उन्होंने कहा कि डीजीसीए द्वारा तय की गई एसओपी का कड़ाई से पालन आवश्यक है। इसी कड़ी में एयरपोर्ट परिसर और रनवे के आसपास से आवारा कुत्तों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

मांस-मछली की दुकानों पर स्थायी रोक : बैठक में फुलवारीशरीफ नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि एयरपोर्ट के आसपास से मांस-मछली की दुकानों को पूरी तरह हटा दिया गया है। आयुक्त ने इस व्यवस्था को स्थायी रूप देने का निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि दोबारा वहां दुकानें न लगें।

अस्पताल के पास से हटेगी गंदगी : गर्दनीबाग गार्बेज स्टेशन को हटाने का एक बड़ा कारण वहां स्थित अस्पताल भी है। अस्पताल के पास कचरे का ढेर होने से मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों को भारी परेशानी होती थी।

भाजपा कार्यालय के बाहर लगा सम्राट चौधरी का पोस्टर, मुख्यमंत्री बनाने की उठी मांग

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल राज्यसभा सदस्य बनने की शपथ लेंगे। वहीं इधर पटना में पोस्टरबाजी शुरू हो गई है। दरअसल पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाई गई है, जो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समर्थन में है। इस पोस्टर के जरिए कार्यकर्ताओं ने सम्राट चौधरी को बिहार के अगले मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय के मुख्य द्वार पर लगे पोस्टर पर सम्राट चौधरी की बड़ी तस्वीर लगी है। साथ ही उन्हें बिहार का भविष्य और जन-जन का नेता बताया गया है। समर्थकों का कहना है कि सम्राट चौधरी ने जिस तरह से भाजपा को मजबूती दी है और पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग को एकजुट किया है, उसे देखते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिलनी चाहिए।

पोस्टर में निवेदक के रूप में बाल्मीकि समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भाजपा नेता राजेश कुमार बाल्मीकि उर्फ रमैया हैं, जो खुद भी पोस्टर में दिख रहे हैं।

पोस्टर में लिखा है कि, 'बाल्मीकि समाज संघ की यही पुकार,बिहार में सम्राट की सरकार।' आगे लिखा है- 'भाजपा को हमने दिया है हर संभव साथ,ठेकेदारी प्रथा आपकी सरकार में हो समाप्त।' यानी मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की मांग के साथ-साथ सम्राट चौधरी से भी यह मांग की जा रही है कि आपके मुख्यमंत्री बनते ही आप अपनी सरकार में हो रहे ठेकेदारी प्रथा को समाप्त कर देंगे। फिलहाल यह पोस्टर कई लोगों को बेचैन करने लगी है।

पीयू का एकेडमिक कैलेंडर जारी, 9 मई से नामांकन शुरू, 10 जुलाई से नया सत्र

पटना, एजेंसी। पटना विश्वविद्यालय ने अपना एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह का साफ निर्देश है कि सभी कॉलेज, विभाग, कोर्स को-ऑर्डिनेटर व परीक्षा विभाग सभी इस कैलेंडर का सख्ती के साथ लागू करें। 9 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 7 जुलाई तक नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। 10 जुलाई को इंडक्शन मीट के साथ 11 जुलाई को स्नातक रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस कक्षाएं प्रारंभ हो जाएंगी। वहीं पीजी की नामांकन प्रक्रिया 10 जून से प्रारंभ हो जाएगी। 15 जुलाई तक नामांकन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। वहीं 16 जुलाई को इंडक्शन मीट और 17 जुलाई को पीजी की कक्षाएं भी प्रारंभ हो जाएंगी।

बताते चलें कि अगर ये कैलेंडर ससमय फॉलो होता है तो पीयू का सत्र बिल्कुल समय से शुरू हो जाएगा। पिछले कुछ सत्रों से पीयू में स्नातक की कक्षाएं ही जुलाई अंत या अगस्त तक शुरू हो रही थीं। पीजी रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस की कक्षाएं और भी देर हो रही थीं। इस

कैलेंडर को राजभवन के कैलेंडर को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

वहीं पूर्व के कैलेंडर को भी जल्द से जल्द पटरी पर लाने और उसे पूरा करने का निर्देश भी दिया गया है। स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्स में इस बार भी एंट्रेंस टेस्ट से नामांकन नहीं लिया जाएगा। सिर्फ सेल्फ फाइनेंस मोड में चलने वाले यूजी, पीजी व डिप्लोमा कोर्स में एंट्रेंस टेस्ट से नामांकन होंगे। इसके अतिरिक्त एलएलबी, बीबीएलएलबी, बीएफए आदि में एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के द्वारा एंट्रेंस टेस्ट का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। साथ ही अंकों के आधार पर नामांकन को लेकर भी पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

30 मई तक स्नातक और 30 जून तक स्नातकोत्तर के भरे जाएंगे नामांकन फॉर्म

विश्वविद्यालय के द्वारा जारी एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार स्नातक का 30 मई तक नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। जबकि स्नातकोत्तर 30 जून तक आवेदन लिए जाएंगे। स्नातक का 7 जुलाई तक नामांकन प्रक्रिया पूरा कर लिया जाएगा। वहीं स्नातकोत्तर का 15 जुलाई तक। पीएमआईआर, एलएलएम, एमएड, बायो केमिस्ट्री, बायो टेक, ईएसएम, एमएसडब्ल्यू, एमसीए, एमजेएमसी, एमलिस, म्यूजिक व आईएसएम का भी हर हाल में 25 जुलाई तक नामांकन ले लेना है। 27 जुलाई को इनका इंडक्शन मीट होगा। 28 जुलाई को इनका क्लास भी शुरू हो जाएगा। 10 जून से रिएडमिशन यूजी प्रोग्राम का शुरू हो जाएगा, जो 30 जून को समाप्त हो जाएगा।स्नातक का 12 जून से एंट्रेंस टेस्ट शुरू हो जाएगा। स्नातकोत्तर का 8 जुलाई से एंट्रेंस टेस्ट शुरू हो जाएगा। 12 जुलाई तक सारे टेस्ट ले लिये जाएंगे। स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो कामेश्वर पंडित ने कहा कि पहले स्नातक में एंट्रेंस टेस्ट लेने का निर्णय लिया गया था। लेकिन चूंकि राजभवन का रेगुलेशन पूरे राज्य के लिए एक है। अभी उसे लागू किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रक्षापुरम में बिजली कटौती से लोग परेशान

मेरठ, एजेंसी। मवाना रोड स्थित रक्षापुरम में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। स्थानीय निवासी रिटायर्ड डिप्टी एसपी सुधीर बीलवान, सुनील त्यागी, हरेंद्र सिंह और अमित कुमार ने बताया कि बिजली लाइन में फॉल्ट होने से आपूर्ति ठप है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत करने पर विद्युत अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की और अपने सीयूजी मोबाइल नंबर बंद कर लिए। परेशान होकर लोग गंगानगर बिजलीघर पर भी पहुंचे लेकिन विद्युत अधिकारी नहीं मिले। उन्होंने अधीक्षण अभियंता नगर मोहम्मद अरशद से बिजली लाइन ठीक कराने की मांग की।

गेल गैस ने मेडिकल कॉलेज में 11 वें डीआरएस का उद्घाटन किया

मेरठ, एजेंसी। गेल गैस लिमिटेड मेरठ ने बुधवार को अपने ग्यारहवें डिस्ट्रिक्ट रेगुलेटरी सिस्टम (डीआरएस) का उद्घाटन किया। गेल गैस मेरठ के महाप्रबंधक विनय कुमार और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आरसी गुप्ता ने इसे शुरू किया। यह डीआरएस मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थापित किया गया है। एलपीजी आपूर्ति की कमी के कारण पीएनजी कनेक्शन तेजी से दिए जा रहे हैं। यह पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड के पीएनजी ड्राइव 2.0 अभियान का हिस्सा है। मेडिकल कॉलेज परिसर में कैंटीनों, हॉस्टलों और कर्मचारी आवासों में भी प्राकृतिक गैस पहुंचेगी। गढ़ रोड की द्वारिका टावर, भोपाल विहार, अजंता कॉलोनी, तक्षशिला कॉलोनी, प्रेम प्रयाग कॉलोनी, मोती प्रयाग कॉलोनी, सोमदत्त विहार, मित्रलोक कॉलोनी, लक्ष्मी विहार कॉलोनी, जाग्रति विहार क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति होगी। विनय कुमार ने बताया कि डीआरएस के जरिए गैस के हाई प्रेशर को लॉ प्रेशर में बदला जाता है।

ट्रांसपोर्ट नगर में नहीं पहुंचा बाहरी, आरआई ने अकेले किया काम

बरेली, एजेंसी। ट्रांसपोर्ट नगर में बुधवार को वाहनों की फिटनेस का काम कराने वाला संबंधित बाहरी व्यक्ति गायब दिखा। वहीं आरआई अपना कामकाज अकेले ही करते दिखे। अमर उजाला ने बृहस्पतिवार के अंक में कतारबद्ध खड़ा कराया... 25 मिनट में जांच दी 35 वाहनों की फिटनेस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसमें ट्रांसपोर्ट नगर में बाहरी व्यक्ति के सिंडिकेट के रूप में काम कराने का जिक्र किया गया। वहीं बिथरी चैनपुर क्षेत्र में हाईवे के किनारे बने स्वचालित परीक्षण केंद्र की पड़ताल की। यहां पाया गया कि सिंडिकेट के जरिए इन वाहनों की फिटनेस जांच कराई जाती रही। इसमें यह भी दिखाया गया कि ट्रांसपोर्ट नगर में बाहरी व्यक्ति किस प्रकार वाहनों को लाइनअप करके फिटनेस के लिए तैयार करता रहा। साथ ही वाहन संचालकों का अभिलेख भी उसके पास मौजूद दिखा। उसके ऊपर जेसीबी संचालक से फिटनेस के नाम पर मोटी रकम लेने का भी आरोप है। जिसके बाद बुधवार को पुन: टीम जांच करने पहुंची तो वह बाहरी व्यक्ति गायब रहा। इस दौरान वाहनों की लंबी कतार देखी गई।

5.40 लाख उपभोक्ताओं को मिला पोस्टपेड का विकल्प

बरेली। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने अब घरों में लगने वाले स्मार्ट मीटरों में प्रीपेड मोड की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। अब यह उपभोक्ताओं की इच्छा पर निर्भर करेगा कि वह अपने कनेक्शन को प्रीपेड रखना चाहते हैं या पोस्टपेड। नए नियमों का फायदा जिले में 5.40 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा। हालांकि, अब तक स्थानीय स्तर पर आदेश नहीं आया है। जिले में कुल 6.75 लाख विद्युत उपभोक्ता हैं। शहरी क्षेत्र में 2.75 लाख तो ग्रामीण क्षेत्रों में करीब चार लाख उपभोक्ता हैं। जिलेभर में अब तक 1.35 लाख उपभोक्ताओं के घरों पर प्रीपेड मीटर लग चुके हैं। शेष उपभोक्ताओं के पास अब दोनों विकल्प उपलब्ध हो गए हैं। जिनके यहां प्रीपेड मीटर लग चुके हैं वह भी आवेदन करके इसका लाभ ले सकते हैं। नए नियम के बारे में जानकारी के लिए बड़ी संख्या में उपभोक्ता रामपुर बाग स्थित विद्युत निगम के कार्यालय पहुंचे। कर्मचारियों ने यह कहकर लौटा दिया कि अभी शासन स्तर से कोई आदेश नहीं प्राप्त हुआ है।

नाना राव पार्क में गूंजा नवकार महामंत्र

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के नाना राव पार्क का प्रांगण बुधवार को भक्ति के सागर में सराबोर हो गया। जैन धर्म के सबसे पवित्र और प्रभावशाली नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने एक स्वर में मंत्रोच्चार कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान आदिनाथ के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुई। सफेद वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं ने अनुशासनबद्ध तरीके से बैठकर णमोकार महामंत्र का जाप किया। भक्तों की मान्यता है कि इस मंत्र के जाप से न केवल आत्मिक शांति मिलती है, बल्कि नकारात्मक ऊर्जा का भी विनाश होता है।

पूरा प्रदेश बेमौसम बारिश, ओला वृष्टि की चपेट में

गेहूं के खेतों में भरा पानी; सीएम बोले किसानों की होगी क्षतिपूर्ति

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जिलों में असमय बारिश, ओलावृष्टि और कुछ जगहों पर आग लगने से रबी फसलों को हुए नुकसान पर चिंता जताई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित किसानों और बटाईदारों को तुरंत राहत और क्षतिपूर्ति दी जाए, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि खराब मौसम के कारण किसानों का चिंतित होना स्वाभाविक है और राज्य सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर प्रभावित किसान के नुकसान का सही और निष्पक्ष आकलन समय पर किया जाए और रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाए, जिससे मुआवजा देने में देरी न हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर राजस्व, कृषि और अन्य संबंधित विभाग मिलकर तेजी से सर्वे करें। साथ ही बीमा कंपनियों के साथ समन्वय बनाकर फसल बीमा के दावों का जल्द निस्तारण कराया जाए। अधिकारियों को किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें बीमा योजनाओं का लाभ दिलाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग को निर्देश दिया कि राज्य आपदा राहत कोष से जिलों को तुरंत पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को पारदर्शी और त्वरित तरीके से सहायता मिले। जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर भी लगाए जाएं और मंडी समितियों के माध्यम से किसानों को हर संभव सहयोग दिया जाए।

आग लगने की घटनाओं पर विशेष संवेदनशीलता बरतें : अग्निकांड की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं जनहानि या पशुहानि होती है तो 24 घंटे के भीतर राहत राशि दी जाए और पात्र लोगों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ मिले। जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्राथमिकता पर घर उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय की जाएगी।

प्रदेश में जारी बेमौसम वर्षा, तड़ित झंझावत और ओलावृष्टि के दौर से बृहस्पतिवार से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार से राज्य में मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। यह मौसमी बदलाव एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और निचले क्षोभमंडल में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा था, जिसने पूरे प्रदेश को प्रभावित किया है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मध्य एवं ऊपरी क्षोभमंडल में बना हुआ था। यह उत्तरी पाकिस्तान और संलग्न जम्मू-कश्मीर के आसपास एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में केंद्रित था। इसके अतिरिक्त, निचले क्षोभमंडल में प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग पर एक और चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। यह परिसंचरण मणिपुर तक एक द्रोणी के रूप में फैला हुआ है, जिससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। बुधवार को प्रदेश के ऊपरी क्षोभमंडल से इन मौसमी प्रणालियों में प्रभावी कमी आने की संभावना है। इस कमी के बाद बृहस्पतिवार से मौसम में धीरे-धीरे सुधार शुरू हो जाएगा। शुक्रवार से मौसम पूर्णतया शुष्क होने की संभावना है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

तापमान में उतार-चढ़ाव का अनुमान

मौसम में सुधार के साथ ही प्रदेश के अधिकतम तापमान में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। आगामी चौबीस घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। यह गिरावट हल्की ठंडक का अनुभव कराएगी। हालांकि, उसके बाद के दिनों में तापमान में आठ से दस डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। यह बढ़ोतरी मौसम को सामान्य स्थिति में लाएगी और गर्मी का अनुभव कराएगी।

हैदरगढ़ क्षेत्र के देवइचा गांव निवासी बलिकरन (60) बुधवार सुबह बारिश के बाद गेहूं का खेत देखने गए थे। घर लौटने पर अचानक बेहोश हो गए। परिजन सीएचसी हैदरगढ़ लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार बारिश से बर्बाद फसल को देखकर वह चिंतित थे। इसी कारण उन्हें हार्ट अटैक आया।मात्र 24 घंटे में मौसम के बदले मिजाज ने राजधानी में अप्रैल के महीने में नवंबर जैसा अहसास करा दिया। सुबह से शुरु हुई रिमझिम बारिश दिन में रुक-रुककर होती रही। हालांकि इस दौरान धूप भी निकली और बादलों की आवाजाही भी लगी रही।

सभी कोर्स में एआई को शामिल करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन रहा एमजीयूजी

गोरखपुर , एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) देश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय बनने जा रहा है जहां इस शैक्षिक सत्र से सभी कोर्स एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) इंटीग्रेटेड कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश पर सभी पाठ्यक्रमों में एआई को शामिल किया गया है।

यह जानकारी एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बुधवार को विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में साझा की। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में उप कुलसचिव ने कहा कि, एमजीयूजी भारत का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बनने जा रहा है, जिसमें हर कोर्स में एआई और मशीन लर्निंग से परिचित कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर एआई के एक बड़े अभियान पर कार्यरत है। इसके माध्यम से देश और प्रदेश के विद्यार्थी एआई की प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

बैठक में बताया गया कि सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय में एमएससी फॉरेंसिक साइंस, बीबीए ई-कॉमर्स, बीएससी मेडिकल साइंस, बीसीए, एमसीए, एमएससी एग्रोनॉमी, एमएससी हॉर्टिकल्चर, एमएससी प्लांट पैथोलॉजी, एमएससी जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, एमबीए इन एग्रीकल्चर मैनेजमेंट, एमबीए एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, एमबीए फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट, एमबीए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एंड हेल्थकेयर मैनेजमेंट, एमबीए डुअल स्पेशलाइजेशन इन एचआर, फाइनेंस, मार्केटिंग, आईटी, ऑपरेशंस के नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।विश्वविद्यालय में प्रवेश लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल है। प्रवेश परीक्षा 17, 20 और 24 मई को आयोजित होगी। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मानसून से पहले हो जाएगी नालों की सिल्ट सफाई

मेयर और नगर आयुक्त ने दिए निर्देश, परखी व्यवस्था

वाराणसी, एजेंसी। मानसून आने से पहले शहर में जलभराव की समस्या से बचाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी कवायद तेज कर दी है। बुधवार को मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने अस्सी और सीर गोवर्धन क्षेत्र का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अस्सी व नगवां क्षेत्र के प्रमुख नालों की सफाई का जायजा लिया और निर्देश दिए कि बारिश से पहले सभी छोटे-बड़े नालों से सिल्ट हटाने का कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए।

निरीक्षण के दौरान मेयर ने सफाई व्यवस्था की जमीनी हकीकत देखी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि कचरा हटाने में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि समय रहते नालों की सफाई सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही सड़कों के रखरखाव को लेकर भी मेयर ने कड़ा रुख अपनाया और अस्सी-नगवां क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों के पैचवर्क व मरम्मत कार्य को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए।

दिए गए निर्देश

नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने विभागीय टीम को निर्देशित किया कि वे नियमित अंतराल पर सफाई कार्यों की मॉनीटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि नालों से निकाली गई सिल्ट को तुरंत हटाया जाए, ताकि वह दोबारा बहकर नालों में न जाए।

इस दौरान मेयर ने स्थानीय नागरिकों से भी सीधी बातचीत की और सफाई, पेयजल तथा सड़कों की स्थिति पर फीडबैक लिया। नागरिकों द्वारा जल निकासी को लेकर दिए गए सुझावों पर मेयर ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय पार्षद अक्षयवर सिंह, सुरेश सिंह, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, मुख्य अभियंता आर. के. सिंह सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के पास मिली 100 करोड़ की संपत्ति, विजिलेंस जांच में हुआ खुलासा

लखनऊ, एजेंसी। वाणिज्य कर विभाग के सेवानिवृत्त एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। विजिलेंस जांच में उनके पास 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके बाद विजिलेंस के कानपुर सेक्टर में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। केस की विवेचना राजपत्रित अधिकारी को दी गई है।

मूल रूप से चंदौली जिले के बम्हनियांव गांव के रहने वाले केशव लाल वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-34 में रहते हैं। 2017 में जब उनकी तैनाती कानपुर में थी, तब 19 अप्रैल को आयकर विभाग ने उनके आवास पर छापा मारा था। उस दौरान करीब 10 करोड़ रुपये नकद और 3 करोड़ रुपये की ज्वैलरी बरामद हुई थी। नोएडा स्थित घर के गद्दों, पूजा रूम और अलमारी से नोटों की गड्डियां मिली थी। यही नहीं बाथरूम के बंद पड़े फ्लश और बैडरूम से भी नोटों की गड्डियां मिली थीं। जांच के दौरान वह इसका ब्योरा नहीं दे सके।

इसके बाद मई 2017 में उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई थी और मामले की जांच विजिलेंस को सौंप दी गई थी। आगे की जांच में उनकी संपत्ति आय से कई गुना अधिक (100 करोड़ से अधिक) पाए जाने की पुष्टि हुई। विजिलेंस ने अपनी जांच रिपोर्ट शासन को भेजी थी। शासन की अनुमति मिलने के बाद अब उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पांच शहरों में मिलीं संपत्तियां : जांच में सामने आया कि केशव लाल के पास लखनऊ में दो, कानपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद व नोएडा में एक-एक संपत्ति है। जिनकी कीमत करोड़ों में है।

जीएसटी संग्रह में देश में दूसरे स्थान पर यूपी, पोस्ट सेटलमेंट वृद्धि में नंबर एक

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश को एसजीएसटी और आईजीएसटी से कुल 84.80 हजार करोड़ रुपये मिले। इसमें से 2.37 हजार करोड़ रुपये की रिकवरी के बाद नेट संग्रह 82.42 हजार करोड़ रुपये रहा। इस आधार पर उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर रहा।

उत्तर प्रदेश ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य कर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में प्रदेश नेट कलेक्शन के आधार पर देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। पोस्ट सेटलमेंट वृद्धि के मामले में राज्य ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

जारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश को एसजीएसटी और आईजीएसटी से कुल 84.80 हजार करोड़ रुपये मिले। इसमें से 2.37 हजार करोड़ रुपये की रिकवरी के बाद नेट संग्रह 82.42 हजार करोड़ रुपये रहा। इस आधार पर उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर रहा। महाराष्ट्र 1.84 लाख करोड़ रुपये के नेट संग्रह के साथ पहले स्थान पर है। मार्च 2026 में राज्य का संग्रह 7.53 हजार करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत है।

नेट संग्रह की स्थिति: वित्त वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश का एसजीएसटी और आईजीएसटी कलेक्शन 82.42 हजार करोड़ रुपये रहा। यह महाराष्ट्र के 1.84 लाख करोड़ रुपये के बाद दूसरा सबसे बड़ा संग्रह है। कर्नाटक का नेट संग्रह 81.06 हजार करोड़ रुपये रहा। गुजरात का नेट संग्रह 73.17 हजार करोड़ रुपये और तमिलनाडु का 72.97 हजार करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

गर्मी की छुट्टियों में वाराणसी और अयोध्या से दिल्ली के लिए चलेंगी तीन समर स्पेशल

वाराणसी, एजेंसी। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों के लिए उत्तर रेलवे तीन समर स्पेशल ट्रेन चलाएगा। लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) कुलदीप तिवारी ने बताया कि वाराणसी और अयोध्या से दिल्ली के लिए तीन ट्रेनें चलाई जाएंगी।

वाराणसी और दिल्ली के बीच गाड़ी संख्या 04209 15 से 20 अप्रैल और फिर 27 अप्रैल से 15 जुलाई तक चलेगी। यह ट्रेन सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को वाराणसी से रात 10.15 बजे प्रस्थान करेगी।

अयोध्या कैंट से आनंद विहार के बीच ट्रेन संख्या 04213 का संचालन 16 अप्रैल से शुरू होगा। यह ट्रेन रविवार और गुरुवार को अयोध्या से शाम 6:20 बजे रवाना होकर लखनऊ के रास्ते सुबह 6.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

राजधानी लखनऊ से नई दिल्ली के लिए भी एक विशेष साप्ताहिक ट्रेन (04203) 20 अप्रैल से 13 जुलाई तक हर सोमवार को चलाई जाएगी। यह ट्रेन सुबह 8.05 बजे लखनऊ से चलकर शाम 6.30 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रख रेलवे ने सभी स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित, स्लीपर और सामान्य श्रेणियों के डिब्बे लगाने का निर्णय लिया है। इन अतिरिक्त फेरों से भीड़ कम होने के साथ गर्मियों की छुट्टियों में घर जाने वाले प्रवासियों और पर्यटकों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

एआई की उपयोगिता पर चर्चा

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस दे रहे हैं तकनीक को नई दिशा

वाराणसी, एजेंसी। आईआईटी बीएचयू और थिंक इंडिया के तत्वावधान में आयोजित एआई समिट में वक्ताओं ने वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की उपयोगिता पर चर्चा की। इसमें थिंक इंडिया, मेटा, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग सहित देश के विभिन्न संस्थानों से 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि, आईआईटी कानपुर के निदेशक पद्मश्री प्रो. मनींद्र अग्रवाल ने कहा कि एआई का विकास क्रमिक रहा है और भारत में बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इस तकनीक को नई दिशा दे रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑनलाइन जुड़े सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि आज भारत तकनीक के क्षेत्र में एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। सरकार एआई के नैतिक उपयोग और इसके माध्यम से नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीएचयू के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को कहा कि आज हम जिस दौर में हैं, वहां तकनीक हमारी दिनचर्या का अभिन्न अंग बन चुकी है। प्रत्येक व्यक्ति, और विशेषकर विद्यार्थियों, को पहले यह विश्लेषण करना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग हमारे समाज पर क्या दीर्घकालिक प्रभाव डालने वाला है या नहीं।

वैचारिक क्रांति है एआई

आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि यदि हम अंग्रेजी में इंडिया शब्द को उल्टा पढ़ें, तो एआई शब्द सबसे पहले उभरकर आता है। आईआईटी बीएचयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. आरके सिंह और थिंक इंडिया के अखिल भारतीय प्रमुख सुमित पाण्डेय ने एआई पर अपने विचार साझा किए। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि एआई केवल एल्गोरिद्म का समूह नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक क्रांति है।

काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी ने कहा कि वर्तमान समय में विश्वविद्यालयों की भूमिका बदल रही है और एआई के समावेश से शोध और नवाचार के नए द्वार खुले हैं। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री अभय प्रताप सिंह, थिंक इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक विज्जुल मंगट, आईआईटी बीएचयू के प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव, शांभवी, अभाविप प्रांत संगठन मंत्री अभिलाष, राहुल राणा, अभाविप बीएचयू इकाई अध्यक्ष पल्लव सुमन और अनुराग तिवारी उपस्थित रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पंजवारा में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन

बांका। बांका जिले के पंजवारा थाना क्षेत्र में पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक घर पर छापेमारी कर मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया और अवैध हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए। यह कार्रवाई एसटीएफ पटना से मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने पंजवारा थाना क्षेत्र के रामकोल गांव में छोटू यादव उर्फ अभिमन्यु यादव, पिता परमाणंद यादव के घर पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान घर से अवैध हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण और सामग्री मिली।

अवैध हथियार बनाने में उपयोग होने वाले उपकरण: बरामद सामानों में चार अर्धनिर्मित लोहे के पिस्टल बैरल, एक बड़ा व्यावसायिक ड्रिल मशीन, ईईसी कंपनी का ग्राइंडर मशीन, यूनिवर्सल मोटर कंपनी का साउंड बॉक्स, टूल्स कंपनी का स्टैंड फैन, एक पियर छैनी, एक पियर हथौड़ी तथा एक बड़ा और तीन छोटे रिंच शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि इन उपकरणों का उपयोग अवैध हथियार बनाने में किया जाता था। इस मामले में पंजवारा थाना कांड संख्या 35/26 के तहत आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस धंधे में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस कार्रवाई में एसटीएफ बिहार, पटना की टीम के साथ पंजवारा थाना अध्यक्ष चंदन कुमार सहित स्थानीय पुलिस बल के कई अधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान चलाया जाएगा।

हड्डी विभाग से हटाए गए डॉक्टर कन्हैया कुमार

भागलपुर। भागलपुर के मायागंज(JLNMCH) में हड्डी विभाग के डॉक्टर ऑपरेशन के नाम पर 40 हजार रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। आरोप हड्डी विभाग में तैनात डॉक्टर कन्हैया लाल पर लगा है। उन्होंने आरोपों को खारिज कर दिया है। इस मामले में अस्पताल प्रशासन को लिखित स्पष्टीकरण सौंपा है। मेरे पर लगाए गए आरोप गलत है। विवाद बढ़ने पर कन्हैया लाल को यूनिट से हटाकर विभागाध्यक्ष डॉ. मसीह आजम की यूनिट में ट्रांसफर कर दिया गया है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. हिमांशु परमेश्वर दुबे ने कहा कि कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट राज्य स्तर पर भेज दी गई है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, विभागाध्यक्ष डॉ. मसीह आजम का कहना है कि हड्डी रोग विभाग में कई आवश्यक सर्जिकल सामग्रियों की कमी बनी हुई है। कई बार अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर आवश्यक उपकरण और सामग्रियों की आपूर्ति की मांग की जा चुकी है। संसाधनों की कमी के कारण इलाज प्रभावित होने की समस्या पहले भी आती रही है।

अब जानिए क्या है पूरा मामला: पीरपैंती थाना क्षेत्र के बड़ी मोहद्दीपुर निवासी रामप्रवेश मंडल ने शिकायत दर्ज कराई है। रामप्रवेश मंडल ने बताया कि मेरी मां का इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा था। ई-रिक्शा की टक्कर से कमर की हड्डी टूट गई थी, इलाज के लिए एडमिट कराया गया था। 31 मार्च 2026 को शाम 7 बजे डॉक्टर कन्हैया लाल ने निजी क्लिनिक में बुलाकर रुपए लाने को कहा। उस समय मेरे पास उतने पैसे नहीं थी। जिसके बाद इलाज में लापरवाही बरती गई। 1 अप्रैल अस्पताल पहुंचा। डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर से मां को वापस कर दिया। फिर से 40 हजार रुपए देने का दबाव बनाया गया।

पैसे नहीं देने पर ऑपरेशन नहीं किया: पीड़ित का कहना है कि उनके पास इतनी बड़ी राशि उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण इलाज प्रभावित हो रहा है। डॉक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक पैसे नहीं दिए जाएंगे, तब तक ऑपरेशन नहीं किया जाएगा। परेशान होकर जिला प्रशासन से हस्तक्षेप करने और दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

निजी स्कूलों की बैठक में सुरक्षा व मानकों पर जोर

भागलपुर| निजी स्कूलों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा विभाग ने अनुमंडलवार समीक्षा बैठक शुरू कर दी है। सदर अनुमंडल की बैठक में नगर निगम, सुल्तानगंज, शाहकुंड और सबौर के स्कूलों ने हिस्सा लिया। इसमें बाल परिवहन सुरक्षा, स्कूलों के बुनियादी ढांचे और मानकों के अनुपालन पर कड़ा निर्देश दिया गया। बैठक में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट किया गया कि परिवहन नियमों में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

टीएमबीयू में वीसी की नियुक्ति के लिए हुआ इंटरैक्शन

भागलपुर| लोकभवन में बुधवार को आवेदकों के साथ इंटरैक्शन के साथ ही राज्य के तीन विवि टीएमबीयू, वीर कुंवर सिंह विवि-आरा और मौलाना मजहरुल हक अरबी-फारसी विवि में नियमित कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हो गई। टीएमबीयू के कुलपति के दावेदारों में बिहार सहित यूपी के शिक्षक शामिल हुए। इनमें कुछ 10 वर्ष या इससे अधिक समय तक प्रोफेसर के अनुभव वाले शिक्षक थे तो कुछ कुलपति स्तर के आवेदक भी। बिहार के तीन विवि के कुलपतियों ने भी दावेदारी पेश की। इनका संबंधित विवि में कार्यकाल भी जल्द पूरा होने वाला है। टीएमबीयू में पूर्व में प्रतिकुलपति रहे एक शिक्षक भी इंटरैक्शन में शामिल हुए। यूपी के भी कुछ शिक्षकों ने दावेदारी की है।

परीक्षा देने के बावजूद रिजल्ट में अनुपस्थित

भागलपुर| स्नातक के रिजल्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाकर एबीवीपी ने मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य का घेराव किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और छात्र-छात्राओं ने गड़बड़ी की शिकायत की। परिषद के नगर मंत्री पीयूष भारती ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन की लापरवाही के कारण परीक्षा देने के बावजूद कई छात्रों को रिजल्ट में अनुपस्थित दिया गया है। कई छात्रों के रिजल्ट में नॉट एलिजिबल टू प्रमोट (एनईपी) से संबंधित त्रुटियां भी हुई हैं। कार्यकर्ताओं आशीष, पीयूष, दिव्यांशु, सोनू, अनमोल, अंकुर, प्रणव, शिव सागर ने प्राचार्य को पूरे मामले की जानकारी दी। छात्रों को पहले और दूसरे सेमेस्टर में अनुपस्थित दिखाया गया है, जबकि चौथे सेमेस्टर में एनईपी करने से संबंधित छात्र अगले सेमेस्टर में नामांकन लेने से वंचित हो रहे हैं। इस पर प्राचार्य प्रो. संजय कुमार झा ने उन्हें आश्वासन दिया कि प्रभावित छात्रों के आवेदन लिए जाएंगे। इसके लिए एक काउंटर बनाया जाएगा।

खेल संघों की सूची बनेगी, तभी संबद्ध रहेंगे

भागलपुर| जिले में सक्रिय खेल संघों की सूची बनेगी। सभी खेल संघ जिला खेल विभाग से संबद्ध होंगे। खेल संघ अपने पदाधिकारियों की सूची जिला खेल पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने खेलों के विकास के लिए खेल संघों के साथ बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि भागलपुर में खेल सुविधाओं को विकसित किया जाए ताकि यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल का आयोजन हो सके। समीक्षा भवन में हुई बैठक में फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, लॉन टेनिस और बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल के लिए ग्राउंड चिन्हित करने और संबंधित खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधा प्रदान करने को लेकर संबंधित खेल संघों से चर्चा की गई। शौचालय, चेंजिंग रूम, पानी और प्रकाश की व्यवस्था जरूरी बताई।जिला फुटबॉल संघ की शिकायत रही है कि सैंडिस कंपाउंड में उसे आयोजन की जगह नहीं मिलती है। संघ ने पूर्व में सांसद को इसके लिए पत्र दिया था। दूसरे वरीय अधिकारियों को भी पत्र दिया था।

युवती के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज

बेगूसराय| सिंघौल थाना क्षेत्र के मचहा वार्ड-04 में एक महिला ने अपनी 20 वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों के अनुसार युवती पड़ोस में चाची के घर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद थाने में आवेदन दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति ने पत्नी को कमरे में उसके बॉयफ्रेंड के साथ पकड़ा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। बांका में पति ने अपने पत्नी को उसके प्रेमी का साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। उसके बाद घर में खूब हंगामा हुआ। मामला पंचायत तक पहुंचा। भरी पंचायत में पति ने पत्नी को साथ रखने से मना कर दिया। सदमे में पत्नी ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। मृत महिला की पहचान लाडो खातून(19) के रूप में हुई है। लाडो की शादी 10 महीने पहले मोहम्मद हासिब से हुई थी। घटना अमरपुर थाना क्षेत्र इलाके की है।

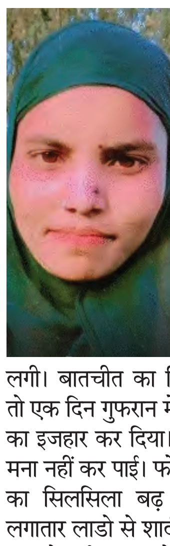

मायके में रहने वाले युवक से था अफेयर: लाडो और मोहम्मद हासिब की शादी जुलाई 2025 में हुई थी। हासिब बिजली मिस्त्री का काम करता है। उससे ही वो अपने परिवार चलाता है। हासिब अपने काम के सिलसिले से अक्सर बाहर रहता था। इस बीच लाडो की फोन पर उसके मायके के बगल में रहने वाले गुफरान (23) से बातचीत होने लगी। बातचीत का सिलसिला बढ़ा तो एक दिन गुफरान में लाडो से प्यार का इजहार कर दिया। लाडो भी उसे मना नहीं कर पाई। फोन पर बातचीत का सिलसिला बढ़ गया। गुफरान लगातार लाडो से शादी करना चाहता था। वो कई बार लाडो पर इसके लिए दबाव बना चुका था।

पति ने कमरे में दोनों को पकड़ा: लाडो के पिता मोहम्मद जखरुद्दीन ने बताया कि, 10 दिन पहले दामाद और बेटी दोनों घर आए थे। बुधवार दोपहर को दामाद किसी काम से मार्केट गए थे। इस बीच पड़ोस के रहने वाले गुफरान घर आ गया। मार्केट से लौटेने के बाद दामाद ने बेटी और उसके प्रेमी को कमरे में आपत्तिजनक हालत में कमरे में पकड़ लिया। विरोध करने पर गुफरान ने अपने चार सहयोगियों को बुला लिया और उनके साथ मारपीट की।

भरी पंचायत में शादी से मुकरा प्रेमी: सूचना के बाद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। गांव में पंचायत बुलाई गई। देर शाम तक पंचायत चली। प्रेमी शादी से मुकर गया। सहमति नहीं बने पर पंचायत ने फैसला सुनाया गया कि अब आप दोनों को जो करना है, कीजिए। इसके बाद पति अपने गांव लौट गया। इस बात से लाडो आहत हो गई। उसे लगा कि पति भी अब उसे छोड़ देगा और उसने जहर खाकर खुदकुशी कर ली।

बाजार से जहर खरीदा: पंचायत के बाद लाडो बाजार गई और वहां से जहरीली दवा खरीद लाई। देर रात खाना खाने के बाद उसने जहर खा लिया। रात 1 बजे के करीब हालत बिगड़ने पर परिवार के लोगों को जानकारी हुई। पहले पास के अस्पताल लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने मायागंज रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मामले की सूचना पर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है।

अल्पसंख्यक छात्रों के लिए 100 बेड का हॉस्टल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया जिला मुख्यालय के समीप बेलवा में अल्पसंख्यक बालकों के लिए 100 शैय्या वाले छात्रावास का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। बिहार राज्य भवन निर्माण निगम, पटना द्वारा कराए जा रहे इस भवन के अप्रैल 2026 के अंत तक पूर्ण रूप से तैयार होने की उम्मीद है। यह छात्रावास अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तहत बनाया जा रहा है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, अररिया के सहायक निदेशक सुबोध कुमार ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भवन निर्माण पूरा होने और विभाग को हस्तांतरित होने के बाद, आवास के लिए अर्हता प्राप्त अल्पसंख्यक बालकों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। यह पहल अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी छात्रों को सुरक्षित, सस्ता और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में बिहार सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, जिसे e-कल्याण पोर्टल (ekalyan.bihar.gov.in) के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

किराए के मकान में रहने वाले बच्चों को मिलेगी प्राथमिकता: विशेष प्राथमिकता उन छात्रों को दी जाएगी जो तकनीकी शिक्षा (पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग आदि) प्राप्त कर रहे हैं और वर्तमान में किराए के मकान या अन्य असुविधाजनक जगहों पर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा महाविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत अल्पसंख्यक बालकों के लिए भी समान रूप से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। बेलवा में स्थित यह 100 बेड का छात्रावास छात्रों को बेहतर पढ़ाई का माहौल प्रदान करेगा।

किसान के सिर में गोली लगने से मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में किसान के सिर में गोली लगी है। मामला, पुलिस जिला नवगछिया के बिहपुर थाना क्षेत्र के सोनबरसा दियारा का है। मृतक की पहचान शहजादपुर पंचायत के विशनपुर गांव निवासी भीम मंडल के बेटे दिलीप कुमार (30) के तौर पर की गई है। वह सुबह 9 बजे घर से बाहर परवल के खेत पर गया हुआ था, तभी ये घटना हुई है। दरअसल, इस मामले को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चा है। कुछ लोग अपनी जुबान में कह रहे हैं कि उन्होंने खुद सिर में गोली मारकर आत्महत्या की है, तो कुछ लोग कह रहे हैं कि उसकी हत्या हुई है। लोगों को जानकारी तब हुई जब गोली चली और आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने गोली की आवाज सुनी। किसान मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना के बाद मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इधर, सूचना के बाद बिहपुर थाने की पुलिस भागलपुर के रास्ते नाथनगर होते हुए दियारा पहुंची। शहजादपुर पंचायत के सरपंच नीरज ने बताया कि एक युवक के सिर में गोली लगी है।

छाती पर बैठकर सड़क पर चाकू से सिर काटा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया में गुरुवार को एक शख्स ने दूसरे शख्स का गला काटकर उसका सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। जिसने वारदात को अंजाम दिया उसका नाम रवि चौहान बताया जा रहा है। नवी ड्राइवर था और रवि सत्तू की दुकान चलाता था। रवि ने नवी की छाती पर बैठकर बीच सड़क उसकी गर्दन काटी। इसका वीडियो भी सामने आया है। वारदात के बाद रवि 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भीड़ ने सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की है। इलाके के सभी दुकानों को बंद कर दिया गया है। घटना फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मार्केटिंग यार्ड गेट नंबर 2 के पास हुई।

छाती पर बैठकर चाकू से गला काटता रहा: बीच सड़क चाकू से गला काटने का 30 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें नवी जमीन पर लेटा दिख रहा है। रवि उसकी छाती पर चढ़कर गला रेत रहा है। इस दौरान आते-जाते लोग रास्ता बदल लेते हैं। कुछ भागकर दूर चले जाते हैं, लेकिन कोई उसे रोकने की कोशिश नहीं करता है।

पत्नी पर कमेंट करने पर भड़का रवि: मौके पर मौजूद लोगों ने बताया, आज सुबह पिकअप ड्राइवर मो. नवी हुसैन रवि कुमार के पास पहुंचा।रवि सत्तू बेचता है। नवी ने रवि से कहा कि, सत्तू वाली कैसी है। इतने पर रवि भड़क गया। पहले दोनों में बहस हुई। इसी बीच रवि ने चाकू निकाल कर नवी के पेट में मार दिया। लोगों का कहना है कि फिर रवि नवी की छाती पर बैठा और उसका गला रेत डाला। पिकअप ड्राइवर की हत्या के बाद मौके पर मौजूद लोग आक्रोशित हो गए। भीड़ ने रवि को पकड़ लिया और उसे बेरहमी से पीटा। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उसकी मौत हो गई।

पार्किंग को लेकर हुआ था विवाद: आसपास के लोगों ने बताया गुरुवार की सुबह सत्तू बेचने की जगह पर पिकअप लगाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी विवाद में रवि ने नवी की पहले चाकू गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद सिर को धड़ से अलग कर सड़क पर रख दिया। दोनों के बीच पार्किंग को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। नवी वहां अपनी गाड़ी खड़ी करता था तो रवि भड़क जाता था। आज नवी ने रवि की पत्नी पर कमेंट किया जिसके बाद विवाद बढ़ गया।

भदरिया स्थल पर फिर शुरू होगी खुदाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका। बांका के अमरपुर प्रखंड स्थित भदरिया गांव के ऐतिहासिक स्थल पर एक बार फिर खुदाई कार्य शुरू होने की उम्मीद जगी है। बांका के जिला पदाधिकारी (डीएम) नवदीप शुक्ला ने हाल ही में इस स्थल का निरीक्षण किया,जिसके बाद पांच वर्षों से ठप पड़ी परियोजना को गति मिलने की संभावना है । चांदन नदी के तट पर स्थित इस पुरातात्विक स्थल के निरीक्षण के दौरान,डीएम ने वहां मौजूद अवशेषों और पूर्व में कराए गए सर्वेक्षण व खुदाई कार्य की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीण एवं समाजसेवी लखनलाल पाठक से भी स्थल के इतिहास और अब तक मिले अवशेषों के बारे में जानकारी ली ।

प्राप्त अवशेषों को विभाग को भेजा जाएगा: जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला ने कहा कि भदरिया का यह स्थल ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि यहां से प्राप्त अवशेषों और सर्वेक्षण से जुड़ी सभी जानकारियों को एकत्र कर संबंधित विभाग को भेजा जाएगा । आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद यहां पुनः खुदाई कार्य शुरू कराने की दिशा में पहल की जाएगी। डीएम ने जोर दिया कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और जल्द ही सकारात्मक पहल देखने को मिल सकती है । उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ऐसे ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित करना और उन्हें पर्यटन तथा शोध के केंद्र के रूप में विकसित करना है।

20 नवंबर को मिले थे पुराने भवन के अवशेष: उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 20 नवंबर को छठ घाट की सफाई के दौरान ग्रामीणों को पुराने भवन के अवशेष मिले थे ।इस खोज के बाद पूरे क्षेत्र में इस स्थल को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। सूचना मिलने पर पटना और भागलपुर से पुरातत्व विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर चांदन नदी के तट पर मिले अवशेषों का निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी।सफाई के दौरान नदी के नीचे ईंटों से बनी एक दीवार मिलने के बाद इस ऐतिहासिक स्थल को लेकर लोगों की जिज्ञासा और बढ़ गई थी। स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री जयंत राज के प्रयास से इस स्थल को लेकर राज्य स्तर पर पहल शुरू हुई। उनकी पहल पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी दो बार इस स्थल का दौरा कर यहां मिले अवशेषों का अवलोकन किया था। संभावित ऐतिहासिक अवशेषों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चांदन नदी की धारा को मोड़ने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से बांध का निर्माण भी कराया गया,ताकि नदी के बहाव से किसी भी तरह का नुकसान न हो।

आईआईटी कानपुर की टीम को बुलाया गया था: इसके बाद इस स्थल के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए आईआईटी कानपुर की टीम को बुलाया गया था। आईआईटी की टीम ने अपने सर्वेक्षण में नदी के गर्भ में किसी प्राचीन सभ्यता के अवशेष होने के संकेत दिए थे। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू की गई और बिहार विरासत विकास समिति को यहां खुदाई कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। खुदाई के दौरान कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक वस्तुएं और संरचनाएं भी मिलीं, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह स्थल किसी विकसित प्राचीन सभ्यता का हिस्सा रहा होगा। इतिहासकारों का मानना है कि यह स्थल संभवतः बुद्ध काल या कुषाण काल से भी जुड़ा हो सकता है।

बिहार सरकार
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(जनगणना कोषांग)

भारत की जनगणना-2027
जनगणना से जन कल्याण

भारत के महा रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 23 जनवरी 2026 को Census Act, 1948 की धारा 8(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनगणना-2027 में मकान सूचीकरण के दौरान प्रगणक द्वारा इन 33 प्रश्नों को सभी व्यक्तियों से पूछने एवं डिजिटल माध्यम से ग्रहण करने हेतु प्राधिकृत किया गया है। ये 33 प्रश्न हैं:-

आवासीय जानकारी
1. मकान संख्या
2. जनगणना मकान संख्या
3. घर किस फर्श का है?
4. घर के दीवाल की सामग्री
5. घर के छत की सामग्री
6. घर का उपयोग
7. घर की स्थिति

पारिवारिक जानकारी
8. परिवार की संख्या
9. घर में कितने जन रहते हैं?
10. परिवार के मुखिया का नाम
11. परिवार के मुखिया का लिंग
12. परिवार के मुखिया की जाति (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य)
13. घर स्वयं के नाम/किराया पर
14. घर में कितने कमरे हैं?
15. घर में कितने विवाहित परिवार रहते हैं?

जल एवं स्वच्छता विवरण
16. पेय जल का स्रोत
17. पेय जल की उपलब्धता
18. प्रकाश का मुख्य स्रोत
19. शौचालय की सुलभता
20. किस प्रकार का शौचालय ?
21. गंदे पानी का निकास
22. स्नानगृह की उपलब्धता
23. रसोईघर की उपलब्धता (एलपीजी/पीएनजी)
24. खाना पकाने का मुख्य साधन (Fuel)
25. परिवार के खाने का मुख्य अनाज

घरेलू उपकरणों की उपलब्धता
26. रेडियो
27. टेलीविजन
28. इंटरनेट सुविधा
29. लैपटॉप/कंप्यूटर
30. टेलीफोन/मोबाइल फोन/स्मार्ट फोन
31. साइकिल/स्कूटर/मोटरसाइकिल/मोपेड
32. कार/जीप/वैन
33. मोबाइल नंबर (केवल जनगणना संबंधी सूचना हेतु)

नोट: (क) सभी 33 प्रश्नों का सही उत्तर देना Census Act, 1948 की धारा-8 में अनिवार्य है।
(ख) सभी 33 प्रश्नों का उत्तर स्वगणना में दिनांक 17.04.2026 से 01.05.2026 तक वेब पोर्टल se.census.gov.in पर स्वयं दिया जा सकेगा। कृपया उत्तर सही-सही भरें।
(ग) उक्त 33 प्रश्नों को प्रगणक प्रत्येक मकान में जा-जाकर दिनांक 02.05.2026 से 31-05-2026 तक पूछेंगे जिसका उत्तर सही से देना होगा।

आप सभी से जनगणना में सहयोग की अपेक्षा है।

सरकार के प्रधान सचिव
सह राज्य समन्वयक (जनगणना)

PR No.- 000641 (Revenue)D. 2026-27

शिकायत एवं सुझाव के लिए लिए जन शिकायत पोर्टल पर जायें।
https://biharbhumiplus.bihar.gov.in/pg/
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार द्वारा जनहित में जारी।
Follow Us
#BiharRevenueAndLandReformsDept

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मौसमीय परिस्थितियों को लेकर प्रशासन अलर्ट

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) ने संभावित हीट वेव व अगलगी की घटनाओं से बचाव और पूर्व तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान मौसमीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिले में की गयी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गयी। संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी आवश्यक बिंदुओं पर शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सभी विभागों व अफसरो को अलर्ट मोड में रहने और किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित व समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने की सलाह दी गयी। विशेष तौर से कृषि विभाग, अग्निशमन सेवा व विद्युत विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने और किसी भी घटना पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। अत्यधिक गर्मी के दौरान लोगों से सावधानी बरतने का अनुरोध बताया गया कि जिले में 24×7 जिला आपातकालीन संचालन केंद्र सक्रिय है, जहां से निरंतर निगरानी की जा रही है। आम नागरिकों से अनुरोध की गयी है कि अत्यधिक गर्मी के दौरान सावधानी बरतें। अनावश्यक तौर से दोपहर में बाहर निकलने से बचें और किसी भी अगलगी अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष को दें। बैठक में सभी संबंधित जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिले में भी नामांकन को लेकर नया आदेश लागू

आरा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश अब भोजपुर जिले में भी लागू कर दिए गए हैं। इस आदेश के तहत नामांकन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए कई अहम निर्देश दिए गए हैं। आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए "नामांकन अभियान" को व्यापक स्तर पर चलाने और हर अभिभावक को अपने बच्चों के दाखिले के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ मानवेंद्र कुमार राय ने बताया कि नामांकन अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग किया जाए

खिलाड़ी मेधावी बनीं नेशनल टेनिस चैंपियन

आरा। भोजपुर की होनहार खिलाड़ी मेधावी कृति ने 22वीं सीनियर नेशनल टेनिस चैंपियनशिप 2025-26 में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया है। श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित इस प्रतियोगिता में 17 राज्यों की महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया, जहां मेधावी ने फाइनल मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। सहेजनी गांव की निवासी मेधावी साधारण किसान परिवार से आती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने आरा टेनिस क्लब में लगातार अभ्यास कर यह सफलता हासिल की। वह मिशन फिजिकल अकादमी, रमना की पूर्व एथलीट रही हैं।सम्मान समारोह आयोजित हुआ, जिसमें जदयू के जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, अभय विश्वास भट्ट, संजय राय और कुमार विजय समेत कई गणमान्य लोगों ने उन्हें सम्मानित किया।

गांगी मोक्ष धाम का डीएम ने किया निरीक्षण

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने मंगलवार को आरा नगर निगम क्षेत्र के गांगी स्थित नवनिर्मित मोक्ष धाम का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। करीब 3.77 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस मोक्ष धाम में दो लकड़ी आधारित और एक विद्युत शवदाह गृह स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा परिसर में शौचालय, दुकान और अन्य बुनियादी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त अंजू कुमारी को निर्देश दिया कि मोक्ष धाम का संचालन अविलंब शुरू कराया जाए, ताकि आम लोगों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि समय पर संचालन शुरू होने से जहां आमजन को सुविधा मिलेगी, वहीं संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित होगा। जिलाधिकारी ने परिसर में नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने और सुरक्षा के लिहाज से गार्ड की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह, नगर आयुक्त अंजू कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी (आरा सदर) समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। गांगी मोक्ष धाम के शुरू होने से लोगों को अंतिम संस्कार के लिए बेहतर और सुलभ सुविधा मिलेगी। विद्युत शवदाह से समय और लकड़ी की बचत होगी, पर्यावरण संरक्षण होगा। स्वच्छ परिसर और सुरक्षा व्यवस्था से व्यवस्था बेहतर होगी, जिससे आमजन को सम्मानजनक और व्यवस्थित सेवा मिल सकेगी।

सिनेमा रोड में रेमंड का शोरूम खुला

आरा। सपना सिनेमा रोड में बुधवार को रेमंड शोरूम का शुभारंभ शहर के जाने-माने प्रतिष्ठान नागरमल के द्वारा किया गया। शोरूम का उद्घाटन अवंतिका, वेदिका, वैष्णवी एवं गौरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर शोरूम के संचालक ने बताया कि यह शोरूम वर्ष 2012 से शिवगंज में संचालित हो रहा था जिसे अब शहर के प्रमुख स्थान पर नए एवं आकर्षक स्वरूप में ग्राहकों के लिए प्रस्तुत किया गया है। यहाँ पुरुषों के परिधानों की बेहतरीन रेंज में सूट, पेंट, कमीज, सफारी के लिए आकर्षक वस्त्र, उच्च गुणवत्ता वाले शॉल, कंबल तथा पार्क एवेन्यू, पार्क्स एवं कलर प्लस जैसे प्रसिद्ध ब्रांड के रेडीमेड सूट, पेंट, शर्ट, ट्राउजर, टी-शर्ट, ब्लेजर इत्यादि उपलब्ध हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शोरूम में उत्कृष्ट कलेक्शन के साथ-साथ आकर्षक ऑफर्स एवं बेहतर सेवा का प्रबंध किया गया है। जिससे हर वर्ग के ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी कर सकें। इस अवसर पर रेमंड कंपनी के अधिकारी एवं शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कॉलेज में प्रतिभा सम्मान और आशीर्वाद समारोह का आयोजन

बक्सर। चरित्रवन स्थित ऐप्टेक परिसर में मंगलवार को स्मृति कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में प्रतिभा सम्मान सह आशीर्वाद समारोह का भव्य आयोजन किया गया। बीसीए एवं लाइब्रेरी साइंस का रिजल्ट प्रकाशित होने के बाद उत्साहित छात्रों ने कॉलेज परिसर में अपनी सफलता का जश्न मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ एम.वी. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. सुभाष पाठक, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, कॉलेज के निदेशक डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सैकत देव नाथ, गणेश उपाध्याय एवं डॉ. रासबिहारी शर्मा ने किया। बीसीए एवं लाइब्रेरी साइंस के छात्रों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम दिया। बीसीए तृतीय वर्ष में रोहित राज ने 83.46% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि दीपा राय ने 81.29% और संदीप कुमार ने 81% अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। लिब्रेरियन साइंस में भी सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। आशुतोष कुमार (76.68%), प्रभु कुमार (75.88%) और प्रिया कुमारी (75.75%) ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2014 से स्मृति कॉलेज के छात्र मौलाना मजहरूल हक विश्वविद्यालय, पटना की परीक्षाओं में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

संत मेरी विद्यालय में वंदे मैजिस प्लस थीम के साथ सत्र 2026–27 की हुई शुरुआत

बक्सर। संत मैरी विद्यालय बक्सर में नए शैक्षणिक सत्र 2026–27 का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की थीम "वंदे मैजिस +" रखी गई थी, जिसने पूरे आयोजन को एक विशेष ऊर्जा और प्रेरणा से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग कलर पार्टी के स्वागत से हुई, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 फादर डोमनिक अमलन, मुख्य अतिथि रेवरेंट बिशप जेम्स शेखर एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगण फादर प्रताप, कैप्टन निपुण जैन, चित्रांश, राजीव, कुमार किन्शुक, का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डुमराव युवराज शिवांग विजय सिंह बक्सर के उपनगर अध्यक्ष सुनील मिश्रा ने कार्यक्रम की भूरि -भूरि प्रशंसा की साथ ही साथ कार्यक्रम में पहुंचे बक्सर(सदर) के पूर्व विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने विद्यालय के द्वारा किए गए इस पहल की प्रशंसा की एवं बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए विद्यालय द्वारा इस तरह के कार्यक्रम को कराए जाने के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक को तहे दिल से धन्यवाद दिया।

सदर अस्पताल का पीकू वार्ड एक साल से बंद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर सदर अस्पताल में 2 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत से बना 42-बेड का अत्याधुनिक पीकू (Pediatric Intensive Care Unit) वार्ड पिछले एक साल से बंद पड़ा है। यह वार्ड अब बच्चों के इलाज का केंद्र न होकर असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। वार्ड परिसर की स्थिति जर्जर है। यहां चारों ओर गंदगी फैली है, जिसमें सैकड़ों शराब की खाली बोतलें, नशे में इस्तेमाल की गई इंजेक्शन की शीशियां, सॉल्यूशन और प्रयोग किए गए कंडोम पाए गए हैं। भवन में लगी वायरिंग और कई महत्वपूर्ण उपकरण चोरी हो चुके हैं। वार्ड की दीवारें दरकने लगी हैं और चहारदीवारी भी क्षतिग्रस्त है। सुरक्षा के लिए यहां कोई व्यवस्था नहीं है, यहां तक कि गेट भी नहीं लगा है, जिससे किसी का भी अंदर-बाहर आना-जाना आसान है।

2 साल पहले ही बनकर हुआ था तैयारः यह पीकू यूनिट दो साल पहले ही बनकर तैयार हो गई थी। इसे 2025 में सदर अस्पताल को हैंडओवर भी कर दिया गया था। उम्मीद थी कि 2024 से ही गंभीर रूप से बीमार बच्चों को जिले में वेंटिलेटर और आईसीयू की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। हालांकि, वर्तमान में मरीजों को इलाज के लिए पटना या निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी के बावजूद करोड़ों रुपये खर्च कर इस अत्याधुनिक वार्ड का निर्माण किया गया है। ऐसे में इसके निर्माण के औचित्य पर सवाल उठ रहे हैं। इस स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

जनता को नहीं मिल रहा कोई फायदाः स्थानीय निवासी वरुण कुमार ओझा का कहना है, "सरकार सिर्फ इमारत खड़ी कर देती है, लेकिन उसमें न बहाली होती है और न ही कोई काम। आम जनता को कोई फायदा नहीं मिल रहा। अब यह जगह नशेड़ियों का अड्डा बन चुकी है, जहां से गुजरने में भी लोग डरते हैं।" जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी विनोद प्रताप सिंह के अनुसार, पीकू वार्ड के शुरू नहीं होने की सबसे बड़ी वजह डॉक्टरों और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी है। उन्होंने बताया कि एनेस्थेटिक डॉक्टर और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ के बिना इस यूनिट को चालू करना संभव नहीं है।

गड्ढे में गिरने से मजदूर की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर में गड्ढे में गिरने से यूपी निवासी मजदूर की मौत हो गई। ईंट भट्ठे पर काम करता था। मृतक सुशील कुमार(32) उन्नाव के मुरैता प्राचीन गांव का रहने वाला था। घटना बिहाया थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर गांव की है। दोस्त प्राण कुमार ने बताया कि चार महीना पहले अपने छह दोस्तों के साथ काम करने आया था। भट्ठा से कुछ दूरी पर स्थित गड्ढे के पास लघुशंका करने गया था। अचानक गिरकर बेहोश हो गया और मुंह से खून बहने लगा।मौके से गुजर रहे राहगीरों ने उसे देखा। तुरंत इसकी सूचना हमलोगों की दी गई। आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घर में मचा कोहरामः मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। चार भाई-बहन में दूसरे स्थान पर था। परिवार में पत्नी संगीता देवी, तीन पुत्री अंजली, तनु , छोटी और एक पुत्र है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रिटायर्ड एयरफोर्स सार्जेंट पर जानलेवा हमला, प्राथमिकी दर्ज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। आरा में रिटायर्ड एयरफोर्स सार्जेंट अरविंद उपाध्याय पर जानलेवा हमला मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घायल के बयान पर शांतिनगर मोहल्ला निवासी मंजी शुक्ला उर्फ अनिल शुक्ला को नामजद किया गया है। पुलिस के अनुसार, करीब 20 साल पुरानी रंजिश सामने आ रही है। घटना टाउन थाना क्षेत्र स्थित पुरानी पुलिस लाइन-मठिया मौलाबाग रोड की है। जानकारी के मुताबिक अरविंद उपाध्याय मंगलवार की शाम चंदवा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मौलाबाग रोड पर आरोपी ने उनकी बाइक को रोक लिया। अचानक चाकू से गर्दन, सीना, पेट समेत शरीर के कई हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद हिम्मत दिखाते हुए आरोपी के हाथ से चाकू छीन लिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग जुट गए। इसी बीच मौका पाकर आरोपी फरार हो गया।

वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामदः पुलिस इंस्पेक्टर देवराज राय ने बताया कि घायल के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमले के दौरान आरोपी को भी चोटें आई हैं, जिसका इलाज पुलिस निगरानी में कराया जा रहा है। वारदात में इस्तेमाल चाकू को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और पुरानी रंजिश के विभिन्न पहलुओं को खंगाला जा रहा है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

पीएमओ से जुड़ी जानकारी बेचने के आरोप में युवक गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने के बदले विदेश से पैसे मांगने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई डुमरांव अनुमंडल के सिमरी थाना क्षेत्र स्थित आशा पड़री गांव में देर रात छापेमारी कर की। पुलिस के अनुसार, आरोपी विदेशों में संदिग्ध लोगों से संपर्क कर गोपनीय जानकारी साझा करने के बदले पैसे की मांग कर रहा था। इस गंभीर मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के निर्देश पर तत्काल छापेमारी की गई और युवक को हिरासत में ले लिया गया।

गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछ जारीः सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार युवक की पहचान अमन कुमार के रूप में हुई है। उसे फिलहाल एक गुप्त स्थान पर रखकर गहन पूछताछ की जा रही है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस इस पर अत्यधिक सतर्कता बरत रही है और कई अहम जानकारियां अभी सार्वजनिक नहीं की गई हैं। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि अमन कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वर्ष 2022 में उसे कोलकाता एयरपोर्ट को हैक करने की धमकी देने के मामले में कोलकाता और बक्सर पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया था। इस बार मामला प्रधानमंत्री कार्यालय से जुड़ा होने के कारण इसे और भी गंभीर माना जा रहा है।

विदेशों से पैसे मांगने का आरोपः पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह स्थानीय पुलिस द्वारा की गई है और इसमें दिल्ली पुलिस की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने पुष्टि की कि आरोपी पर प्रधानमंत्री से जुड़े मामलों को लेकर विदेशों से पैसे मांगने का आरोप है। एसपी ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने आरोपी के घर से लैपटॉप सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। इन उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, जिससे मामले से जुड़े कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

छात्र शक्ति ने विवि में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में छात्र शक्ति भोजपुर इकाई द्वारा बुधवार को प्रेस वार्ता की गई। विश्वविद्यालय अध्यक्ष भुवन पांडेय ने कॉलेजों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। जिलाध्यक्ष सौरभ पांडेय ने प्रेस वार्ता में 19 सूत्री मांग पत्र प्रस्तुत किया। प्रमुख मांगों में आउटसोर्सिंग में पारदर्शिता, मूल प्रमाण-पत्र वितरण व्यवस्था सुधारने, कॉलेजों में पेयजल और लाइब्रेरी सुविधा दुरुस्त करने तथा फीस संरचना को नियंत्रित करने सहित अन्य मांग थी। इसके अलावा छात्रों ने विश्वविद्यालय में कॉमन रूम की व्यवस्था, छात्रावास संचालन, एमबीए छात्रों के प्लेसमेंट, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और इंडोर स्टेडियम को चालू करने की भी मांग उठाई। छात्र नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ शिक्षकों द्वारा फर्जी दस्तावेज के आधार पर नौकरी करने जैसे गंभीर मामले सामने आ रहे हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रेस वार्ता के दौरान छात्राओं ने भी विश्वविद्यालय की कार्यशैली पर सवाल उठाए। लवली, ब्यूटी चौबे, चित्तौड़ बाला मौर्या और राबिता सहित अन्य छात्राओं ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। संचालन में बिट्टू पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शादी के नाम पर ठगी, दुल्हन जेवर-कैश लेकर फरार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में शादी के नाम पर ठगी का एक मामला सामने आया है। एक गिरोह ने उत्तर प्रदेश के एक परिवार को झांसे में लेकर फर्जी शादी कराई और दुल्हन लाखों के जेवर व कैश लेकर फरार हो गई। इस मामले में पुलिस ने एक दलाल को गिरफ्तार किया है। साथ ही फरार दुल्हन और उसके परिवार की तलाश में छापेमारी कर रही है। पीड़ित लड़के की पहचान उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात निवासी रमेश कुमार के बेटे विनय कुमार के रूप में हुई है। विनय फिलहाल फरीदाबाद में रहता हैं। विनय कुमार की शादी को लेकर परिवार चिंतित था। इसी दौरान उनकी मुलाकात एक दलाल से हुई, जिसने बक्सर में शादी कराने का प्रस्ताव दिया।

लड़की का आधार कार्ड दिखा कर दिलाया विश्वासः दलाल ने परिवार को विश्वास में लेने के लिए एक लड़की का आधार कार्ड दिखाया, जिसमें उसका पता राजपुर थाना क्षेत्र के बारूपुर गांव का बताया गया। इसके बाद बातचीत आगे बढ़ी और विनय कुमार अपने परिवार के साथ मंगलवार को बक्सर पहुंचे। उन्हें

स्टेशन के पास एक लॉज में ठहराया गया, जहां दलाल ने पूरी व्यवस्था की थी। यहीं पर लड़की पक्ष को 70 हजार रुपए कैश दिए गए। बुधवार को पहले दोनों का कोर्ट मैरिज कराया गया। इसके बाद सभी को चौसा के महादेव घाट ले जाया गया, जहां गंगा किनारे साधारण तरीके से शादी की रस्म पूरी कराई गई। विनय कुमार ने बताया कि शादी के दौरान भी लगातार पैसों की मांग होती रही। दुल्हन ने मांग में सिंदूर भरवाने के लिए 5 हजार रुपए मांगे, हालांकि बाद में 1100 रुपए देकर रस्म पूरी कराई गई। वहीं, खुद को लड़की का भाई बताने वाले युवक ने जूता चुराई की रस्म के नाम पर 1000 रुपए वसूल लिए।

दुल्हन को 250 ग्राम सोने-चांदी के जेवर दिएः इसके अतिरिक्त, दुल्हन को लगभग 250 ग्राम सोने-चांदी के जेवर भी दिए गए। अन्य खर्चों को मिलाकर परिवार से लगभग 20 हजार रुपए और लिए गए। इस तरह शादी के नाम पर पूरे परिवार से बड़ी रकम ऐंठ ली गई। शादी के बाद दुल्हन जेवर और कैश लेकर फरार हो गई। पीड़ित परिवार ने मुफस्सिल थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के मुख्य दलाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब फरार दुल्हन और उसके परिवार के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। शादी के बाद दलाल परिवार को स्टेशन छोड़ने के बहाने चौसा स्टेशन रोड की ओर ले गया। इसी दौरान एक सुनियोजित साजिश के तहत दुल्हन को ऑटो से उतारकर एक युवक बाइक पर बैठाकर फरार हो गया। यह सब इतनी तेजी से हुआ कि परिवार कुछ समझ ही नहीं पाया।

साथियों की तलाश के लिए छापेमारी जारीः हालांकि मौके पर मौजूद लोगों की मदद से परिवार ने दलाल को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष शंभु भगत ने बताया कि आरोपी दलाल को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है।

भुअर सिंह हत्याकांड में पुलिस का एक्शन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस ने रितेश सिंह उर्फ भुअर सिंह की हत्या मामले में कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं है। जिसके बाद पुलिस अब नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोर्ट से वारंट लेने की प्रक्रिया शुरू करेगी। मृतक की पत्नी श्वेता सिंह ने 11 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें दो लोगों पर साजिश रचने और नौ लोगों पर गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के बनकट नहर मार्ग की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शुरुआती जांच में बाइक पर सवार तीन शूटरों की संलिप्तता की सामने आई है। इस हत्याकांड की कड़ी तीन वर्ष पूर्व हुए एक अन्य हमले से भी जुड़ती दिख रही है। मृतक के बड़े भाई बबलू सिंह को भी आरा में गोली मारी गई थी। उस मामले में चार आरोपी जेल गए थे, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है। जबकि दो अन्य फिलहाल बाहर है। जांच की दिशा अब पुराने आरोपियों के इर्द-गिर्द घूम रही है।

- कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट लेने की तैयारी, कॉल डिटेल खंगाला जा रहा, 11 नामजद पर प्राथमिकी

कॉल डिटेल खंगाला जा रहा हैः मामले की तह तक पहुंचने के लिए पुलिस मानवीय और तकनीकी दोनों तरह के साक्ष्यों का सहारा ले रही है। मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की गतिविधियों का विश्लेषण किया जा रहा है। जांच टीम मृतक की पत्नी श्वेता सिंह के स्कूल से लेकर लहरपा गांव तक संभावित सभी स्थानों पर सुराग तलाश रही है।

तीन साल पहले भाई को मारी थी गोलीः प्राथमिकी में मकरध्वज यादव का नाम भी सामने आया है, जो पहले से आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। लहरपा निवासी हीरा लाल यादव समेत दो लोगों पर साजिश रचने का आरोप है। श्वेता सिंह का कहना है कि तीन साल पहले उनके भैंसुर बबलू सिंह पर हुआ हमला भी सुनियोजित था और उसी पुरानी रंजिश के चलते अब उनके पति की हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है।

एमवी कॉलेज के बीबीए व बीसीए विभाग में क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। एमवी कॉलेज में आयोजित भव्य क्विज टेस्ट ने शैक्षणिक माहौल को नई ऊर्जा प्रदान की है, जहां सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ ज्ञानवर्धन का अनूठा उदाहरण पेश किया। बीबीए एवं बीसीए विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन न केवल ज्ञान बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास और विषय के प्रति गहरी रुचि विकसित करने में भी सफल रहा। महाविद्यालय प्रशासन ने यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन की सफलता के पीछे प्राचार्य प्रो कृष्ण कांत सिंह का प्रेरणादायी नेतृत्व रहा, जिनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण लगातार बेहतर हो रहा है। उन्होंने नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देकर छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीबीए समन्वयक डॉ पंकज चौधरी एवं बीसीए समन्वयक डॉ सैकत देबनाथ की अहम भूमिका रही। वहीं, शिक्षकों में अरविंद कुमार, सरोज सर्राफ, यथार्थ राज, अरुण कुमार ओझा एवं मधुसूदन का योगदान सराहनीय रहा। समग्र समन्वय की जिम्मेदारी शिवम भारद्वाज ने निभाई, जिनके कुशल संचालन से कार्यक्रम संपन्न हुआ। क्विज टेस्ट कॉलेज में विकसित हो रही सशक्त शैक्षणिक संस्कृति और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बनकर उभरा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दो पक्षों में हुई गोलीबारी, कोई हताहत नहीं

मसौढ़ी। नगर के गांधी मैदान के मुख्य गेट के पास गुरुवार को दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि गोलीबारी की नौबत आ गई।एक पक्षों की ओर से जमकर गोलीबारी की गई।हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ गुरुवार की सुबह लगभग 10बजे दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया।वर्चस्व दिखाने के लिए एक ओर से करीब आधा दर्जन राउंड गोलियां चालाई गई।हालांकि किसी ने लिखित या मौखिम रूप से थाना में शिकायत नहीं की है।अपर थानाध्यक्ष कृष्णा सिंह ने कहा सूचना मिली थी। स्थल निरीक्षण पर किसी ने पुष्टि नहीं की और न ही किसी ने अबतक शिकायत की है।

पत्नी की शिकायत पर शराबी पति को भेजा गया जेल

मसौढ़ी।थाना क्षेत्र से घरेलू हिंसा और शराब सेवन का मामला सामने आया है,जहां पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।इस संबंध में मसौढ़ी थाना क्षेत्र के पूर्णचक गांव निवासी अनीता कुमारी ने थाने में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है।आवेदन में अनीता कुमारी ने बताया कि उनके पति उदय कुमार आज 10वर्षों से शराब के नशे में रोजाना आते हैं।विरोध करने पर वह गाली गलौज एवं मारपीट करता है।घटना की रात भी आरोपी शराब के नशे में गाली गलौज कर रहा था।जिससे परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही मसौढ़ी थाना पुलिस ने पहुंची,जहां आरोपी शराब के नशे की हालत में पाया गया।इसके बाद आरोपी मुजाहिद को हिरासत में लेकर थाना लाया गया।पूछताछ के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे जेल भेज दिया गया।

मसौढ़ी में पंजाब नेशनल बैंक शाखा में कर्मियों की कमी से बढ़ी परेशानी, घंटों इंतजार को मजबूर ग्राहक

मसौढ़ी। नगर मुख्यालय के मेन रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की मसौढ़ी शाखा में इन दिनों कर्मचारियों की भारी कमी के कारण ग्राहकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंक में बढ़ती भीड़ और सीमित कर्मियों के चलते दैनिक बैंकिंग कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इस शाखा में करीब डेढ़ लाख ग्राहक जुड़े हुए हैं, जबकि पूरे बैंक का संचालन मात्र छह कर्मचारियों के सहारे किया जा रहा है। कर्मचारियों की कमी और बैंकों के विलय के बाद व्यवस्था और अधिक प्रभावित हुई है, जिससे किसान ऋण (केसीसी), ग्राहक पहचान प्रक्रिया (केवाईसी) सहित अन्य जरूरी कार्यों में काफी देरी हो रही है। सबसे अधिक परेशानी उन खाताधारकों को हो रही है जिनकी ग्राहक पहचान प्रक्रिया लंबित है। केवाईसी अपडेट नहीं होने के कारण सैकड़ों ग्राहकों के खाते से पैसे की निकासी नहीं हो पा रही है। इसके अलावा पासबुक में अद्यतन नहीं की जा रही है, जिससे खासकर अशिक्षित और बुजुर्ग उपभोक्ताओं को यह पता नहीं चल पा रहा है कि उनके खाते में कितनी राशि शेष है। ग्राहकों का कहना है कि पहले बैंक में पर्याप्त संख्या में कर्मचारी मौजूद रहते थे, जिससे काम आसानी से हो जाता था। लेकिन अब हालात ऐसे हो गए हैं कि छोटी-छोटी प्रक्रियाओं के लिए भी घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। इस संबंध में बैंक के उपभोक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की कमी के कारण आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में अब बैंकिंग सेवाएं काफी धीमी हो गई हैं और ग्राहकों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बैंक प्रबंधन से मांग की है कि जल्द से जल्द शाखा में अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की जाए, ताकि ग्राहकों को हो रही परेशानियों से राहत मिल सके और बैंकिंग सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

चोरी गिरोह सहित 8 अपराधी गिरफ्तार, 2 बाइक बरामद, जानलेवा हमले के आरोपी भी पकड़े गए

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने बिदुपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी गिरोह सहित विभिन्न मामलों में कुल आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। बिदुपुर थाना पुलिस ने 7 अप्रैल 2026 को चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ चार अभियुक्तों को पकड़ा। इनकी पहचान अमित कुमार, कुंदन सिंह, मिट्ठू कुमार और शैलेंद्र कुमार के रूप में हुई है। ये सभी चोरी गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। इससे पहले, 5 अप्रैल 2026 को बिदुपुर थाना क्षेत्र के फुलपुरा में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के आरोप में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनमें सतीश कुमार (पिता सुनील कुमार), रितेश कुमार (पिता सुरेंद्र राय) और अनिल राय (पिता बुलाकी राय) शामिल हैं। एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि बिदुपुर थाना क्षेत्र से विभिन्न कांडों में फरार चल रहे आठ अभियुक्तों को थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि गिरफ्तार किए गए आठ में से चार अभियुक्त पेशेवर चोर हैं और उनके पास से दो चोरी की बाइक बरामद हुई हैं। तीन अन्य को हत्या के प्रयास के आरोप में पकड़ा गया है। एक अन्य मामले में, बिदुपुर थाना कांड संख्या 21/24 के तहत चोरी के आरोप में संजीत कुमार (पिता रामबालक शर्मा) को भी गिरफ्तार किया गया है। यह मामला एक गैराज से चोरी के सामान की बरामदगी से जुड़ा है। गिरफ्तार किए गए सभी अभियुक्तों में अमित कुमार, कुंदन सिंह, मिट्ठू कुमार (सभी मथुरापुर, बिदुपुर), शैलेंद्र कुमार (कुतुबपुर, बिदुपुर), सतीश कुमार, रितेश कुमार, अनिल राय (सभी फुलपुरा, बिदुपुर) और संजीत कुमार (दाउदनगर, बिदुपुर) शामिल हैं।

2 आरोपी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार, जमीन विवाद में दूसरे को फंसाने की थी साजिश

हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो व्यक्तियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। ये दोनों एक जमीन विवाद में दूसरे व्यक्ति को फंसाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को 8 अप्रैल, 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि रामपुर करारी बरारी स्थित वकील राय के दालान में अवैध हथियार छिपाए गए हैं। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर, श्री सुबोध कुमार के नेतृत्व में जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने पर, दालान से कपूरी राय और गुड्डू कुमार भागने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ा लिया गया। दालान की तलाशी के दौरान, भूसे के बोरे के नीचे कपड़े में लिपटा एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उनका वकील राय से जमीन का विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि वे वकील राय को फंसाने के उद्देश्य से अवैध आग्नेयास्त्र को दालान में छिपाने गए थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में जुड़ावनपुर थाना कांड संख्या 78/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कपूरी राय (पिता बालेश्वर राय) और गुड्डू कुमार (पिता बिंदेश्वर राय) के रूप में हुई है। दोनों रामपुर करारी बरारी, वार्ड-08, थाना-जुड़ावनपुर, जिला-वैशाली के निवासी हैं। बरामद किए गए हथियारों में एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस शामिल हैं।

अररिया में दिनदहाड़े दरिंदगी: मामूली विवाद में युवक की गला काटकर हत्या

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरोपी की भी पीट-पीटकर मौत

अररिया। बिहार के अररिया जिले में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहशत और आक्रोश से भर दिया। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मार्केटिंग यार्ड गेट नंबर-2 के पास एक युवक की बीच सड़क बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात के बाद हालात इतने बिगड़े कि आरोपी की भी भीड़ ने पीट-पीटकर जान ले ली। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है, जो पेशे से पिकअप चालक था। वहीं आरोपी की पहचान रवि चौहान के रूप में की गई है, जो सत्तू की दुकान चलाता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह के समय दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई। विवाद अचानक इतना बढ़ गया कि आरोपी ने चाकू निकालकर पहले नवी पर हमला कर दिया। इसके बाद उसने नवी को जमीन पर गिराकर उसकी छाती पर बैठकर गला काट दिया। घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हत्या के बाद आरोपी ने मृतक का सिर धड़ से अलग कर सड़क के बीचों-बीच रख दिया, जबकि धड़ कुछ दूरी पर पड़ा रहा। आसपास मौजूद लोग इस दृश्य से सहम गए और कोई भी तुरंत हस्तक्षेप करने की हिम्मत नहीं जुटा सका। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी करीब पांच मिनट तक घटनास्थल पर ही चाकू लेकर खड़ा रहा। इस दौरान वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धीरे-धीरे लोगों की भीड़ जमा हो गई और गुस्से में आकर लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया। हत्या से आक्रोशित भीड़ ने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी।

गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस तरह इस घटना में दोनों पक्षों के लोगों की जान चली गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों के बीच पहले से ही पार्किंग को लेकर विवाद होता रहता था। घटना वाले दिन भी इसी बात को लेकर बहस शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान आरोपी की पत्नी को लेकर की गई एक टिप्पणी ने विवाद को और भड़का दिया, जिसके बाद मामला हिंसा में बदल गया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। आक्रोशित लोगों ने सुभाष चौक के पास सड़क जाम कर दी और आगजनी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कई दुकानों में तोड़फोड़ की गई, जिससे बाजार पूरी तरह बंद हो गया और यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि मामले में दो लोगों की मौत हुई है और इलाके में एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि हालात पर नजर रखी जा रही है और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, ताकि घटना के सभी पहलुओं का पता लगाया जा सके।

पटना में बालू माफिया पर शिकंजा: पुलिस टीम पर हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रम, पटना। पटना जिले के रानी तालाब थाना क्षेत्र में पुलिस पर हुए हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। 16 मार्च 2026 को अवैध बालू खनन रोकने गई पुलिस टीम पर हुए हमले के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तकनीकी जांच और मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर यह सफलता हाथ लगी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राज कुमार साव के रूप में हुई है, जिसे सैदाबाद इलाके से दबोचा गया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना प्रभारी विनय कुमार रंजन ने बताया कि राज कुमार साव इस कांड का मुख्य अभियुक्त है और उसके खिलाफ कांड संख्या 101/26 दर्ज है। साथ ही वह आर्म्स एक्ट के एक अन्य मामले में भी फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, 16 मार्च को अवैध बालू खनन की सूचना पर टीम रानी तालाब क्षेत्र में कार्रवाई के लिए पहुंची थी। इसी दौरान बालू माफियाओं ने पुलिस दल पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया था। घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान शुरू किया। मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी गई और अंततः उसे सैदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजा जाएगा। पुलिस ने साफ किया है कि अवैध बालू खनन के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है। फिलहाल, मुख्य आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बिहटा में पैक्स चुनाव की प्रक्रिया शुरू, नामांकन को लेकर उम्मीदवारों में उत्साह

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहटा, पटना। जिले के बिहटा प्रखंड सभागार में पैक्स चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। चुनावी माहौल के बीच विभिन्न पंचायतों से संभावित उम्मीदवार बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, जिससे प्रखंड क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवजन्म राम ने बताया कि बिहटा प्रखंड के नगर परिषद क्षेत्र समेत कुल 7 पंचायतों में इस बार पैक्स चुनाव कराया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि गुरुवार निर्धारित की गई है, जिसके बाद 20 अप्रैल को मतदान और 21 अप्रैल को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन ही कई पंचायतों से उम्मीदवारों ने अपने-अपने नामांकन पत्र जमा किए। बेंदौल पंचायत से अरविंद सिंह, सदिसोपुर पंचायत से अनिल कुमार और बिहटा पंचायत से अशोक कुमार ने औपचारिक रूप से चुनावी मैदान में उतरने का संकेत दे दिया है। आने वाले दिनों में और भी प्रत्याशियों के नामांकन करने की संभावना जताई जा रही है। बीडीओ शिवजन्म राम ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारी की गई है। सभागार परिसर में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी उम्मीदवारों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा। चुनाव से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पैक्स चुनाव को लेकर गांव-गांव में चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रत्याशी अपने समर्थन में माहौल बनाने में जुट गए हैं, जिससे क्षेत्र में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। अब सबकी नजर आगामी मतदान और उसके परिणामों पर टिकी है।

पटना में साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, नवादा के तीन शातिर अपराधी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। राजधानी की साइबर सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। बेऊर थाना क्षेत्र के 70 फीट रोड स्थित ममता कुंज अपार्टमेंट के एक फ्लैट से पुलिस ने नवादा जिले के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विक्की कुमार, शुभम राज और गुलशन कुमार के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से नवादा जिले के निवासी हैं और पटना में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आए थे। जांच में सामने आया है कि ये युवक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के नाम पर पटना आए थे, लेकिन जल्द ही इन्होंने साइबर ठगी का रास्ता अपना लिया। अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इन्होंने एक बड़ा नेटवर्क तैयार कर लिया और देश के विभिन्न राज्यों में लोगों को ठगना शुरू कर दिया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर इन्हें गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह दो मुख्य तरीकों से लोगों को ठगता था। पहला, फर्जी फाइनेंस लोन के नाम पर विज्ञापन देकर लोगों से प्रोसेसिंग शुल्क वसूलना। दूसरा, सोशल मीडिया के जरिए लोगों को झांसे में लेकर उन्हें अवैध गतिविधियों के प्रलोभन देना। ये आरोपी फेसबुक, टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहते थे और लोगों को संदिग्ध एप फाइल भेजकर उनके मोबाइल का डेटा चुरा लेते थे। इसके बाद उस डेटा का इस्तेमाल कर ठगी को अंजाम देते थे। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इस गिरोह का नेटवर्क बिहार से बाहर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और केरल सहित कुल 9 राज्यों में फैला हुआ था। जब्त मोबाइल फोनों की जांच में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के पोर्टल पर कई शिकायतें दर्ज मिली हैं। इन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में करीब 12 प्राथमिकी पहले से दर्ज हैं। यह कार्रवाई पटना साइबर थाना कांड संख्या 460/26 के तहत पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। छापेमारी टीम में धर्मेंद्र मंडल, संभव शर्मा और अनुज कुमार शामिल थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संगठित साइबर अपराध की धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है।

मसौढ़ी में ट्रेन हादसा, ट्रैक पार करते समय छात्र की दर्दनाक मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मसौढ़ी,पटना। मसौढ़ी रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय छात्र शिवम कुमार की मौत हो गई। वह रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उसकी जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन की चपेट में आने से शिवम के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

मृतक की पहचान मेहतरमां निवासी सुनील बिंद के पुत्र शिवम कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि शिवम मसौढ़ी के डेम पंचायत क्षेत्र में अपने ननिहाल, कादरगंज थाना क्षेत्र स्थित राजेंद्र बिंद के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार सुबह वह रोज की तरह पढ़ाई के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में यह हादसा हो गया।

रेल थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। रेलवे प्रशासन और पुलिस ने लोगों से अपील की है कि रेलवे ट्रैक पार करते समय पूरी सतर्कता बरतें और केवल निर्धारित क्रॉसिंग का ही उपयोग करें। प्रशासन का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है, वहीं इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है।

पटना में मंगल पाण्डेय बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि, वक्ताओं ने बताया क्रांति का प्रेरणास्रोत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। दारोगा राय स्थित कृष्ण चेतना परिषद सभागार में अमर शहीद मंगल पाण्डेय के बलिदान दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद मंगल पाण्डेय समाज सेवा आश्रम द्वारा किया गया, जिसकी अगुवाई संस्था के अध्यक्ष शिवाकांत तिवारी ने की। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और 'वन्दे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ हुई, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मंगल पाण्डेय देश के सच्चे सपूत और प्रथम क्रांतिकारी थे, जिनके बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी को प्रज्वलित किया। वहीं श्रम मंत्री संजय सिंह टाईगर ने अपने संबोधन में कहा कि मंगल पाण्डेय ने देश में परिवर्तन की आधारशिला रखी। उनके साहसिक कदमों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ क्रांति की राह तैयार की। अध्यक्षीय संबोधन में शिवाकांत तिवारी ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मंगल पाण्डेय का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। इस अवसर पर प्रमोद चन्द्रवंशी, निशा मदन झा, मिथिलेश कुमार तिवारी, निखिल आनंद सहित कई वक्ताओं ने भी मंगल पाण्डेय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों और युवाओं ने भाग लिया। मंच संचालन डॉ मुकेश कुमार ओझा ने किया, जबकि अतिथियों का स्वागत डॉ मिथिलेश कुमार तिवारी ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन राम नरेश महतो द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनीष झा, उमेश झा, पवन शास्त्री, भास्कर तिवारी, पूनम सिन्हा, आनंद पाण्डेय सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के जरिए युवाओं को देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ अध्यक्ष ने डीएम को कहा- मैं आपसे या सरकार से नहीं डरता

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना यूनिवर्सिटी में 30 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में बवाल के बाद पटना यूनिवर्सिटी के छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत 6 छात्रों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज हुई थी। वे फरार बताए जा रहे थे। इसपर शांतनु शेखर ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। शांतनु ने पटना डीएम को कहा कि अगर आप यह समझते हैं की SIT और IB की टीम लगाकर मुझे अरेस्ट कर लेंगे या फिर मेरा एनकाउंटर करा देंगे तो मैं इसके लिए भी तैयार हूं। मैं पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए लड़ाई लड़ता रहूंगा। अगर उनके हक के लिए बात करना आपको पसंद नहीं आ रहा है, तो आप मुझे गोली मार दीजिए, मेरा एनकाउंटर करा दीजिए। मैं ना आपकी सरकार से और ना आपसे डरता हूं। इसके साथ ही उन्होंने उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को भी लेकर कहा है कि मैं पटना यूनिवर्सिटी को RSS का घर नहीं बनने दूंगा।

अपने संदेश में शांतनु शेखर ने स्पष्ट कहा है कि यह लड़ाई केवल कुछ छात्रों की नहीं, बल्कि पूरे छात्र समुदाय के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने छात्रों की जायज मांगों को दबाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई की है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में पुलिस प्रशासन उनकी तलाश में जुटी हुई है, जबकि उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उनका उद्देश्य केवल छात्रों की आवाज को उठाना और उन्हें न्याय दिलाना है। शांतनु शेखर ने राज्य सरकार से मांग की है कि सभी निर्दोष छात्रों के खिलाफ दर्ज FIR को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेती है, तो वे स्वयं आगे आकर आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार हैं और कानून का सम्मान करेंगे। 9 अप्रैल को NSUI स्थापना दिवस के अवसर पर शांतनु शेखर ने ऐलान किया है कि वे स्वयं न्यायालय में आत्मसमर्पण करेंगे, ताकि यह संदेश जाए कि छात्र नेतृत्व न तो डरता है और न ही पीछे हटता है। उन्होंने आगे कहा "जब तक हमारे साथियों को न्याय नहीं मिलेगा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। हम हर छात्र के हक के लिए अंत तक खड़े रहेंगे।" दरअसल, पीयू के नए प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन (कला संकाय) के उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहुंचे थे। इसी दौरान पीयू कैंपस के अंदर छात्रों ने उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के विरोध में नारेबाजी की थी। पुलिस का आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने पुलिस के काम में बाधा डाला। पुलिस कर्मियों के साथ बदतमीजी की और हाथापाई हुई। इस दौरान गो बैक के नारे भी लगाए गए थे। इस मामले में पटना पुलिस ने अनुराग कुमार को नौबतपुर और वर्तमान काउंसलर मोहम्मद एहसानुल्लाह (इकबाल छात्रावास) अशोक राजपथ से अरेस्ट किया गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत, दहशत

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर स्थित धतकीडीह तालाब में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने पानी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तैरती देखीं। देखते ही देखते तालाब के चारों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वाली मछलियों का वजन लगभग 5 से 8 किलो के बीच है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार रात तक तालाब की स्थिति सामान्य थी, लेकिन गुरुवार सुबह अचानक इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना कई सवाल खड़े कर रहा है। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि तालाब से बदबू भी आ रही थी, जिससे स्थिति और गंभीर लग रही थी। हालांकि, मछलियों की मौत के वास्तविक कारणों का अब तक कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते तालाब की साफ-सफाई और पानी की गुणवत्ता की जांच की जाती, तो शायद इस तरह की घटना को टाला जा सकता था। लोगों ने प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, मरी हुई मछलियों को जुस्को की ओर से हटाने का काम शुरू कर दिया गया है, ताकि तालाब में और अधिक प्रदूषण न फैले।

हमले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

सनी पुष्टि

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छायानगर डब्बा लाइन स्थित सामुदायिक भवन के सामने वर्चस्व की लड़ाई और रामनवमी के दौरान हुई छेड़खानी का विवाद आखिरकार एक युवक की जान ले बैठा। 31 मार्च को दो गुटों के बीच हुए हिंसक टकराव में गंभीर रूप से घायल हुए सन्नी पुष्टि की टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। बताया जाता है कि रामनवमी के दौरान शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और 31 मार्च को यह हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों गुटों के बीच हुई इस भिड़ंत में ताबड़तोड़ फायरिंग के साथ चापड़ (धारदार हथियार) से हमला किया गया था। इसी दौरान सन्नी पुष्टि को गोली लगने के साथ-साथ चापड़ से भी वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे तत्काल टीएमएच में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। घटना में सन्नी के अलावा नंदू लोहार नामक युवक भी घायल हुआ था। हालांकि इलाज के बाद नंदू लोहार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी, लेकिन सन्नी की हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी। जानकारी के अनुसार सन्नी की एक आंख में गोली लगी थी, वहीं उसके सिर और हाथ पर भी चापड़ से गंभीर चोटें आई थीं। सन्नी की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजन गुरुवार को अस्पताल पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। परिजनों ने आरोपियों की जल्द से जल्द सख्त सजा की मांग की। स्थिति को देखते हुए अस्पताल परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया। इधर, सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अब सन्नी की मौत के बाद मामले में हत्या की धारा जोड़कर सभी आरोपियों के खिलाफ उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामसभा ने निशा उरांव के बयान का किया विरोध

खूंटी। जिले के ऐतिहासिक जीउरी गांव को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गहराता जा रहा है। बुधवार को निशा उरांव के नेतृत्व में पारंपरिक उल्गुलान और सामाजिक डीलिस्टिंग आंदोलन के तहत उपायुक्त को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद गुरुवार को जीउरी गांव में विशेष ग्रामसभा आयोजित की गई। ग्रामसभा में ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने निशा उरांव के बयान का कड़ा विरोध करते हुए इसे भ्रामक, अपमानजनक और गांव की ऐतिहासिक गरिमा के खिलाफ बताया। विशेष ग्रामसभा की अध्यक्षता करते हुए ग्राम प्रधान बिनसाय मुंडू ने कहा कि जीउरी गांव एक बकाश्त मुंडारी खूंटकट्टी गांव है, जिसकी ऐतिहासिक पहचान को तोड़-मरोड़ कर पेश करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यह गांव आदिवासी परंपरा, संघर्ष और शहादत का प्रतीक रहा है और इसका इतिहास बिरसा उलगुलान से गहराई से जुड़ा हुआ है। ग्राम प्रधान ने बताया कि 09 जनवरी 1900 को बिरसा मुंडा के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक संघर्ष के दौरान जीउरी गांव की तीन वीर महिलाएं शहीद हुई थीं। उनका बलिदान पूरे आदिवासी समाज के सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है। ऐसे गौरवशाली इतिहास वाले गांव पर बिना तथ्यात्मक जानकारी के टिप्पणी करना समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। बिनसाय मुंडू ने कहा कि यदि किसी को जीउरी गांव के इतिहास की जानकारी नहीं है तो पहले डोम्बारी बुरु जाकर ऐतिहासिक तथ्यों को समझना चाहिए, उसके बाद ही कोई बयान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के बयान समाज में भ्रम और विभाजन पैदा करते हैं। ग्रामसभा में निशा उरांव की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए और पूछा गया कि वे किस हैसियत से इस तरह के बयान दे रही हैं। ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि उनके विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा और पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बुधवार को निशा उरांव के नेतृत्व में समर्थकों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर पारंपरिक उल्गुलान और सामाजिक डीलिस्टिंग आंदोलन की शुरुआत की थी। ज्ञापन में जीउरी मॉडल ग्रामसभा और नई संयुक्त पड़हा संरचना को गैर-पारंपरिक बताते हुए इसके खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन चलाने की बात कही गई थी।

दुकान में चोरी का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र के कचहरी परिसर स्थित दुकानों में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बड़ाइक टोली निवासी नितिन नायक (22) और विक्रम नायक उर्फ सुकुराल (22) के रूप में हुई है। इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सीडीपीओ) वरुण रजक ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि तीन दुकानों में चोरी की घटना सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक संयुक्त छापेमारी दल का गठन किया गया था। त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात चोरों ने कचहरी परिसर स्थित पुनीत जेरॉक्स, कुंज जेरॉक्स और संजय टेलीफोन बूथ का ताला तोड़कर करीब 2100 रुपये नकद, दो ब्लूटूथ स्पीकर और अन्य सामान की चोरी की थी। इस मामले में दुकानदार सुधीर सिंह की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने हाल के महीनों में हुई कई अन्य चोरी की घटनाओं में भी अपनी भूमिका स्वीकार की है। इनमें 21 फरवरी 2026 को तमाड़ रोड स्थित पुराने बस स्टैंड के पास एक विदेशी शराब दुकान से 1,83,400 रुपये की चोरी और 08 मार्च 2026 को डाक बंगला रोड स्थित अधिवक्ता प्रदीप कुमार गौंझू के घर से 65 हजार रुपये की चोरी शामिल है। जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपित आदतन अपराधी हैं और वर्ष 2023 व 2024 में भी चोरी के मामलों में जेल जा चुके हैं। नितिन नायक पर 2023 से 2026 के बीच कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि विक्रम नायक पर भी पूर्व से चोरी के मामले लंबित हैं। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक चंदन कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रंजीत लकड़ा सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने बताया कि आरोपितों से पूछताछ जारी है और अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

झारखंड में मौसम हुआ साफ, फिर से बढ़ेगा तापमान

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में गुरुवार को मौसम साफ रहा। मौसम साफ होने के बाद तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। आने वाले दिनों में भी तापमान में भारी वृद्धि होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी।

तापमान में सामान्य से ०9 डिग्री की गिरावट- राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। इसके कारण वातावरण में ठंड महसूस की जा रही है। रांची में इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री कम दर्ज की गई, जबकि अन्य जिलों में यह अंतर तीन से ०९ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गोड्डा में 32.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य के जिन इलाकों में बारिश दर्ज की गई उनमें मनोहरपुर में 23.8 मिलीमीटर, बोकारो डिवीसी में 23 मिमी, मुसाबनी में 22.8 मिमी, धालभूमगढ़ में 22.8, रामगढ़ में 19.4 मिमी, कुरडेग में 17.8 मिमी, हजारीबाग डीवीसी में 17.8 मिलीमीटर, महारो में 17.4 मिमी, नवाडीह 17.4 मिमी, बोडा में 17.4 मिमी, तेनुघाट में 17.2 मिमी, मधुपुर में 16.8 मिमी और रामगढ़ डीवीसी में 16.5 मिलीमीटर सहित अन्य इलाकों में बारिश रिकार्ड की गई। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 36.3 डिग्री और सबसे कम तापमान रांची के कांके में 14.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। हालांकि दोपहर बाद धूप में तल्खी महसूस की गई। तड़के सुबह हुई बारिश के कारण वातावरण में ठंड भी महसूस की गई।

टेम्परेचर अपडेट- गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री और न्यूनतम 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.2 डिग्री और न्यूनतम 20.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 31.8 और न्यूनतम 20.8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 28.2 डिग्री और न्यूनतम 19.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रांची सिविल कोर्ट के समय में बदलाव, नया शेड्यूल 13 अप्रैल से प्रभावी

एजेंसी। रांची

रांची सिविल अदालत कोर्ट के कार्य समय में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। जारी नए टाइम टेबल के अनुसार, 13 अप्रैल (सोमवार) से कोर्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित होगा। इस दौरान सुबह 10 बजे से 10:30 बजे तक आधे घंटे का लंच ब्रेक निर्धारित किया गया है। इस संबंध में न्याययुक्त द्वारा आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसके साथ ही नए समय के अनुसार न्यायिक कार्य संपन्न किए जाएंगे। इस बदलाव का उद्देश्य कार्य व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाना बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि रांची सिविल कोर्ट 6 अप्रैल से मॉर्निंग शेड्यूल पर चल रहा था। मॉर्निंग कोर्ट के तहत अदालत का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित था, जबकि सुबह 9 बजे से 9:30 बजे तक भोजनावकाश दिया जाता था। अब नए आदेश के बाद कोर्ट के समय में आंशिक परिवर्तन करते हुए कार्य अवधि और लंच ब्रेक के समय में संशोधन किया गया है। इससे न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बिजली ऑफिस में पीएलएफआई लिखा लिफाफा मिलने से दहशत, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का लिफाफा मिलने पर दहशत का माहौल है। धुर्वा थाना स्थित बिजली सब स्टेशन में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब एक कारतूस के साथ बंधा लिफाफा मिला। 315 बोर की गोली को एक धागे के जरिए लिफाफे में बांध दिया गया था। लिफाफा के ऊपर उग्रवादी संगठन पीएलएफआई काले अक्षरों में लिखा हुआ था। जबकि लाल अक्षर में लाल सलाम और जरूरी सूचना लिखा हुआ था। बिजली विभाग के कर्मचारी जैसे ही कार्यालय पहुंचे उनके बीच हड़कंप मच गया। इसके बाद जानकारी धुर्वा पुलिस को दी गई। मामले की जानकारी हासिल होने के बाद धुर्वा थाना प्रभारी खुद मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल करने के बाद लिफाफा को जब्त कर अपने साथ ले गए। लिफाफा पानी की वजह से भींग गया था, इसलिए उसे तुरंत नहीं खोला जा सका। सूखने के बाद जब बंद लिफाफे को खोला गया तो उसमें मात्र एक व्यक्ति का नाम लिखा हुआ मिला। जिस व्यक्ति का नाम लिफाफे के अंदर लिखा गया है,वह पास के ही रहने वाला है। पुलिस ने उस व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया है। हालांकि उसने इन सब में अपनी भूमिका से साफ इंकार किया है। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि बंद लिफाफा और कारतूस मिलना किसी व्यक्ति विशेष के जरिए आपसी दुश्मनी को साधने का मामला नजर आ रहा है। जांच में लिफाफा के अंदर कोई भी धमकी या किसी तरह की कोई बात नहीं लिखी गई है। हालांकि फिर भी पुलिस अलर्ट है और मामले की जांच कर रही है। बिजली बिल के विवाद या फिर किसी अन्य तरह के विवाद को लेकर भी जांच की जा रही है।

भामाशाह जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले में गुरुवार को अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की जिला इकाई ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से 23 अप्रैल को महादानवीर भामाशाह की जयंती को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय को सौंपा। महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में पहुंचे सदस्यों ने कहा कि महादानवीर भामाशाह भारतीय इतिहास के ऐसे महान व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने त्याग, दान और राष्ट्रभक्ति की मिसाल पेश की। उन्होंने मेवाड़ के महाराणा प्रताप के संघर्ष के दौरान अपना समस्त धन समर्पित कर देशभक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसे आज भी पूरे देश में सम्मान के साथ याद किया जाता है। राकेश साहू ने कहा कि समाज में भामाशाह की भूमिका केवल एक दानी के रूप में ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना के प्रतीक के रूप में भी महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने बताया कि झारखंड सहित देश के कई राज्यों में भामाशाह जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई जाती है, लेकिन अब तक इसे राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिल पाई है, जो कि समाज के लिए निराशाजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केंद्र सरकार 23 अप्रैल को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करती है, तो इससे देशभर में भामाशाह के विचारों और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। साथ ही तैलिक साहू समाज सहित अन्य वर्गों में सम्मान और गर्व की भावना भी सुदृढ़ होगी।

बाइक सवार अपराधियों ने ट्रक चालक के घर की फायरिंग

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र में अपराधियों ने गुरुवार को ट्रक चालक नसीम खान के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि दो बाइक पर सवार होकर चार अज्ञात अपराधियों ने नसीम खान के घर पर चार राउंड फायरिंग की। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गये। इससे इलाके में दहशत है। हालांकि फायरिंग की घटना में किसी भी व्यक्ति को गोली नहीं लगी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मैकलुस्कीगंज थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है। फायरिंग करने वाले अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही नसीम खान के परिवार के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। जांच के क्रम में पुलिस की टीम ने घटनास्थल से कुल तीन खोखा बरामद किया है। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी धनंजय बैठा ने बताया कि जिन पर गोली चलाई गई है उनसे पूछताछ की जा रही है । घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

एआई से अभियांत्रिकीय उपकरणों के शेष आयु का लग सकता है सटीक अनुमान : डॉ जी रेड्डी

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला में गुरुवार से अभियांत्रिकीय उपकरणों की शेष आयु आकलन (आरएलए-२०२६) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। ०९ और १० अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर से लगभग १५० वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ, शिक्षाविद और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी में आईआईटी खड़गपुर, सीएसआईआर-सीएमईआरआई दुर्गापुर, एनटीपीसी, भारतीय तेल निगम, भारत पेट्रोलियम, महिंद्रा रक्षा सहित कई प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ जी सतीश रेड्डी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी ने की। इस अवसर पर संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र कुमार साहू और संयोजक डॉ सुमंता बगुई भी मंच पर मौजूद थे। निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी ने कहा कि देश में पेट्रो रसायन, ताप विद्युत और खनन क्षेत्रों के लगभग ६० से ७० प्रतिशत औद्योगिक ढांचे अपनी निर्धारित आयु से अधिक समय से उपयोग में हैं। ऐसे में शेष आयु आकलन इन संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके सुरक्षित उपयोग को बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ जितेंद्र कुमार साहू ने आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इस क्षेत्र में संस्थान ने ताप विद्युत, अंतरिक्ष और तेल और गैस क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपकरणों की संरचनात्मक मजबूती और दीर्घायु के आकलन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वहीं मुख्य अतिथि डॉ जी सतीश रेड्डी ने कहा कि शेष आयु आकलन देश के औद्योगिक ढांचे के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने बताया कि बॉयलर, टरबाइन, दाब पात्र और नली प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखने में इसकी अहम भूमिका है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि मिसाइल, लड़ाकू विमान और अन्य वायुयान प्रणालियों में भी इसका उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां सुरक्षा से समझौता किए बिना संरचनात्मक आयु बढ़ाना आवश्यक होता है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर भी जोर देते हुए कहा कि इसके माध्यम से शेष आयु का अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले सेवा आंकड़ों के संग्रह को इस प्रक्रिया की सफलता के लिए अनिवार्य बताया।

हाई कोर्ट ने रांची विश्वविद्यालय के आईएलएस में अव्यवस्था पर अधिकारियों को किया तलब, नामांकन पर रोक बरकरार

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची विश्विद्यालय के अधीन संचालित इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज (आईएलएस) में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई है। अदालत ने मामले को गंभीर मानते हुए उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के सचिव, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति (वीसी), डीन और आईएलएस के डायरेक्टर को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने संस्थान में प्रोफेसरों की नियमित नियुक्ति नहीं होने पर सवाल उठाए। इस पर रांची विश्विद्यालय की ओर से बताया गया कि आईएलएस में कोई स्वीकृत पद ही नहीं है और जो भी नियुक्तियां होती हैं, वे जेपीएससी के माध्यम से की जाती हैं। इस जवाब पर अदालत ने असंतोष जताते हुए संबंधित सभी अधिकारियों को तलब कर लिया। यह सुनवाई न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई, जहां प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अनूप कुमार अग्रवाल ने पक्ष रखा। अदालत ने पहले से लागू रोक को जारी रखते हुए स्पष्ट किया कि अगले सत्र से आईएलएस में नए विद्यार्थियों के नामांकन पर फिलहाल प्रतिबंध रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को निर्धारित की गई है। दरअसल, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के नियमों के अनुसार संस्थान में पर्याप्त लाइब्रेरी, योग्य प्रिंसिपल और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की कमी पाई गई थी। इसी को लेकर अंबेश कुमार चौबे की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि संस्थान की लापरवाही के कारण 418 विद्यार्थियों का भविष्य संकट में पड़ गया है। उल्लेखनीय है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अक्टूबर 2025 में ईमेल के माध्यम से संस्थान को छह महीने के भीतर कमियां दूर करने का निर्देश दिया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बावजूद सुधार नहीं किया गया। यह संस्थान सरकार के निर्देश पर संचालित एक स्व-वित्त पोषित संस्थान है।

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग
वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल, गढ़वा

आम नीलामी सूचना

सर्व साधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के अंतर्गत राज्यसात वाहनों (जहाँ है, जिस स्थिति में है) की बिक्री दिनांक–15.04.2026 के पूर्वाह्न 11:00 बजे से गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय, गढ़वा में आम नीलामी द्वारा की जायेगी। यदि नीलामी तिथि को किसी कारणवश अवकाश या बंदी घोषित होता है तो उसके अगले कार्य दिवस को नीलामी की तिथि तय मानी जायेगी। किसी भी व्यक्ति को यह आपत्ति हो कि आम नीलामी सूचना में उल्लेखित वाहन के संबंध में सुनवाई किसी न्यायालय में विचाराधीन है तो वे संबंधित मामले में अपना दावा स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से साक्ष्य हेतु दस्तावेज के साथ कार्यालय अवधि में गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय में दिनांक–13.04.2026 के अपराह्न 05:00 बजे तक या उसके पूर्व समर्पित कर सकते हैं। यदि उक्त तिथि तक उल्लेखित राज्यसात वाहनों पर कोई दावा गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय में समर्पित नहीं किया जाता है तो यह समझा जायेगा कि उक्त राज्यसात वाहनों की आम नीलामी द्वारा बिक्री करने पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति नहीं है। नीलामी हेतु राज्यसात वाहनों की सूची, क्रमानुसार विवरणी निम्नवत् है तथा नीलामी हेतु आवश्यक शर्तें सहित नीलामी हेतु राज्यसात वाहनों की सूची, क्रमानुसार विवरणी गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय; गढ़वा जिला के Official वेबसाईट https://garhwa.nic.in/ तथा झारखण्ड राज्य, वन विभाग के Official वेबसाईट https://forest.jharkhand.gov.in/ पर उपलब्ध है :–

क्र0 सं0	वाहन का प्रकार	निबंधन संख्या/ इंजन संख्या/ चेचिस संख्या	वाहन जहाँ स्थित है।	जमा की जाने वाली अग्रधन की राशि (Gate Money) (रूपये में)
1	2	3	4	5
1	हीरो मोटरसाईकिल	Reg. No. - JH14C-4985	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, गढ़वा	5,000.00
2	हीरो मोटरसाईकिल	Reg. No. - JH03AB-6587	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, गढ़वा	5,000.00
3	महिन्द्रा पिकअप	Reg. No. - JH03W0878 / Engine No. - TBJ1K89188 / Chassis No. - MA1ZN2TBKJ1K84621	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, नगर	20,000.00
4	महिन्द्रा ट्रैक्टर ट्रॉली सहित, रंग–लाल, मॉडल B275DI	Engine No. - PES3A85D320RS2924 / Serial No. - 86220786	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, भवनाथपुर	20,000.00
5	महिन्द्रा पिकअप, रंग सफेद	Reg. No. - UP60J3811 / Engine No. - GG71L59095	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, गढ़वा	20,000.00
6	महिन्द्रा पिकअप	Reg. No.-BR01GJ3154 Chasis No.-MA1ZN2TBKK1M93165, Eng. No.-TBK1M97826	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, गढ़वा	20,000.00

वन प्रमण्डल पदाधिकारी
गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल

PR 377064 Forest, Environment and Climate Changes (26-27)_D

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद के लोगों के लिए गुड न्यूज़, 1.37 करोड़ रुपये में बनेगी नई सड़क

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में नगर निगम मुख्यालय के चारों तरफ टूटी हुई सड़कों से

परेशान लोगों को राहत मिलने वाली है। निगम ने सड़क बनाने को लेकर 1.37 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। निगम का कहना है कि इस माह काम भी शुरू कर दिया जाएगा। इसी सड़क से होकर लोग बादशाह खान नागरिक अस्पताल जाते हैं। निगम मुख्यालय के चारों तरफ पिछले काफी समय से सड़क टूटी हुई है। बताया गया कि वर्षा के समय तो इस सड़क से निकलना मुश्किल हो जाता है। जलभराव होने की वजह से गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता है। जिससे वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ता है। हालांकि, इससे पहले भी निगम की ओर से सड़क को टेंडर लगाया गया था। लेकिन किसी भी एजेंसी ने टेंडर नहीं उठाया था। नगर निगम कार्यकारी अभियंता नितिन कादियान ने बताया कि सड़क को बनाने के लिए 1.37 करोड़ का टेंडर लगाया गया है। टेंडर को लेकर एजेंसियों से भी बात की जा रही है।

टूट रहा नीलम रेलवे पुल, फरीदाबाद महानगर प्राधिकरण में लापरवाही का नया मामला

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद महानगर प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों में खूब हीलाहवाली की जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ठेकेदार को पूरी छूट दी हुई है, तभी जो काम हो रहे हैं, उनमे लापरवाही सामने आ रही हैं। ताजा मामला नीलम रेलवे पुल से जुड़ा है। करीब ढाई करोड़ की लागत से की गई मरम्मत के बाद इसमें कई खाामियां सामने आ रही हैं। इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की गई थी। बुधवार को ब्यूरो की पंचकूला से इंजीनियरिंग शाखा से टीम आई और जगह-जगह नमूने लिए। इनकी जांच के बाद आगामी कार्रवाई होगी। यह शिकायत आरटीआइ कार्यकर्ता अजय सैनी द्वारा की गई थी। नीलम व बड़खल रेलवे पुल की मरम्मत का प्राधिकरण द्वारा एक ही टेंडर चार करोड़ तीन लाख रुपये का छोड़ा गया था। नीलम रेलवे पुल की सड़क, फुटपाथ, रेलिंग, पिलर व डिवाइडर की मरम्मत की गई थी। कुछ महीने बाद पुल के फुटपाथ पर टाइलें उखड़ गई, पुल की दोनों लेन पर कई जगह सड़क टूटने लगी हैं। सड़क पर भी दरारें दिखाई दे रही हैं। लापरवाही की बात यह है कि पुल के ठीक बीचोंबीच जर्जर रेलिंग को तोड़ा नहीं जा सका है। यहां तक कि इसे तोड़ने के लिए रेलवे के पास कोई पत्र भी नहीं लिखा है। यह जर्जर रेलिंग कभी भी गिर सकती है।

अधिकारियों ने यहां डिवाइडर की मजबूती की जांच किए बिना स्ट्रीट लाइटों के खंभे लगाने की योजना तैयार कर ली थी। इतना ही नहीं इसका टेंडर छोड़ दिया, वर्क अलाट भी कर दिया। जब ठेकेदार के कर्मचारी स्ट्रीट लाइट के खंभे लगाने के लिए आए तो देखा कि डिवाइडर पर आधार बनाया ही नहीं जा सकता। क्योंकि नए खंभों के पोल बड़े हैं, डिवाइडर इतना भार सहन ही नहीं कर पाएगा। यदि आंधी आ गई तो पोल गिर भी सकते हैं। वैसे भी पुल करीब 45 साल पुराना हो चुका है। इस कारण यहां नए खंभे लगाने की योजना टल गई थी। ब्यूरो के आने की सूचना कैसे मिल गई अधिकारियों को अजय सैनी ने मरम्मत कार्य में लापरवाही की शिकायत ब्यूरो से की हुई थी। ब्यूरो की ओर से इंजीनियरिंग शाखा से कार्यकारी अभियंता जय सिंह के नेतृत्व में टीम आई लेकिन शायद प्राधिकरण के अधिकारियों को पहले ही पता लग गया था। तीन दिन से पुल के ऊपर टूटे डिवाइडर की मरम्मत चल रही थी। फुटपाथ पर पेंट किया जा रहा था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामला, जमानत के बाद हुई सौम्या चौरसिया और केके श्रीवास्तव की रिहाई

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को रायपुर की विशेष अदालत में 1500 पन्नों का आठवां पूरक चालान प्रस्तुत किया है। इसी के साथ मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपसचिव रही सौम्या चौरसिया और तांत्रिक कृष्ण कुमार (केके) श्रीवास्तव को जमानत के आधार पर रिहाई मिल गई है।

जानकारी के अनुसार, सौम्या चौरसिया को एक महीने पूर्व उच्च न्यायालय से सशर्त जमानत मिली थी। अदालत ने निर्देश दिया था कि संबंधित प्रकरण में चालान पेश किए जाने के दिन उनकी रिहाई सुनिश्चित की जाए। आज पूरक चालान दाखिल होने के बाद उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी की गई।

ईओडब्ल्यू द्वारा प्रस्तुत पूरक चालान में घोटाले से जुड़े दस्तावेज, वित्तीय लेन-देन और विभिन्न आरोपियों की भूमिकाओं का विस्तृत उल्लेख किया गया है। जांच एजेंसी अब तक इस मामले में 51 आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पत्र प्रस्तुत कर चुकी है।

जांच में देवेंद्र डडसेना की भूमिका को अवैध धन के प्रबंधन और लेन देन से जुड़ा बताया गया है। श्वह्लङ्ख के अनुसार, डडसेना ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त राशि को

सुरक्षित रखने और निर्देशानुसार आगे प्रेषित करने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे कथित सिंडिकेट को सहयोग मिला।

जमानत पर रिहा हुए दोनों आरोपियों में से सौम्या चौरसिया पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासकीय पद का दुरुपयोग करते हुए कथित सिंडिकेट को संरक्षण, समन्वय और प्रशासनिक सहायता प्रदान की, जिससे शासन को राजस्व की हानि हुई। वहीं कृष्ण कुमार (केके) श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्होंने अवैध उगाही तंत्र के तहत नकदी के संग्रहण, परिवहन, प्रबंधन और निवेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एजेंसी का दावा है कि दोनों ने अपने प्रभाव का उपयोग कर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया।

कोर्ट में विचाराधीन मामले में पर बोलने से बचे श्रीवस्तव

जेल से रिहा होने के बाद केके श्रीवास्तव ने मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, लेकिन वे किसी दल से जुड़े नहीं हैं। धार्मिक आचरण को लेकर उन्होंने कहा कि पूजा-पाठ करना गलत नहीं है और उन्हें किसी कार्रवाई की चिंता नहीं है।

ईओडब्ल्यू ने स्पष्ट किया है कि मामले में अन्य शासकीय, अशासकीय एवं राजनीतिक व्यक्तियों, साथ ही संबंधित संस्थाओं और कंपनियों की जांच जारी है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे भी पूरक चालान न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे।

यूपी में नक्शा पास कराना होगा महंगा, योगी सरकार लाने जा रही है नई मॉडल नियमावली

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में जिला पंचायतों को सशक्त बनाने और उनकी आय में वृद्धि के मकसद से राज्य सरकार जिला पंचायतों के लिए माडल नियमावली बनाने जा रही है। इसके तहत जिला पंचायतों से नक्शा पास कराना अब महंगा हो जाएगा। साथ ही जिला पंचायतों को टाउनशिप निर्माण करने वाली संस्था से विकास प्राधिकरणों की तर्ज पर विकास शुल्क वसूलने के साथ ही शमन शुल्क वसूलने और संपत्ति को सील कर ध्वस्तीकरण का भी अधिकार होगा। इसी के साथ अनुज्ञा शुल्क भी बढ़ाया जाएगा। विकास शुल्क की दरें भी तय कर दी जाएंगी। जिसे सभी जिला पंचायतों को अपने यहां पास करवा कर कमिश्नर से संस्तुति के बाद लागू करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों पंचायती राज विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में पंचायतों की आय बढ़ाने और उन्हें अधिक सशक्त करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए एक हाईपावर कमेटी बनाई थी। शासन के सूत्रों के अनुसार, समिति ने संस्तुति की है कि नक्शा पास करने के लिए जाने वाला अनुज्ञा शुल्क बढ़ाया जाए। प्रदेश के 75 जिलों को तीन श्रेणी में बांटा गया है। इन शहरों की श्रेणी के मुताबिक 750 रुपये प्रति वर्ग मीटर, 500 रुपये प्रति वर्ग मीटर और 250 रुपये प्रति वर्ग मीटर करने पर सहमति बनी है। इसके अलावा अनुज्ञा शुल्क के रूप में 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के अनुसार तय करने पर सहमति बनी है।

उप्र में 10 अप्रैल को जारी होगी फाइनल वोटर लिस्ट, एसआईआर के बाद तैयारियां पूरी

लखनऊ, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के बाद उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मतदाता सूची को त्रुटिहीन और पारदर्शी बनाने के अभियान के तहत विभाग अब निर्णायक चरण में पहुंच चुका है। 10 अप्रैल को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इससे पहले रिकॉर्ड को दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि प्रदेश की अपडेटेड वोटर लिस्ट 10 अप्रैल 2026 को जारी होगी, जिसे चुनावी तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है। अंतिम प्रकाशन से पहले उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को सभी तैयारियां

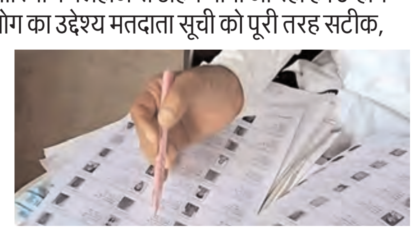

समय पर और पूरी जिम्मेदारी से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए बेहद जरूरी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 1 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानकर चलाया गया। इस दौरान घर-घर सत्यापन, दावे-आपत्तियों का निस्तारण, नोटिस जारी करने और सुनवाई की प्रक्रिया पूरी की गई। ड्राफ्ट सूची जारी होने के बाद लाखों दावे और आपत्तियों का निपटारा कर डाटाबेस को और अधिक सटीक बनाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद इसे आधिकारिक रिकॉर्ड माना जाएगा और भविष्य के सभी संशोधनों का आधार यही बनेगी। सीईओ ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक करें। इस दौरान अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां वितरित की जाएंगी।

नोएडा एयरपोर्ट बनने के बाद धोखाधड़ी के मामले बढ़े, यमुना सिटी में जमीन के नाम पर 400 लोगों से ठगी

नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के निकट यमुना सिटी में भूखंड दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है। देहरादून निवासी व्यक्ति ने खुद से 25 लाख रुपये और करीब 400 लोगों से 40 करोड़ रुपये ठगने का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर फेज-1 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने के बाद जमीन खरीदने के नाम पर ठगी के मामले तेजी से बढ़े हैं।

इंद्रदेव भट्ट ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। सितंबर 2024 में सेक्टर-2 में अर्बनेस्ट नाम की कंपनी की कैनोपी लगी थी। वहां कुछ कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित आवासीय भूखंड बेच रही है। पीड़ित का आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी अनिल कुमार और अन्य लोगों ने उन्हें कंपनी के सेक्टर-2 स्थित कार्यालय में बुलाया। यहां उनकी मुलाकात कंपनी मालिक हुकुम सिंह, सिद्धांत वार्ष्णेय और अन्य कर्मचारियों से कराई गई। आरोप है कि इन लोगों ने यमुना प्राधिकरण से स्वीकृत कराई गई जमीन बताकर फर्जी नक्शे और दस्तावेज दिखाए और फलंदा बांगर क्षेत्र में विकसित भूखंड देने का भरोसा दिया। साथ ही, पीड़ित से 11 अक्तूबर 2024 को 21 हजार 500 रुपये टोकन राशि के रूप में ले लिए। इसके बाद धीरे-धीरे अप्रैल 2025 तक उनसे चेक और करीब 25 लाख रुपये नगद ले लिए। बदले में उन्हें विकसित भूखंड देने का आश्वासन दिया गया था। पीड़ित के

मुताबिक बाद में आरोपियों ने उन्हें फलंदा बांगर गांव के पास एक जमीन दिखाई और अपने साथी भीम सिंह के माध्यम से जमीन का बैनामा भी करा दिया। जब उन्होंने मौके पर विकसित भूखंड देने की मांग की तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। संदेह होने पर पीड़ित ने जमीन की जांच कराई तो पता चला कि वह जमीन आबादी क्षेत्र में नहीं बल्कि नदी क्षेत्र की है। इसके बाद उन्होंने आरोपियों से रुपये वापस मांगे, तो उन्हें गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि इसी गिरोह ने सेक्टर-128 नोएडा निवासी हरजोत सिंह कोहली से करीब 11 लाख रुपये और फरीदाबाद निवासी चतुर्भुज कुशवाहा से करीब छह लाख रुपये ठग लिए। साथ ही, करीब 400 अन्य लोगों से भी भूखंड दिलाने के नाम पर लगभग 40 करोड़ रुपये की रकम वसूली गई। सभी पीड़ित उसके ऑफिस पहुंचे तो वह लोग गायब मिले।

जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास जमीन खरीदने के नाम पर ठगी के मामले तेजी से बढ़े हैं। जालसाज फर्जी कागजात, फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया विज्ञापनों का उपयोग कर सस्ती जमीन का लालच देकर निवेशकों को फंसा रहे हैं। इन ठगों ने अब तक करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है। जेवर के आसपास की ग्राम समाज की भूमि को अवैध रूप से बेचा जा रहा है।

यीडा ने जेवर क्षेत्र में जमीन फर्जीवाड़े पर लगाम के लिए पिछले दिनों 3,695 दाखिल खारिज यानी किसान से खरीदी गई जमीन को सरकारी दस्तावेजों में अपने नाम पर दर्ज कराया है। 18 गांवों की करीब 441 हेक्टेयर जमीन यीडा के नाम पर दर्ज की गई है। इससे जमीन पर बैंक से ऋण या किसी अन्य को बेचने के मामलों पर रोक लगेगी। सेक्टर-63 थाने में तीन वर्ष पूर्व एक व्यक्ति ने एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि 16 लोगों ने मिलकर उन्हें यमुना सिटी में जमीन बेचने का झांसा दिया था। आरोपियों ने फर्जीवाड़ा करके उनसे 24 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर ली थी।

गुरुग्राम के हजारों घर खरीदारों को राहत; हरेरा ने 2024 तक के सभी मामले निपटाए

नया गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (हरेरा) गुरुग्राम ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए साल 2024 तक के सभी लंबित मामलों का निपटारा कर दिया है। इससे घर खरीदारों को राहत मिलने की उम्मीद है और विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज होगी। अधिकारियों के अनुसार 31 मार्च 2025 तक हरेरा गुरुग्राम के पास कुल 2174 मामले लंबित थे। अब इन सभी मामलों को निपटा दिया गया है और फिलहाल केवल वर्ष 2025 और उसके बाद दर्ज मामलों पर ही सुनवाई चल रही है। 2018 के 15 मामले, 2019 के 28, 2020 के 10, 2021 के 74, 2022 के 333, 2023 के 654 और 2024 के सबसे अधिक 1,060 मामले। प्राधिकरण ने पिछले एक साल में लगातार प्रयास कर इस पूरे बैकलाग को खत्म किया। मामलों का निपटारा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और कानून के अनुसार किया गया है। रेरा एक्ट की धारा 18 के तहत योग्य मामलों में घर खरीदारों को रिफंड और देरी से कब्जा का लाभ भी दिया गया। पहले मामलों के निपटारे में काफी समय लग रहा था और एक शिकायत को सुलझाने में करीब 12 से 15 महीने लगते थे। हालांकि अब प्राधिकरण का लक्ष्य इसे घटाकर 6 से 9 महीने करना है। आंकड़ों के अनुसार साल 2025 में ही हरेरा गुरुग्राम ने 5024 शिकायतों का निपटारा किया।

बारिश में नहीं डूबेगी मायानगरी! बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े का सख्त अल्टीमेटम, लापरवाही पर नपेंगे अधिकारी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए बीएमसी ने शहरभर में नालों और मिठी नदी की सफाई का काम तेज कर दिया है। बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जहां-जहां बारिश के दौरान पानी जमा होता है, उन स्थानों को प्राथमिकता देते हुए गाद और कचरा जल्द से जल्द हटाया जाए, अगर इस कार्य में जरा सी भी लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि 31 मई 2026 तक किसी भी स्थिति में नाला सफाई का काम 100 प्रतिशत पूरा होना चाहिए।

अश्विनी भिड़े ने शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा कर चल रहे सफाई कार्यों का मुआयना किया। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त (प्रकल्प) अभिजीत बांगर भी उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने बीकेसी स्थित जेतवन उद्यान के पास मिठी नदी, वरली क्षेत्र के नेहरू विज्ञान केंद्र नाला और दादर-धारावी नाले में चल रहे कामों का निरीक्षण किया।

शुरुआत, प्रगति और समय सीमा की जानकारी: निरीक्षण के दौरान आयुक्त अश्विनी भिड़े ने अधिकारियों से काम की शुरुआती तारीख, काम की प्रगति और पूर्ण होने की समय सीमा की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल नाले की सफाई ही नहीं, बल्कि उसके पूरे जलग्रहण क्षेत्र में जमा कचरे को भी हटाना जरूरी है, ताकि बारिश के समय पानी का बहाव बाधित न हो। मनपा ने बड़े वर्षा जल निकासी पाइपों पर स्थित मैनहोल और ढक्कनों की जांच करने के भी

निर्देश दिए हैं। जहां-जहां जालियां लगाई गई हैं, उनकी स्थिति मजबूत और सुरक्षित बनी रहे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया है। वरली नाका और संत गाडगे महाराज चौक जैसे निचले इलाकों में जलभराव की समस्या को ध्यान में रखते हुए मेट्रो और सड़क विभाग के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। दादर-धारावी नाले में निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि लोगों द्वारा फेका जाने वाला तैरता कचरा बड़ी समस्या बन रहा है। इसके चलते यहां बार-बार सफाई की जरूरत पड़ती है। नाले के कुछ हिस्सों में दीवार क्षतिग्रस्त होने से आसपास के लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया है। स्टैंडिंग कमिटी के सदस्यों ने बीएमसी प्रशासन से सवाल पूछा कि नालों की सफाई में कितनी एडवांस मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

गाजियाबाद के प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों की योग्यता की होगी जांच, गड़बड़ी पर ऐक्शन

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद जिले के सभी प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की योग्यता की जांच की जाएगी। शिक्षा विभाग इसके लिए व्यापक अभियान चलाएगा। जांच के दौरान सभी शिक्षकों के नाम, योग्यता और चयन आदि जरूरी जानकारी जुटा कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे शासन को भेजा जाएगा। कई स्कूलों में महंगी फीस लेकर कम प्रशिक्षित शिक्षक रखने की शिकायतों पर शासन ने यह आदेश दिए हैं।

गाजियाबाद जिले में दो हजार से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों का संचालन हो रहे हैं। इनमें पढ़ाने वाले शिक्षकों के पास एनसीटीई के मानकों के मुताबिक योग्यता होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। आरोप है कि कई निजी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति में निर्धारित मानकों की खुले

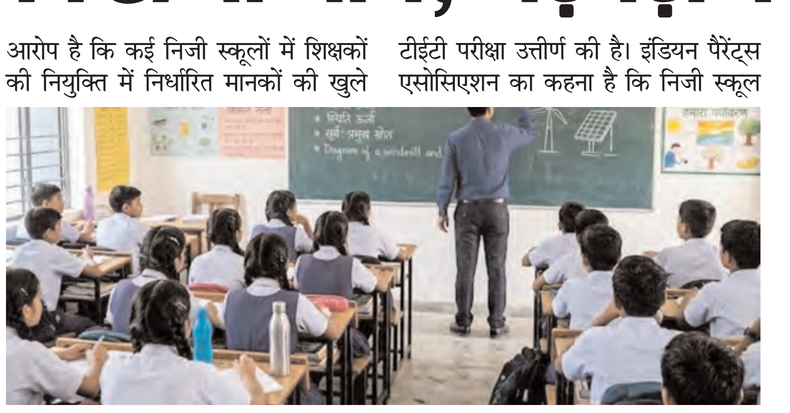

तौर पर अनदेखी की जा रही है। जिले में कई निजी विद्यालयों में ऐसे शिक्षक पढ़ा रहे हैं जिनके पास न तो डीएलएड है, न बीएड की डिग्री है और न ही उन्होंने सीटीईटी या टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण की है। इंडियन पैरेंट्स एसोसिएशन का कहना है कि निजी स्कूल फीस तो मोटी वसूलते हैं, लेकिन शिक्षक बिना किसी प्रशिक्षित डिग्री के रख लेते हैं, क्योंकि उन्हें कम वेतन देना पड़ता है। जबकि निर्धारित मानकों के मुताबिक शिक्षकों के पास जरूरी व्यावसायिक योग्यता होना अनिवार्य है। अब शासन के निर्देशानुसार जिला माध्यमिक शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की जांच करने की तैयारी कर ली है।

वहीं, इंडियन पैरेंट्स एसोसिएशन का कहना है कि लाखों की फीस वसूलने पर भी योग्य शिक्षक नहीं रखने वाले स्कूलों पर कार्रवाई होनी चाहिए। अयोग्य शिक्षक बच्चों को सही तरीके से न पढ़ाकर भविष्य खराब कर सकता है। जिला गाजियाबाद में दो हजार 700 से अधिक स्कूलों का संचालन हो रहा है। इसमें करीब 1700 निजी स्कूल शामिल हैं, जहां लाखों की तादाद में छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इन सभी स्कूलों में जो भी शिक्षक पढ़ा रहे हैं।

निवेशकों को आकर्षित कर रहा नोएडा एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी, युवाओं के लिए बढ़ रहे रोजगार के अवसर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों के लिए गौतमबुद्ध नगर हब बनकर उभर रहा है। देश के 50 प्रतिशत मोबाइल फोन गौतमबुद्ध नगर में बनाए जा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में निवेश के लिए नई कंपनियां यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में कदम रखने को तैयार हैं। प्राधिकरण भी इन कंपनियों के जरिए निवेश और रोजगार जुटाने के लिए निमंत्रण दे रहा है। इंडिया एक्सपो मार्ट में बुधवार से शुरू हुई। इलेक्ट्रॉनिका एंड प्रोडक्ट्रॉनिका इंडिया- 2026 यमुना प्राधिकरण के लिए निवेश की दृष्टि से नई संभावनाएं लेकर आया है। इसलिए प्राधिकरण के अधिकारियों ने इस अवसर का फायदा उठाने के लिए कंपनियों से संपर्क किया है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, मेडिकल डिवाइस पार्क, सेमीकंडक्टर चिप फैक्ट्री के अलावा डाटा पार्क आदि का निर्माण हो रहा है। करीब 7500 करोड़ के साथ वो यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्थापित हो चुकी है इलेक्ट्रॉनिक उद्योग यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में हजारों लोगों को रोजगार देगा ।प्राधिकरण इस उद्योग को और विस्तार देने के लिए जुटा है। इलेक्ट्रानिका एंड प्रोडक्ट्रॉनिका इंडिया में शिरकत कर रही कंपनी भी यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश को लेकर उत्साहित है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जरिए विदेशी बाजार तक अपने उत्पाद की पहुंच और देश के भीतर एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी उन्हें यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश के लिए आकर्षित कर रही है। प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया का कहना है इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ निवेश को लेकर हुई है। इस वार्ता से आने वाले समय में उत्साह जनक परिणाम सामने आ सकते हैं। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में जमीन की उपलब्धता, कनेक्टिविटी और अन्य संसाधन

विचार-मंथन

संपादकीय

महिला आरक्षण से बदलेगा भारतीय लोकतंत्र का चेहरा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीति में कम हिस्सेदारी को सुधारने का प्रयास है। आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5 प्रतिशत थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए।आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिधिनित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14 प्रतिशत महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है – महज 10 प्रतिशत महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण – राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए। जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

(ललित गर्ग)

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसआईआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

युद्ध की आग में झुलसती रसोई, जमाखोरी और महंगाई की दोहरी मार

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से उपजा संकट अब गहराने लगा है। युद्ध 39वें दिन में पहुँच गया है। पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है।सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों को घरों में ईंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने और ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने को भी कहा गया है।गौरतलब है कि ईरान तथा इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के करीब एक माह बाद कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बंद किया है, उसके बाद भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। ईंधन की कमी से उपजा वैश्विक संकट अब जिस स्तर पर बढ़ता जा रहा है, उसका भारत पर भी गहरा असर देखने को मिल रहा है, क्योंकि वह कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर अधिक निर्भर है।ऐसे में अगर युद्ध लंबा खिंचा तो आने वाले दिनों में किस तरह की परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सफलता के नित-नए आयाम स्थापित करती 'भाजपा'

(दीपक कुमार त्यागी)

बहुत सारे लोगों का मानना है कि देश में आम लोगों को मोदी राज में विकास कार्यों का बड़ा सकारात्मक परिवर्तन धरातल पर नज़र आने लगा है। देश के विश्वस्तरीय नव निर्माण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत तेज़ी से कार्य चल रहे हैं। मोदी सरकार एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है।भारत को एक समर्थ शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ राष्ट्र को प्रथम मानने का दावा करने वाले राजनेताओं के एक समूह ने वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठन किया था। भाजपा का गठन नई दिल्ली के कोटला मैदान में 6 अप्रैल 1980 को आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में तत्कालीन दिग्गज नेताओं की उपस्थिति किया गया था। उस वक्त भाजपा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए थे, जो बाद में देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे थे। भाजपा नेतृत्व व कार्यकर्ताओं ने सनातन धर्म संस्कृति परंपराओं को अपनाते हुए, अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं लोकहित के विषयों पर कांग्रेस के प्रति मुखर रहते हुए उसको जनता की अदालत में घेरकर के भारतीय लोकतंत्र में अपनी एक अलग ही विशिष्ट पहचान बनाते हुए सशक्त भागीदारी दर्ज करते हुए देश की राजनीति को नए आयाम देने का कार्य किया है। जनता पार्टी की गठबंधन वाली सरकार के दौर के बाद से ही भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी आदि ने दिन-रात मेहनत करके भाजपा को अपने पैरों पर खड़ा होने लायक़ बनाया और भाजपा ने अपना पहला लोकसभा चुनाव वर्ष 1984 में लड़ा था, जिसमें उसने 2 सीटों पर जीती हासिल करके भाजपा ने खाता खोला था। उसके बाद भाजपा के नेता लालकृष्ण आडवाणी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया, जिसके चलते उस वक्त भाजपा की देश के कई राज्यों में सरकार बनी और भाजपा को कल्याण सिंह जैसा फॉयर ब्रांड राजनेता मिला था। शीर्ष नेतृत्व व कार्यकर्ताओं की वर्षों की मेहनत के दम पर ही वर्ष 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी को गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिला था। जिसके बाद भाजपा ने अपनी जड़ें देश के अधिकांश हिस्सों में जमाने के लिए कार्य तेज़ी से करना शुरू किया था। अटल युग के बाद 10 वर्ष तक केन्द्र में विपक्ष में बैठने के लंबे वनवास के बाद वर्ष 2014 में प्रचंड बहुमत के साथ नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। भाजपा में यह नरेन्द्र मोदी व अमित शाह के युग जबरदस्त ढंग से प्रारंभ था। मोदी-शाह के इस दौर में भाजपा ने राजनीति के नित-नए कीर्तिमान स्थापित किए, अपने लोकप्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में लगभग 11 करोड़ सदस्य बनाकर के विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनने का खिताब हासिल किया। वहीं मोदी-शाह की इस जोड़ी ने आज भी अपनी चाणक्य नीति व देश में विकास पर आधारित राजनीति की मजबूत नींव रखकर विपक्षी दलों की नींद उड़ानें का काम कर रखा है। आज देश में देश में दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, नगालैंड, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, बिहार और आंध्र प्रदेश में भाजपा या एनडीए सरकार हैं। देशभर में भारतीय जनता पार्टी के पास लगभग सर्वाधिक 1654 विधायक हो गए हैं। भाजपा के पास लगभग 240 लोकसभा सांसद हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6057

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6056

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

वर्ग पहेली 6057

संकेतः बाएं से दाएं
1. 18 अगस्त 1949 को इस देश ने संविधन अंगीकार किया (3)
4. लोहे को सोना बनाने वाा एक कल्पित पत्थर (3)
6. भारत की राजनीतिक पार्टी जिसे 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतिश कुमार ने मिलकर बनाई थी (5)
8. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
10. कदम, डग, नई साड़ी के किनारे पर लगाने वाला कपड़ा (2)
11. जल देने वाला, नीरद, मेघ (3)
13. डकैती, लूट (4)
14. अभियोग, याचिका (4)
17. सूजी, कण (2)
18. मनोयोग से लगा हुआ, मशगूल, व्यस्त (2)
19. बेफिक्रा, निश्चित (2)
21. सिलवट, ऐंठ, मरोड़, शक्ति (2)
23. तनने वाला (5)
25. इस द्वीप समूह में मूंगे के लगभग 1200 छोटे-छोटे द्वीप है जिसकी राजधानी माले है (4)

ऊपर से नीचे
1. बत्तख की तरह का एक जल पक्षी जो प्रायः बड़ी-बड़ी झीलों में रहता है (2)
2. दुख, शोक, रंज, चिंता (2)
3. भारत की पहली महिला जो विश्व सुंदरी बनी (1966)(5)
4. पक्ष, राजनीतिक दल, गुट, समूह (2)
5. प्रश्न-उत्तर, जिरह (6)
7. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला लंबा-चौड़ा कपड़ा, पालने वाला (2)
9. देय वस्तु, देने योग्य, दातव्य (3)
11. विष, गरल, हलाहल (3)
12. घृणा, घिन्न (4)
15. रिक्त होना, खाली होना (3)
16. हिंसक, फाड़ खाने वाला जंतु (3)
20. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
22. सटापन, अटैचमेंट, लगे होने का भाव (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)
24. अन्य पुरूष, वो (2)

वर्ग पहेली 6056 का हल

पा	मी	र			ग	या	ना
क	ल	मी		मि		द	म
शा			स	ला	मी		
ला	ला	ला	ज	प	त	रा	य
	वा	र	ना			त	म
वा	रि		ध	र	ती		दू
	स	ह	ज		ज	ग	त
		म	ना	व	न		

आज का राशिफल

मेष
आज धन और समृद्धि की खुशबू आपके चारों ओर फैली रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी और दिल को सुकून मिलेगा। अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का समय है। खान-पान में थोड़ा संयम रखें, वरना सेहत साथ छोड़ सकती है। घर में किसी नए मेहमान की एंट्री माहौल को खुशियों से भर देगी, लेकिन कामों की अधिकता आपको थोड़ा परेशान कर सकती है।

वृष
आज आपके लिए जमीन-जायदाद से जुड़ी खुशखबरी का दिन है, जैसे किस्मत खुद आपके लिए नया दरवाजा खोल रही हो। नया घर, दुकान या मकान लेने का विचार मन में मजबूत होगा और पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक बनेगी। हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। परिवार में अगर पहले से मनमुटाव चल रहा था।

कर्क
आज विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी का दिन हो सकता है, जैसे मेहनत का मीठा फल मिलने वाला हो। अगर आपने किसी परीक्षा में भाग लिया था, तो परिणाम आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। बिजनेस में पार्टनरशिप कर रखी है तो आज आंखें खुली रखें, क्योंकि सतर्कता ही सुरक्षा है। वाहन से जुड़ी कोई परेशानी जेब ढीली कर सकती है।

सिंह
आज आपका मन भक्ति और श्रद्धा में डूबा रहेगा, जैसे आत्मा को सच्चा सुकून मिल रहा हो। लेकिन वैवाहिक जीवन में कुछ उलझनें आपके मन को विचलित कर सकती हैं। पिताजी के साथ किसी बात पर टकराव होने की संभावना है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। काम के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है। दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपको हल्का महसूस कराएगा।

मिथुन
आज अगर मन में किसी काम को लेकर जरा सा भी संशय है, तो कदम पीछे खींच लेना ही समझदारी होगी। माताजी से मिली जिम्मेदारी आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका देगी। भाई-बहनों का साथ आपको मजबूती देगा। संतान की पढ़ाई को लेकर आप गंभीर रहेंगे और उनके शिक्षकों से बातचीत करेंगे।

कन्या
आज हर कदम सोच-समझकर रखने का दिन है, क्योंकि जल्दबाजी गड़बड़ी कर सकती है। संतान का व्यवहार आपको थोड़ा परेशान कर सकता है, लेकिन धैर्य से काम लें। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। विद्यार्थियों के अंदर कुछ नया करने की चाह जागेगी।

तुला
आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको उसका पूरा फल मिलेगा। आसपास के लोगों से मिली सलाह आपके लिए सोने पर सुहागा साबित होगी। परिवार में किसी बुजुर्ग की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। घर में कोई धार्मिक आयोजन करने का विचार आपको सुकून देगा। संतान से किया हुआ वादा निभाने की कोशिश आपको उनके और करीब ले आएगी।

वृश्चिक
आज मन थोड़ा उलझा-उलझा सा रहेगा और कामों में भी रुकावटें आ सकती हैं, जिससे धैर्य की परीक्षा होगी। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का खास ध्यान रखें। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरकर आपको गर्व महसूस कराएगी। कोई पुराना लेन-देन फिर से सिर उठा सकता है और तनाव बढ़ा सकता है। परिवार में विवाह से जुड़ी अड़चनें दूर होने से खुशियों का माहौल बनेगा।

मकर
आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास से हर स्थिति को संभाल लेंगे। पुराने मित्र की यादें मन को भावुक कर सकती हैं। बिजनेस में हल्की हलचल रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आपको आगे बढ़ाएगी। किसी विरोधी की बात दिल को चोट पहुंचा सकती है। संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए काम पूरे करेगा।

कुंभ
आज का दिन सामान्य होते हुए भी आपको व्यस्त बनाए रखेगा। एक साथ कई काम आने से ध्यान भटक सकता है, इसलिए एक-एक करके काम निपटाना बेहतर रहेगा। दूसरों के मामलों में बोलने से बचें, वरना परेशानी बढ़ सकती है। लापरवाही से छोटे काम भी बड़े बन सकते हैं। किसी सहयोगी की बात दिल को लग सकती है। पिताजी की सेहत पर ध्यान देने की जरूरत होगी। लेन-देन में सावधानी ही सुरक्षा है।

धनु
आज आपके लिए नए काम की शुरुआत का सुनहरा मौका है, जैसे किस्मत आपके साथ कदम मिलाकर चल रही हो। आपकी मेहनत का फल आपको भरपूर मिलेगा और भाई-बहनों का साथ आपके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा। कुछ विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप सतर्क रहेंगे। ईर्ष्यालु लोगों से दूरी बनाकर रखें।

मीन
आज किस्मत आपका साथ देने को तैयार है और बिजनेस में आपकी योजनाएं शानदार परिणाम देंगी। नौकरी बदलने का सोच रहे लोगों को खुशखबरी मिल सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की दस्तक दिल को खुश कर देगी। पिताजी की किसी बात से मन आहत हो सकता है, लेकिन समय के साथ सब ठीक होगा। धन से जुड़े मामलों में खुद पर भरोसा रखें और दूसरों पर निर्भर रहने से बचें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

आईपीएल 2026 के बीच अफगानिस्तान को बड़ा झटका

दिग्गज स्पिनर भारत टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान के भारत के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट से बाहर रहने की संभावना ने अफगानिस्तान टीम को बड़ा झटका दिया है। जून में खेले जाने वाले इस मुकाबले से पहले राशिद ने खुद साफ संकेत दे दिए हैं कि वह इस मैच में शायद हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

डॉक्टर की सलाह बनी बड़ी वजह – राशिद खान ने खुलासा किया कि उनकी पीठ की चोट (बैक इंजरी) को लेकर डॉक्टर ने उन्हें साफ तौर पर रेड-बॉल क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है। लगातार लंबे स्पेल फेंकने से उनकी चोट बढ़ सकती है, जिससे उनके करियर पर भी असर पड़ सकता है।

राशिद खान का बड़ा बयान – राशिद ने अपने फैसले पर खुलकर कहा, रेड-बॉल क्रिकेट मेरे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि डॉक्टर ने साफ कहा है कि इससे दूर रहो। मैंने पहले भी खेला, लेकिन सर्जरी के बाद जब मैंने 67 ओवर डाले तो डॉक्टर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि अगर लंबा करियर चाहिए तो इस फॉर्मेट से दूरी बनानी होगी।

टेस्ट क्रिकेट में सीमित भागीदारी – अफगानिस्तान के टेस्ट खेलने वाला देश बनने के बाद से राशिद ने इस फॉर्मेट में बहुत कम मैच खेले हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वह साल में एक टेस्ट तक ही खुद को सीमित रख सकते हैं, क्योंकि लगातार लंबे स्पेल उनके शरीर पर ज्यादा दबाव डालते हैं।

आखिरी गेंद की हार के बाद टूटे मिलर, डीसी कोच ने गले लगाकर बढ़ाया हौसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। देहली केपीटल्स को गुजरात टाइंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हार का सामना करना पड़ा। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली 209/8 तक ही पहुंच सकी और आखिरी गेंद पर मैच हाथ से निकल गया।

मिलर की पारी गई बेकार

डेविड मिलर ने 20 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। हालांकि, आखिरी ओवर में लिया गया एक फैसला और रन आउट ने उनकी शानदार पारी पर पानी फेर दिया।

कोच ने बढ़ाया हौसला, वीडियो वायरल – मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें मिलर अकेले बैठे नजर आए और हार से काफी निराश दिखे। इसी दौरान टीम के कोच हेमांग बदांगी उनके पास पहुंचे और उन्हें सांत्वना देते नजर आए। यह भावुक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

गावस्कर ने किया मिलर का समर्थन

भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने मिलर के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, उन्होंने खुद पर भरोसा दिखाया, लेकिन शायद उन्हें कुलदीप यादव को स्ट्राइक देनी चाहिए थी। हालांकि जिस आत्मविश्वास से वह खेल रहे थे, उसे देखते हुए उन्हें पूरी तरह गलत नहीं कहा जा सकता।

राहुल की पारी भी नहीं आई काम

केएल राहुल ने 52 गेंदों में शानदार 92 रन बनाकर दिल्ली को मजबूत शुरुआत दिलाई। बावजूद इसके, मिडिल ऑर्डर के लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई और अंत में जीत से चूक गई।

किंग कोहली से तुलना पर भड़के बाबर आजम, बोली ये बड़ी बात

पेशावर (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें वो पत्रकार से कोहली से तुलना करने से रोक रहे है और साथ में ये भी कह रहे हैं कि मैं ने भी बहुत से मैच फिनिश किए हैं। दरअसल बाबर आजम की ये वीडियो पीएसएल 2026 के मैच (हैदराबाद किंग्समेन बनाम पेशावर जालमी) के बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. उस मैच में जालमी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और हैदराबाद किंग्समेन को 145 के मामूली टोटल पर रोक दिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए, बाबर ने 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर पारी को संभाला, लेकिन मैच फिनिश करने से पहले ही आउट हो गए. उसके बाद बाबर की टीम ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की।

विराट से तुलना पर भड़के बाबर

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने बाबर से उनकी फिनिशिंग काबिलियत को लेकर हो रही चर्चा के बारे में पूछा, और उनकी तुलना भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से की। पत्रकार ने पूछा, आपसे बहुत उम्मीदें हैं, आप इनिंग को आगे बढ़ाते हैं लेकिन गेम फिनिश नहीं करते. आपकी तुलना अक्सर विराट कोहली से की जाती है, क्या आपको लगता है कि यह तुलना सही है? हालांकि, बाबर ने सवाल को बीच में ही रोकते हुए तुलना को तुरंत बंद कर दिया. बाबर ने कहा, खत्म कर दें आप, जिस वजह से आप सवाल कर रहे हैं।

पेशावर जालमी का प्रदर्शन

पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन में बाबर आजम की टीम पेशावर जालमी ने अब तक शानदार खेल का प्रदर्शन किया है. तीन मैच में दो जीत और एक मैच रद्द होने से वो 5 अंको के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर हैं. जबकि मुल्तान सुल्तान पांच मैच के बाद 8 अंको के साथ पहले स्थान पर है, वहीं कराची किंग और इस्लामाबाद यूनाइटेड दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको (एजेंसी)। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोट सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे – उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए।

यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में। जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोर्ट स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

लक्ष्य के बाद सिंधु भी टूर्नामेंट से हुई बाहर

भारत को लगा बड़ा झटका

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो स्टार शटलर 'लक्ष्य सेन' और 'पीवी सिंधु' का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में सफर खत्म हो गया. चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट सेंटर में खेली जा रही चैंपियनशिप में आज (गुरुवार, 9 अप्रैल) राउंड ऑफ 16 में सिंधू को वर्ल्ड की नंबर दो वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा. वांग झी ने सिंधु को सीधे गेम में 21-18, 21-8 से हरा दिया, जिससे टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म हो गया।

सिंधु ने पहले गेम में कड़ा मुकाबला किया. जिसकी वजह से वो 18 पॉइंट तक बराबरी पर रहीं लेकिन उसके बाद वो कुछ रैलियों को अपने पक्ष में नहीं कर पाईं.

जिससे उन्हें पहला गेम 18-21 से हारना पड़ा. लेकिन, दूसरे गेम में वांग पूरी तरह से अपना दबदबा बनाई रखीं, सिंधु को आगे ही नहीं निकलने दी. जिसकी वजह से वो दूसरे गेम को भी बड़े अंतर 21-8 से अपने नाम करने में सफल रहीं।

लक्ष्य सेन पहले दौर में ही हारे

सिंधू के बाहर होने से सिंगल्स मुकाबलों में भारत के लिए चैंपियनशिप में मुश्किलें और बढ़ गई हैं. इससे पहले टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. लक्ष्य, जो ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे थे, 41 मिनट चले मुकाबले में 12-21, 19-21 से हार गए।

दूसरे शटलरों से भारत को उम्मीद

दोनों स्टार शटलर के जल्दी बाहर हो जाने से सिंगल्स कैटेगरी में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है. हालांकि, भारत का प्रतिनिधित्व अभी भी दूसरी कैटेगरी में राउंड ऑफ 16 में बना हुआ है। मेंस सिंगल्स में एच.एस. प्रणॉय का मुकाबला वेंग होंग यांग से होगा, जबकि मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी का सामना चेन तांग जी और तोह ई वेई से होगा। विमेंस डबल्स में, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला आज बाद में यूकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से होगा, वहीं वुमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी

बेंगलुरु और राजस्थान के मुकाबले में शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजरें

गुवाहाटी (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरूआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

'द मास्टर्स' गोल्फ, 92 साल पुराने टूर्नामेंट में रोचक परंपराएं

मोबाइल बैन इसलिए फील्ड पर लैंडलाइन, विजेता तय करता है डिनर का मेन्यू

ऑगस्टा (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में 'द मास्टर्स' का स्थान चारों मेजर टूर्नामेंट में सबसे ऊपर माना जाता है। इस साल प्रतिष्ठित मेजर चैम्पियन?शिप का 90वां संस्करण खेला जा रहा है। ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब के हरे-भरे और शानदार मैदानों पर यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि परंपराओं और इतिहास का महाकुंभ है। मास्टर्स टूर्नामेंट की स्थापना वर्ष 1934 में गोल्फ के दिग्गज एमेच्योर चैम्पियन बॉबी जोन्स और निवेश बैंकर क्लिफर्ड रॉबर्ट्स ने की थी। मैदान के इतिहास (एक पूर्व नर्सरी) का सम्मान करते हुए, कोर्स के हर होल का नाम किसी न किसी पेड़ या झाड़ी के नाम पर रखा गया है। मास्टर्स की सबसे बड़ी पहचान 'ग्रीन जैकेट' की शुरुआत 1937 में हुई थी। शुरुआत में इसे क्लब के सदस्यों के लिए पेश किया गया था ताकि वे अलग दिख सकें, लेकिन बाद में इसे विजेताओं को दिया जाने लगा।

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक, सिर्फ 5 एक्स्ट्रा प्लेयर्स ही रहेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के दौरान बीसीसीआई ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं।

एक टीम में करीब 25 प्लेयर्स होते हैं – आमतौर पर आईपीएल टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है।

नया नियम क्यों लाया गया

बीसीसीआई ने आधिकारिक वजह साफ नहीं की। टीम मैनेजमेंट और एक्सपर्ट्स इसे तीन कारणों से जोड़ रहे हैं–

- मैच की स्पीड बढ़ाना- बार-बार ड्रिंक्स/मैसेज देने से खेल धीमा हो रहा था।
- अनफेयर एडवांटेज रोकना- बाहर बैठे खिलाड़ी लगातार कोचिंग/रणनीति पहुंचा रहे थे।
- सिक्योरिटी और कंट्रोल- बाउंड्री लाइन के पास भीड़ कम कर बेहतर मॉनिटरिंग।

आईपीएल में पहले भी हुए ऐसे बदलाव

आईपीएल में पहले भी ऐसे बदलाव हुए हैं। छोटे नियम बदलाव बड़े असर डाल चुके हैं। इसमें 2023 में लाया गया इम्पैक्ट प्लेयर रूल, कप्तानों पर स्लो ओवर पेनल्टी, नो-बॉल और वाइड पर डीआरएस शामिल हैं।

एक रन से मैच जीतने के बाद शुभमन को मिली बड़ी सजा

गिल पर 12 लाख का लगा जुर्माना

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करना गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर भारी पड़ गया. मैच के बाद उनपर स्लो ओव रेट की वजह से 12 लाख का जुर्माना ठोक दिया गया।

आईपीएल ने एक बयान जारी करके कहा, गुजरात टाइटन्स (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 14वें मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी।

बयान में आगे कहा गया, चूंकि आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था. जिसकी वजह से गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इससे पहले, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर आईपीएल 2026 में धीमी ओवर-रेट के लिए दो बार जुर्माना लगाया जा चुका है. पहले 12 लाख और दूसरी बार 24 लाख का जुर्माना लगा। गुजरात ने दिल्ली के सामने जीत के लिए 210 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. जिसमें गिल, जोस बटलर और वॉशिंगटन सुंदर की तिकड़ी ने अर्धशतक लगा. जावब में दिल्ली की टीम 209 रन ही बना सकी. जिसमें केएल राहुल 92 रन बनाकर गलत समय पर आउट हो गए, जबकि मिलर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

दिल्ली मैच जीतने के बहुत करीब था. उनको आखिरी दो गेंदों पर दो रनों की जरूरत थी, लेकिन आखिरी गेंद पर कुलदीप यादव के रन-आउट होने से मुकाबला तञ्ज के पक्ष में चला गया.गेंदबाजी में, राशिद खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च करके 3 अहम विकेट लिए. जिसमें समीर रिजवी का भी विकेट शामिल है।

इस शानदार प्रदर्शन की वजह से राशिद खान को प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. इस जीत के साथ गुजरात ने अंक तालिका में अपना खाता खोला और वो अब तीन मैच के बाद छठे नंबर पर पहुंच गए हैं।

दो गेंद पर दो रन नहीं बना सकी दिल्ली

दिल्ली को जीत के लिए आखिरी ओवर में 13 रनों की जरूरत थी. शुरू की 4 गेंदों पर ही मिलर ने एक छक्का, एक चौका और एक सिंगल लेकर 11 रन बना लिए थे. जहां से ये लगने लगा था की ये मैच दिल्ली अब नहीं हार सकती, आखिरी दो गेदों पर दो रनों की ही जरूरत थी, लेकिन पांचवी गेंद पर डेविड मिलर का कुलदीप यादव को सिंगल लेने से रोकना टीम पर भारी पड़ गया क्योंकि वो फिर आखिरी गेंद पर वो दो रन नहीं बना सके. प्रसिद्ध कृष्णा की स्लोवर बाउंसर को मिलर ने मिस कर दिया, बाकी का काम विकेट के पीछे से जोस बटलर ने कर दिया. जिससे वो एक रन भी नहीं बना पाए, और दिल्ली 210 रनों के विशाल लक्ष्य से एक रन पीछे रह गई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

कासमा बालिका विद्यालय में 18वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज प्रखंड के कासमा स्थित माँ द्रौपदी देवी सर्वांगीण विकास बालिका उच्च विद्यालय में बुधवार को 18वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रशांत मणि, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि बुलबुल सिंह, पंचायत समिति प्रतिनिधि मो. अरमान, राजीव कुमार सिंह, सेवानिवृत शिक्षक आगानुर अली तथा पूर्व जिला पार्षद दीनानाथ विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सुचित मिश्रा, प्रधानाध्यापिका स्नेहलता तथा प्रबंधन समिति सदस्य प्रवेश मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुई, जिसे वर्षा कुमारी, जानवी, मानवी, सिया और पायल ने प्रस्तुत किया। इसके बाद छात्रों द्वारा नशामुक्ति पर आधारित नाटक ने सामाजिक संदेश दिया। पायल कुमारी और प्रियांशु कुमारी ने बिहार की लोक परंपरा को दर्शाते हुए झिझिया नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। नारी सशक्तिकरण पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों में सिया, वर्षा, पायल, साहिना, अलका, जानवी और श्रुति ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं 'बेटी हूँ मैं बेटी' गीत पर आकृति, रिया और डिंपल की प्रस्तुति ने सभी को भावुक कर दिया। छात्रों ने मोबाइल एडिक्शन पर आधारित नृत्य के माध्यम से भी समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यालय के निदेशक सुचित मिश्रा ने मेडल और ट्रॉफी देकर मेधावी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। मैट्रिक परीक्षा में सफल सानिया प्रवीण, सुखसार प्रवीण, अंशु मिश्रा, साक्षी मिश्रा, अंजुम प्रवीण और आलिया नाज को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों को भी अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

ओवरलोड हाईवा पर कार्रवाई, काटा गया चालान

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नरारीकला खुर्द थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ओवरलोड राख लदे एक हाईवा वाहन को पकड़ा है। जांच के दौरान वाहन में निर्धारित सीमा से अधिक भार पाया गया, जिसके बाद संबंधित वाहन का चालान जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) के माध्यम से कराया गया। पुलिस द्वारा यह कार्रवाई विशेष छापेमारी अभियान के तहत की गई, जिसका उद्देश्य अवैध खनन पर रोक लगाने के साथ-साथ सड़कों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ओवरलोडिंग के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है और सड़कों को भी नुकसान पहुंचता है, जिसे देखते हुए प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि कानून-व्यवस्था और सड़क सुरक्षा दोनों को मजबूत किया जा सके।

औरंगाबाद में भीषण सड़क हादसा

डंपर की चपेट में आई महिला की मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल

• ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

जिले के देव थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना चांदपुर मध्य विद्यालय के समीप की बताई जा रही है, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मृतका की पहचान ढिबरा थाना क्षेत्र के चोरिया गांव निवासी नूरजहां के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नूरजहां अपने पुत्र मोहम्मद बरकत के साथ बाइक से गैस सिलेंडर लेने के लिए देव स्थित एजेंसी जा रही थीं। इसी दौरान चांदपुर के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मां-बेटा सड़क पर जा गिरे। हादसे में नूरजहां डंपर के नीचे आ गईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, उनका पुत्र बरकत गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच चालक मौके का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही देव थाना के थानाध्यक्ष कुमार सौरभ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डंपर को जब्त कर लिया है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, जहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं घायल बरकत को देव के स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। थानाध्यक्ष कुमार सौरभ ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत वाटर पार्क के पास मिला शव

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

जिले के बारुण थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। अर्द्धनिर्मित वाटर पार्क के समीप पानी में उसका शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान नवादा गांव निवासी रमाशंकर सिंह के पुत्र बबन कुमार (40) के रूप में हुई है, जो पेशे से सेटरिंग ठेकेदार था। घटना टेंगरा गांव के पास की बताई जा रही है। परिजन महेंद्र कुमार के अनुसार, बबन कुमार बुधवार सुबह रोज की तरह काम पर निकले थे। वह सामान्यतः रात 9 बजे तक घर लौट आते थे, लेकिन शाम करीब 6 बजे से उनका मोबाइल बंद हो गया। शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य समझा, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटने पर चिंता बढ़ गई और उनकी तलाश शुरू की गई। खोजबीन के दौरान जानकारी मिली कि किसी व्यक्ति ने उन्हें अर्द्धनिर्मित वाटर पार्क के पास देखा था। परिजन तत्काल वहां पहुंचे और आसपास तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद उनका शव पानी में औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसमें उनका आधा सिर और नाक पानी में डूबा हुआ था। परिजन उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को देर रात करीब 1 बजे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया। इस दौरान परिजनों ने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सुबह 8 बजे तक पोस्टमार्टम नहीं किया गया, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार सिंह के हस्तक्षेप के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कराई गई। वहीं, बारुण थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

गजना धाम में जिला स्तरीय पेंटिंग व रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, प्रतिभागियों का शानदार प्रदर्शन

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन, औरंगाबाद के संयुक्त तत्वावधान में नवीनगर प्रखंड स्थित गजना धाम मंदिर परिसर में जिला स्तरीय पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। गजना महोत्सव के उद्घाटन समारोह के उपरांत प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, जिला नजारत उप समाहर्ता रितेश कुमार यादव तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा) अमृतेश आर्यन तथा सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं और कला एवं संस्कृति के संरक्षण तथा संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रतियोगिता में विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्वतंत्र प्रतिभागियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने पेंटिंग एवं रंगोली के माध्यम से सामाजिक सरोकार, पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तिकरण, स्वच्छता, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे पूरा परिसर रंग-बिरंगी कलाकृतियों से जीवंत हो उठा और उपस्थित दर्शकों ने इन रचनाओं की सराहना की। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु विशेषज्ञ निर्णायक मंडल का गठन किया गया, जिसमें कला क्षेत्र के अनुभवी शिक्षकों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनकी रचनात्मकता, विषय-वस्तु की प्रस्तुति, तकनीकी दक्षता एवं सौंदर्यबोध के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता को जूनियर और सीनियर दो वर्गों में विभाजित किया गया था, जिसमें कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं को जूनियर तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सीनियर वर्ग में शामिल किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता का विषय "बिहार में विकास के बढ़ते कदम" निर्धारित किया गया था।

औरंगाबाद में गैस आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त, रोजाना 6600 से अधिक सिलेंडर की हो रही डिलीवरी, निगरानी तेज

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा के बाद प्रशासन ने स्थिति को पूरी तरह सामान्य और संतोषजनक बताया है। गुरुवार को हुई समीक्षा में सामने आया कि विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप नियमित रूप से गैस की आपूर्ति की जा रही है और लंबित बुकिंग का भी तेजी से निष्पादन किया जा रहा है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, औरंगाबाद जिले में कुल 37 गैस एजेंसियों के जरिए प्रतिदिन औसतन 6785 सिलेंडर की मांग के विरुद्ध लगभग 6676 सिलेंडरों की डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही जिले में पेट्रोल और डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने सभी गैस एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए, लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन किया जाए तथा वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में कृत्रिम कमी उत्पन्न नहीं होने दी जाए। प्रशासन ने संबंधित प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में गैस वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को देने का निर्देश दिया है। वहीं, 9 अप्रैल 2026 तक जिले में कुल 128 नए पीएनजी कनेक्शन भी लगाए जा चुके हैं, जिससे स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है। आम लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाष संख्या: 06186-295027) सक्रिय रखा गया है।

बुद्धिजीवी चेतना मंच की बैठक, अजय कुमार श्रीवास्तव बने जिलाध्यक्ष

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

जिले के नागा बिगहा में बुद्धिजीवी चेतना मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता अजय कुमार श्रीवास्तव ने की। बैठक में समाज, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा मंच के विस्तार और कार्ययोजना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंच का संचालन कर रहे संतोष कुमार सिंह ने बताया कि बुद्धिजीवी चेतना मंच एक ऐसा संगठन है, जिसमें विभिन्न वर्गों के विद्वान, समाजसेवी और मार्गदर्शक शामिल हैं। यह मंच महान व्यक्तित्वों की जीवनी, जयंती और कृतियों को समाज के समक्ष लाकर नई पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्य करता है।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अजय कुमार श्रीवास्तव को मंच का जिलाध्यक्ष चुना। साथ ही जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए डॉ अजय यादव और लवलेश कुमार यादव को उपाध्यक्ष, संतोष कुमार सिंह को सचिव, संजीत यादव को उपसचिव, दूधेश्वर प्रसाद को कोषाध्यक्ष, रघुनंदन यादव को उपकोषाध्यक्ष तथा महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष के रूप में पूनम यादव को मनोनीत किया गया। बैठक में संरक्षक मंडल के सदस्यों एवं अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए शिक्षा, चिकित्सा, महापुरुषों की जीवनी पर आधारित गोष्ठियां तथा नई पीढ़ी में शिष्टाचार का विकास आवश्यक है। उन्होंने समाज को एकजुट कर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने पर बल दिया। मंच ने घोषणा की कि मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल 10-10 छात्र-छात्राओं को डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। वहीं प्रांतीय समिति के संयोजक डॉ संतोष यादव और सह संयोजक तुलसी यादव ने कहा कि मंच का विस्तार सभी प्रखंडों में किया जाएगा और इसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में उपस्थित अन्य लोगों ने मंच के निर्णयों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए उपयोगी पहल बताया।

अब डिजिटल रूप में सहेजी जाएगी विरासत : 'ज्ञान भारतम् मिशन' से औरंगाबाद में पांडुलिपियों के संरक्षण की पहल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राज्य में पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन को गति देने के उद्देश्य से गुरुवार को "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी जिलों के जिला पदाधिकारियों ने भाग लिया और मिशन की प्रगति की समीक्षा की गई। औरंगाबाद जिला मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा, उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, डीआरडीए निदेशक अनुपम कुमार तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत देश की प्राचीन पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित एवं डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित किया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य इन अमूल्य धरोहरों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना और शोध, अनुवाद एवं प्रकाशन के माध्यम से वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कराना है।

मुख्य सचिव द्वारा निर्देश दिया गया कि 75 वर्ष या उससे अधिक पुराने हस्तलिखित दस्तावेज चाहे वे कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा, धातु या अन्य पारंपरिक माध्यमों पर लिखे गए हों उनका डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिकाधिक पांडुलिपियों के डिजिटाइजेशन में योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को जिला स्तर पर सम्मानित करने की भी बात कही गई। इन निर्देशों के आलोक में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने जिले में पांडुलिपियों के सूचीकरण और मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह को नोडल पदाधिकारी नामित करते हुए एक समिति का गठन किया है। समिति को निर्देश दिया गया है कि जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों जैसे मठ, मंदिर, पुस्तकालय, शैक्षणिक संस्थान एवं निजी संगठनों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की जाए और कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रति जागरूक करें और उपलब्ध पांडुलिपियों को "ज्ञान भारतम्" मोबाइल ऐप के माध्यम से अपलोड कराने में सहयोग करें। प्रत्येक प्रखंड में दो-दो पांडुलिपि सर्वेक्षकों की नियुक्ति का भी निर्देश दिया गया है, जो संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को गति देंगे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि जिनके पास 75 वर्ष या उससे अधिक पुराने हस्तलिखित दस्तावेज सुरक्षित हैं, वे डिजिटाइजेशन के लिए आगे आएं। इसके लिए जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज से संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि पांडुलिपियों का स्वामित्व संबंधित व्यक्ति या संस्था के पास ही सुरक्षित रहेगा और केवल उनका डिजिटल रूप तैयार कर भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण में योगदान दिया जाएगा।

कोर्ट का बड़ा फैसला

दुष्कर्म मामले में आरोपी को उम्रकैद पीड़िता को न्याय

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद में जिला जज प्रथम विश्व विभूति गुप्ता ने महिला थाना कांड संख्या 12/20 से जुड़े चर्चित दुष्कर्म मामले में सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए आरोपी को कठोर सजा सुनाई। न्यायालय ने एकमात्र अभियुक्त रणधीर कुमार, निवासी चौरम (दाउदनगर), को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(डी) के तहत दोषी मानते हुए सजा निर्धारित की। अभियोजन पक्ष की ओर से एपीपी रामनरेश प्रसाद ने बताया कि आरोपी को 26 मार्च 2026 को ही दोषी करार दिया गया था। मामले में डॉक्टर, अनुसंधान पदाधिकारी (आईओ) सहित कुल 9 गवाहों की गवाही दर्ज की गई थी, जबकि आरोप गठन 10 जनवरी 2022 को किया गया था। मामले की जानकारी देते हुए अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पीड़िता के भाई ने 3 जुलाई 2020 को महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

बेहद सुरक्षित व बेहतरीन चिकित्सा विकल्प है होमियोपैथी : डॉः मनोज

- 27 वर्षों से कैंसर, थायराइड, पीसीओडी, गठिया सहित कई जटिल बीमारियों का इलाज।
- गरीबों के लिए 15 वर्षों से निःशुल्क होमियोपैथिक क्लिनिक संचालित।
- हर रविवार दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक मुफ्त इलाज की सुविधा।

(डॉ. हैनिमन जयंती पर विशेष)

दाउदनगर (औरंगाबाद)।

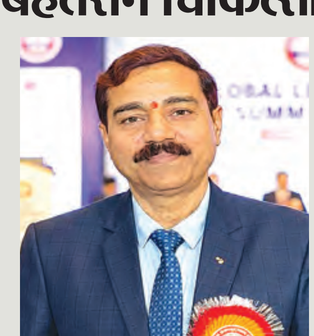

विश्व होमियोपैथी दिवस के अवसर पर दाउदनगर स्थित सुपर स्पेशियलिटी एवं एडवांस होमियोपैथिक रिसर्च क्लिनिक के संस्थापक एवं प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ मनोज कुमार ने होमियोपैथी को एक सुरक्षित, प्रभावी और सुलभ चिकित्सा पद्धति बताया। यह दिवस महान जर्मन चिकित्सक डॉ सैमुअल हैनिमेन की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने आमजन के लिए एक वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली विकसित की। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि आज के दौर में महंगा इलाज आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है, ऐसे में होमियोपैथी एक किफायती और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रही है। उन्होंने बताया कि यह चिकित्सा पद्धति रोग के लक्षणों की समानता के सिद्धांत "समः समं समयति" पर आधारित है, जिसमें बीमारी नहीं बल्कि रोगी की शारीरिक और मानसिक स्थिति के अनुसार उपचार किया जाता है।

उन्होंने कहा कि होमियोपैथी शरीर की "जीवन शक्ति" को मजबूत कर रोग को जड़ से समाप्त करने पर कार्य करती है। यदि सूक्ष्म स्तर पर रोग को नियंत्रित कर लिया जाए, तो स्थूल शरीर स्वतः स्वस्थ हो जाता है। यही कारण है कि यह चिकित्सा पद्धति दीर्घकालिक और स्थायी उपचार के लिए जानी जाती है। डॉ. मनोज ने बताया कि वे पिछले 27 वर्षों से कैंसर, थायराइड, ऑटिज्म, पीसीओडी, गठिया, प्रोस्टेट, बांझपन, सर्वाइकल और लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, सायटिका, कमर दर्द, लकवा, हृदय रोग, स्त्री रोग, चर्म रोग सहित कई जटिल बीमारियों का सफल इलाज करते आ रहे हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए उन्होंने करीब 15 वर्ष पूर्व शुक बाजार स्थित देवी मंदिर में एक निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सालय की स्थापना की, जहां प्रत्येक रविवार दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। अब तक हजारों मरीज इस सेवा का लाभ उठाकर स्वस्थ हो चुके हैं। अंत में उन्होंने कहा कि जहां कुछ लोग त्वरित राहत के लिए एलोपैथी और सर्जरी का सहारा लेते हैं, वहीं जो लोग स्थायी समाधान के लिए होमियोपैथी अपनाते हैं, वे बेहतर और संतुलित जीवन जी पाते हैं।

औरंगाबाद की बेटी नित्या पांडे का एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में चयन, बिहार की पहली खिलाड़ी बनीं

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के पिपरा गांव की प्रतिभाशाली खिलाड़ी नित्या पांडे ने बॉक्सिंग के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सब-जूनियर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान पक्का किया है। इस चयन के साथ ही वह बिहार की पहली महिला बॉक्सर बन गई हैं, जिन्हें एशियन स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला है। नित्या पांडे, जो वीरेंद्र पांडे की पुत्री हैं, का चयन पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में आयोजित ट्रायल के आधार पर हुआ। यह चयन उनकी लगातार मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर, औरंगाबाद के बॉक्सिंग कोच अखिल कुमार ने बताया कि नित्या ने अपने बॉक्सिंग करियर की शुरुआत गांधी मैदान स्थित खेल भवन सह व्यायामशाला में स्थापित खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर से की थी। शुरुआती दिनों से ही उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं।

वर्तमान में नित्या पांडे अंडर-15 बालिका वर्ग में 52 से 55 किलोग्राम भार वर्ग की खिलाड़ी हैं और इस वर्ग में उनकी तकनीक और आक्रामक खेल शैली की खास पहचान है। गौरतलब है कि सब-जूनियर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 का आयोजन ताशकंद, उज्बेकिस्तान में 1 मई से 16 मई 2026 तक किया जाएगा, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज : मोटर दुर्घटना वादों के त्वरित निस्तारण पर जोर, बीमा कंपनियों को लक्ष्य तय करने का निर्देश

एसवीवीव संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल ने की, जिसमें बीमा कंपनियों के पदाधिकारी एवं अधिवक्ता शामिल हुए। बैठक में मोटर दुर्घटना से संबंधित वादों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। सचिव तान्या पटेल ने सभी बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे स्वयं लक्ष्य निर्धारित कर उसे निर्धारित समय सीमा में क्रियान्वित करें, ताकि अधिक से अधिक मामलों का समाधान राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके।

इस दौरान ज्ञानेन्द्र कुमार (नेशनल इंश्योरेंस कंपनी) एवं अजीत कुमार (न्यू इंडिया इंश्योरेंस) सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवक्ता रजनी बल्लभ प्रसाद सिन्हा, सत्य प्रकाश नारायण, अरुण कुमार तिवारी और अरविन्द सिंह सहित अन्य ने भी बैठक में भाग लिया और वादों के निष्पादन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सचिव ने निर्देश दिया कि मोटर दुर्घटना से जुड़े मामलों को "मध्यस्थता राष्ट्र के लिए मुहिम" के तहत प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए समय सीमित है, इसलिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी संबंधित पक्षों के सहयोग से अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन संभव होगा, जिससे पीड़ितों को न्याय मिलने के साथ-साथ उनके जीवन को पुनः पटरी पर लाने में मदद मिलेगी।

कंदर्प कुसुम बने पीएनबी औरंगाबाद के नए मंडल प्रमुख

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। पंजाब नैशनल बैंक के मंडल कार्यालय, औरंगाबाद में नए मंडल प्रमुख कंदर्प कुसुम ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उनके कार्यभार संभालने के साथ ही मंडल कार्यालय में नई प्रशासनिक शुरुआत हुई है। यह पद पूर्व मंडल प्रमुख प्रवीण कुमार के स्थानांतरण के बाद रिक्त हो गया था। प्रवीण कुमार का स्थानांतरण रायपुर, छत्तीसगढ़ में कर दिया गया है। नए मंडल प्रमुख के पदभार ग्रहण करने के बाद बैंकिंग सेवाओं के सुचारु संचालन और क्षेत्रीय स्तर पर ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की उम्मीद जताई जा रही है।

शॉर्ट सर्किट से आग पर लगाम की तैयारी, अग्निशमन व विद्युत विभाग की संयुक्त कार्रवाई का निर्णय

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

जिले में बढ़ती आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण को लेकर गुरुवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी प्रभा कुमारी की अध्यक्षता में उत्सव भवन, कर्मा रोड स्थित सभा कक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अग्निशमन विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों ने भाग लेते हुए बिजली की शॉर्ट सर्किट से होने वाली घटनाओं की रोकथाम को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की। बैठक में हाल के दिनों में शॉर्ट सर्किट, अवैध विद्युत कनेक्शन, घटिया गुणवत्ता के एल्युमिनियम एवं कॉपर तार के उपयोग तथा ट्रांसफार्मरों पर बढ़ते लोड के कारण आग लगने की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि नकली और घटिया विद्युत तारों के कारण बढ़ रही घटनाओं को देखते हुए अग्निशमन एवं विद्युत विभाग की संयुक्त टीम गठित कर बाजारों और दुकानों में सघन जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया जाएगा। साथ ही घनी आबादी वाले क्षेत्रों, झुग्गी-झोपड़ियों और शहरी बस्तियों में अवैध वायरिंग, जर्जर तार, ओवरलोड ट्रांसफार्मर और असुरक्षित कनेक्शनों की जांच कर सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि आम नागरिकों को विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। लोगों को प्रमाणित एवं सुरक्षित विद्युत सामग्री के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा तथा आगजनी की घटनाओं की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को देने की अपील की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आग से संबंधित आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विभागों के बीच समन्वय और सूचना तंत्र को और मजबूत किया जाए।